शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

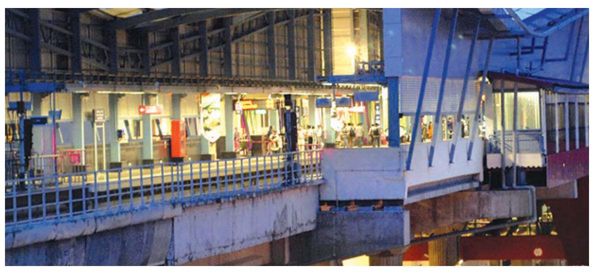

नंदिनी आउटलेट खोलने के लिए बीएमआर-सीएल को आवेदन जमा ... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 19 जून, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-168

## कनाडा शिखर सम्मेलन में भारत का डंका बजा आए मोदी

### राष्ट्रपति ट्रंप से पीएम मोदी ने टेलीफोन पर कहा

# न आपने मध्यस्थता की न हमें मध्यस्थता स्वीकार है

*अल्बर्टा कनानास्किस, 18 जून (एजेंसियां)।*

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के आमंत्रण पर जी-7 देशों के शिखर सम्मेलन में हाजिर होने गए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की क्रोएशिया रवाना होने से पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से करीब 35 मिनट फोन पर बात हुई। जी-7 शिखर सम्मेलन में हाजिरी लगा कर फौरन अमेरिका लौटे डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी से कनाडा से लौटते हुए वाशिंगटन में थोड़ी देर रुकने का आग्रह किया, लेकिन पीएम मोदी ने अन्य व्यस्तताओं का हवाला देकर उनका आग्रह इस बार के लिए टाल दिया। ट्रंप से हुई वार्ता में मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया कि पाकिस्तान ने युद्ध विराम की चिरौरी की थी, इसलिए ऑपरेशन सिंदूर को अल्पकालिक तौर पर स्थगित किया गया है। पीएम मोदी ने स्पष्ट किया कि शर्त के साथ हुए इस युद्ध विराम में किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता नहीं थी और न भारत किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार करेगा। पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति से यह भी स्पष्ट कर दिया कि अब आतंकवाद के नाम पर की जा रही हरकतों को प्रॉक्सी वार या छद्म युद्ध नहीं कहा जाएगा, बल्कि आतंकी किसी भी हरकत को औपचारिक युद्ध माना जाएगा और युद्ध के अनुरूप ही कार्रवाई की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारत आने का न्यौता दिया, जिसे ट्रंप ने स्वीकार कर लिया। इस वार्ता के बाद प्रधानमंत्री क्रोएशिया के लिए रवाना हो गए।

**पाकिस्तान की चिरौरी पर हुआ है अस्थायी युद्ध-विराम**

**आतंकी घटना हुई तो उसे युद्ध मान कर होगी कार्रवाई**

**लौटते में यूएस आने का ट्रंप का आग्रह मोदी ने टाला**

प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति के बीच हुई टेलीफोनिक वार्ता की आधिकारिक जानकारी देते हुए विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की मुलाकात तय थी। राष्ट्रपति ट्रंप को जल्दी अमेरिका लौटना पड़ा, जिसके कारण यह मुलाकात नहीं हो सकी। इसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप के अनुरोध पर आज दोनों नेताओं ने फोन पर बात की। उन्होंने करीब 35 मिनट तक बात की। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम मोदी से फोन पर ▶10 पर

## भारत से दोस्ती मजबूत करने के लिए उन्मुख दिखे कार्नी

**अल्बर्टा कनानास्किस, 18 जून (एजेंसियां)।** कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने दोनों देशों के बीच के तनाव को खत्म करने के लिए जी-7 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित कर दोबारा दोस्ताना माहौल शुरू करने की कोशिश की है। जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने भारत के पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इसके बाद मीडिया ने कार्नी से हरदीप सिंह निज्जर की हत्या पर सवाल किया। इस पर कनाडाई पीएम ने कहा कि कानूनी प्रक्रिया चल रही है, पर मुझे बोलने से पहले सतर्क रहना होगा। मीडिया से बात करते हुए कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि पीएम मोदी के साथ उन्होंने कानून प्रवर्तन के महत्व और उसके प्रत्यक्ष सहयोग पर चर्चा की और इसके अलावा आतंकवाद के अंतरराष्ट्रीय दमन पर भी बात की गई।

उल्लेखनीय है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार तीन देशों के दौरे पर निकले हैं। इनमें साइप्रस, कनाडा और क्रोएशिया शामिल है। जी-7 शिखर सम्मेलन में आने के लिए कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने पीएम मोदी को आमंत्रित किया था। भारत जी-7 देशों का हिस्सा नहीं है, ▶10 पर

## मोदी क्रोएशिया पहुंचे भारत के समर्थन में खड़ा क्रोएशिया

**अल्बर्टा कनानास्किस, 18 जून (एजेंसियां)।** कनाडा के अल्बर्टा स्थित कनानास्किस में हुए जी-7 देशों के शिखर सम्मेलन में शामिल होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क्रोएशिया के लिए रवाना हो गए। क्रोएशिया पहुंचने पर पीएम मोदी का भव्य स्वागत किया गया। क्रोएशिया गणराज्य के प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेंकोविच के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी क्रोएशिया की आधिकारिक यात्रा पर गए हैं। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की क्रोएशिया की पहली यात्रा होगी, जो द्विपक्षीय संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होने वाली है। पीएम मोदी और प्रधानमंत्री प्लेंकोविच द्विपक्षीय चर्चा करेंगे। पीएम मोदी क्रोएशिया के राष्ट्रपति जोरान मिलनोविच से मिलेंगे। क्रोएशिया की यात्रा यूरोपीय संघ में भागीदारों के साथ अपने संबंधों को और मजबूत करने की भारत की प्रतिबद्धता को भी दिखाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कनाडा से क्रोएशिया रवाना होने की जानकारी देते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कनाडा यात्रा बहुत ही शानदार और सफल रही। प्रधानमंत्री ने जी-7 शिखर सम्मेलन में ऊर्जा सुरक्षा, प्रौद्योगिकी और नवाचार ▶10 पर

### जी-7 शिखर सम्मेलन के आउटरीच सत्र में बोले पीएम मोदी

## ऊर्जा सुरक्षा के लिए 4-ए मंत्र पर चले विश्व

**अल्बर्टा कनानास्किस, 18 जून (एजेंसियां)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन में उपलब्धता, पहुंच, वहनीयता और स्वीकार्यता के 4-ए दृष्टिकोण के जरिए ऊर्जा सुरक्षा पर जोर दिया। उन्होंने एआई को उपयोगी लेकिन ऊर्जा-खपत वाली तकनीक बताया और इसे टिकाऊ बनाने की जरूरत पर जोर दिया। साथ ही पीएम मोदी ने मानव-केंद्रित तकनीक और वैश्विक सहयोग की बात भी कही।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-7 आउटरीच सत्र को संबोधित किया। इस सत्र का विषय था, ऊर्जा सुरक्षा: विविधता, तकनीक और बुनियादी ढांचा ताकि बदलती दुनिया में पहुंच और वहन क्षमता सुनिश्चित की जा सके। इस विषय पर पीएम मोदी ने बताया कि भारत का तकनीक के प्रति दृष्टिकोण मानवीय केंद्रित है। उन्होंने ऊर्जा सुरक्षा को लेकर भारत के 4-ए सिद्धांतों पर जोर दिया। जी-7 शिखर सम्मेलन में आमंत्रण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी को धन्यवाद दिया और जी-7 समूह को उसकी 50वीं वर्षगांठ पर

**तकनीक के प्रति मानवीय केंद्रित है भारत का दृष्टिकोण**

बधाई दी। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि ऊर्जा सुरक्षा आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। समावेशी विकास की भारतीय प्रतिबद्धता उपलब्धता (अवेलेबिलिटी), पहुंच (एक्सेसिबिलिटी), वहनीयता (अफॉर्डेबिलिटी) और स्वीकार्यता (एक्सेप्टेबिलिटी) जैसे चार सिद्धांतों पर आधारित है। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि भले ही भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है, लेकिन उसने पेरिस समझौते के लक्ष्यों को समय से पहले ही पूरा कर लिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने नई तकनीकों से जुड़ी चुनौतियों का भी जिक्र किया। उन्होंने तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और ऊर्जा के आपसी संबंधों पर बात की। उन्होंने कहा कि जहां एआई, कौशल और नवाचार बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण उपकरण बन चुका है, वहीं यह खुद भी ऊर्जा की खपत करता है। इसलिए यह जरूरी है कि हम इसे स्वच्छ और हरित तरीकों से टिकाऊ बनाएं।

भारत के मानव केंद्रित तकनीकी दृष्टिकोण पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि कोई भी तकनीक तभी प्रभावी होती है, जब वह आम लोगों के जीवन को बेहतर बनाए। एआई से जुड़ा वैश्विक शासन (गवर्नेंस) एक अहम मुद्दा है, जिसे हल करना जरूरी है, ताकि नवाचार को बढ़ावा मिले। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एआई के दौर में महत्वपूर्ण खनिजों की सुरक्षित और लचीली आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) होना जरूरी है। साथ ही उन्होंने कहा कि भारत में मौजूद विविध और उच्च गुणवत्ता वाला डाटा जिम्मेदार एआई के लिए जरूरी है। ▶10 पर

### ममता बनर्जी के अंध-मुस्लिमवाद पर हाईकोर्ट का प्रहार

## बंगाल सरकार की नई ओबीसी आरक्षण लिस्ट पर रोक

**कोलकाता, 18 जून (एजेंसियां)।** कलकत्ता हाईकोर्ट ने बंगाल सरकार की नई ओबीसी आरक्षण लिस्ट के जारी किए जाने पर रोक लगा दी है। यह रोक अंतरिम तौर पर लगाई गई है जो 31 जुलाई 2025 तक जारी रहेगी। इस ओबीसी लिस्ट में 76 जातियों को जगह दी गई है। इनमें से 85 प्रतिशत से अधिक जातियां मुस्लिम समुदाय की है। कलकत्ता हाईकोर्ट के जस्टिस तपब्रत चक्रवर्ती और जस्टिस राजशेखर मंथा की बेंच ने 17 जून को ओबीसी की नई लिस्ट जारी किए जाने पर अंतरिम रोक लगाई। यह रोक अगली सुनवाई 31 जुलाई तक जारी रहेगी।

नई ओबीसी लिस्ट के खिलाफ कलकत्ता हाईकोर्ट में दाखिल याचिका में यह आरोप लगाया गया था कि पश्चिम बंगाल सरकार ओबीसी की नई सूची में फिर से उन जातियों को जोड़ रही है, जिनका आरक्षण पिछली बार कलकत्ता हाईकोर्ट ने खत्म कर दिया था। कलकत्ता हाईकोर्ट के इस फैसले का राज्य के नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा, मैं ममता बनर्जी सरकार द्वारा तैयार की गई नई ओबीसी सूची में 76 मुस्लिम वर्गों को शामिल करने पर रोक लगाने के ऐतिहासिक

**76 जातियों की लिस्ट में थीं 67 मुस्लिम जातियां**

निर्णय के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। यह एक अहंकारी राज्य सरकार के खिलाफ न्यायपालिका की एक शानदार जीत है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी सरकार की तुष्टिकरण की राजनीति, ओबीसी सूची में लगभग 90 प्रतिशत नए मुस्लिम वर्गों के शामिल करने से स्पष्ट है और यह समानता तथा निष्पक्षता के सिद्धांतों का उल्लंघन है।

उन्होंने कहा कि 2010 में टीएमसी के आने से पहले ओबीसी वर्गों में केवल 20 प्रतिशत मुस्लिम थे लेकिन ममता बनर्जी के शासन में यह संख्या आसमान छू गई है। उन्होंने कहा कि इसके चलते आरक्षण के हक़दार हिन्दुओं का हक़ मारा जा रहा है।

भाजपा नेता अमित मालवीय ने इस फैसले को तुष्टिकरण की राजनीति पर चोट बताया है। अमित मालवीय ने इससे पहले कहा था कि ममता बनर्जी की सरकार द्वारा बनाई गई नई 2 सूचियों में 76 में 67 जातियां मुस्लिम हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि लिस्ट-ए में मुस्लिमों को 84 प्रतिशत जबकि लिस्ट-बी में 90 प्रतिशत जगह दी गई है। ममता सरकार ने 76 में से 74 जातियां वही रखी हैं जिनका आरक्षण मई 2024 में कलकत्ता हाईकोर्ट ने खत्म कर दिया था।

### सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,02,520/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,11,540/- (प्रति किलोग्राम)

### मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : $33^0$
न्यूनतम : $25^0$

### फास्टैग को लेकर नितिन गडकरी की बड़ी घोषणा

## 3000 के वार्षिक पास की स्कीम लॉन्च

**नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)।** केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने फास्टैग को लेकर बड़ी घोषणा की है। उनकी इस घोषणा से निजी वाहनों को खासतौर पर फायदा होगा। उन्होंने बुधवार को 3000 रुपए के वार्षिक फास्टैग आधारित पास का एलान किया। यह पास 15 अगस्त से प्रभावी होगा।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, हम 3,000 रुपए की कीमत वाला फास्टैग-आधारित वार्षिक पास पेश कर रहे हैं, जो 15 अगस्त 2025 से प्रभावी होगा। यह एक्टिव होने की तारीख से एक साल या 200 यात्राओं तक के लिए वैध रहेगा। सक्रिय होने की तारीख से एक साल या 200 यात्रा, में से जो भी पहले होगा, तब तक यह मान्य होगा। यह पास विशेष रूप से गैर-व्यावसायिक निजी वाहनों जैसे कार, जीप और वैन के लिए डिजाइन किया गया है।

नितिन गडकरी ने कहा, एक ऐतिहासिक पहल के तहत 15 अगस्त 2025 से 3,000 रुपए की कीमत वाला फास्टैग आधारित वार्षिक पास शुरू किया जा रहा है। यह पास सक्रिय होने की तिथि से एक वर्ष तक या 200 यात्राओं तक, जो भी पहले हो, वैध बना रहेगा। यह पास केवल गैर-व्यावसायिक निजी वाहनों (कार, जीप, वैन आदि) के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। ▶10 पर

### पूर्व केजरीवाल सरकार का क्लासरूम घोटाला, ईडी एक्शन में

## 2000 करोड़ के घोटाले में 37 ठिकानों पर छापा

**नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)।** दिल्ली में पूर्व केजरीवाल सरकार के कार्यकाल में हुए क्लासरूम निर्माण घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को 37 ठिकानों पर छापेमारी की। प्रवर्तन निदेशालय ने घोटाले की मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत कई ठिकानों पर छापा मारा है। ईडी ने दिल्ली भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की एफआईआर पर संज्ञान लेते हुए पीएमएलए के तहत आपराधिक मामला दर्ज करने के बाद छापेमारी की है। ईडी ठेकेदारों और निजी संस्थाओं के कम से कम 37 ठिकानों पर तलाशी कर रही है। ईडी ने 30 अप्रैल को दर्ज अपनी एफआईआर में आपा के नेता और अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार में पूर्व मंत्री मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के खिलाफ मामला दर्ज किया था। एफआईआर में आरोप

लगाया गया था कि दिल्ली सरकार के स्कूलों में 12,000 से अधिक कक्षाओं या अर्ध-स्थायी संरचनाओं के निर्माण में 2,000 करोड़ रुपए की वित्तीय अनियमितताएं की गई थीं। दिल्ली सरकार में शिक्षा मंत्री रहे मनीष सिसोदिया ने सरकारी स्कूलों का कायाकल्प करने की योजना के अंतर्गत 193 स्कूलों में 2400 से अधिक कक्षाओं का निर्माण कराया था। निर्माण की जिम्मेदारी पीडब्लूडी को सौंपी गई थी। केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) ने 17 फरवरी 2020 की ▶10 पर

### कार्टून कॉर्नर

# तेयुप विजयनगर का रिकॉर्ड सातवीं एटीडीसी आचार्य महाप्रज्ञ मेडिकल का भव्य शुभारंभ

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर द्वारा रविवार को सातवीं एटीडीसी एवं आचार्य महाप्रज्ञ मेडिकल का भव्य शुभारम्भ का कार्यक्रम जैन संस्कार विधि से करवाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्रोचार से हुई। संस्कारक राकेश दूधोड़िया, विकास बाँठिया, धीरज भादानी, संपत चावत, लाभेश कांसवा ने विविध मंत्रोचार से कार्यक्रम को निष्पादित करवाया। संस्कारक श्रेयांस गोलछा, दिनेश मरोठी, कमलेश चोपड़ा, संजय भटेवरा, पवन बैद, आशीष सिंघी भी उपस्थित रहे। अभातेयुप अध्यक्ष रमेश डागा की अध्यक्षता, मुख्य अतिथि अभूतपूर्व अध्यक्ष विमल कटारिया, उद्घघाटन कर्ता शायर, हीरालाल मालू, एटीडीसी के राष्ट्रीय सहप्रभारी आलोक छाजेड़, महाप्रज्ञ मेडिकल के राष्ट्रीय प्रभारी विकास बोथरा, सह प्रभारी अमित दक, अभातेयुप प्रबुद्ध विचारक एवं मुख्य प्रायोजक दिनेश पोखरणा, अभातेयुप परिवार, तेरापंथी सभा विजयनगर अध्यक्ष मंगल कोचर एवं टीम, महिला मंडल अध्यक्षा मंजु गादिया एवं टीम, प्लैटिनम प्रायोजक परिवार से अरविंद मांडोत, पवन मांडोत, गोल्डन, सिल्वर, सहप्रायोजक परिवारजन, तेयुप विजयनगर प्रबंध मंडल, पूर्व अध्यक्ष कार्यकारिणी सदस्य की गरिमामय उपस्थिति रही। कमलेश चोपड़ा ने अपने स्वागत वक्तव्य में कहा कि तेयुप विजयनगर द्वारा यह सातवीं डायग्नोस्टिक सेंटर एवं आचार्य महाप्रज्ञ मेडिकल का शुभारंभ जनसमाज को त्राण देनेवाला बनेगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा ने अपने वक्तव्य में कहा कि रियायती दरों पर परीक्षण करने से जरूरतमंदों को जो सहायता होती है वही सच्ची मानव सेवा है। अभातेयुप अभुतपूर्व अध्यक्ष विमल कटारिया ने कहा कि परिषद् द्वारा सात सात एटीडीसी का संचालन विजयनगर की विशिष्टता को दर्शाता है। साथ ही कहा कि अब बड़ा लक्ष्य लेकर कार्य करना है। विजयनगर के कार्यकर्ता श्रम और निष्ठा से न केवल आध्यात्मिक कार्य करते हैं, बल्कि सामाजिक कार्यों में भी पूरी रुचि दिखाते हैं। अभातेयुप उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने उपस्थित सभी तेयुप के साथियों को आह्वान करते हुए कहा कि विजयनगर में एक हॉस्पिटल के निर्माण की ओर अग्रसर होना चाहिए। उद्घाटन कर्ता शायर ने तेयुप विजयनगर को हमेशा मानव सेवार्थ गतिविधियों में प्रेरक एवं स्थाई कार्य के लिए बधाई संप्रेषित करते हुए परिषद को अपने वक्तव्य से उत्साहित किया। संस्था शिरोमणि श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के पूर्व अध्यक्ष, जय तुलसी फाउंडेशन के मुख्य प्रन्यासी हीरालाल मालू ने उत्साह वर्धन किया। अभातेयुप प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोखरणा ने तेयुप विजयनगर के हर एक मेम्बर का इस कार्य में लगे श्रम और लगन की सराहना की।

## राम राज्याभिषेक के साथ संपन्न हुई नौदिवसीय श्रीराम कथा

# श्रीराम के जीवन आदर्श अमृत कलश के समान : जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** श्री राम परिवार दुर्गा पूजा समिति बेंगलूरु के तत्वावधान में एकल श्रीहरि वनवासी फाउंडेशन के सहयोग से शहर के पैलेस ग्राउण्ड स्थित प्रिंसेस श्राइन में जारी नौदिवसीय श्री राम कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव मंगलवार को प्रभु श्रीराम के राज्याभिषेक के साथ सम्पन्न हुआ। कथा व्यास जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य ने श्रीराम का राज्याभिषेक कराया तो कथा पंडाल राजा रामचन्द्र की जय के जयकारों की गूँज से गुंजायमान हो उठा। नौवें दिन कथाक्रम को आगे बढ़ाते हुए जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य महाराज ने राम हनुमान मिलन, सुग्रीव की मित्रता, बाली के वध, सुग्रीव को राजा और बाली पुत्र अंगद को युवराज बनाने, पवनपुत्र हनुमान के समुद्र लांघकर लंका जाकर माता सीता का पता लगाने, लंका दहन, वानर सेना की मदद से सेतु निर्माण तथा रावण वध कर लंका पर विजय प्राप्त करने और विभीषण को लंका का राज्य सौंपने आदि प्रसंगों की कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि शबरी भक्तिभाव के साथ श्रीराम का आतिथ्य करती है और सीता की खोज में मदद के लिए सुग्रीव के पास भेजती है। वह श्रीराम को विभीषण का एक संदेश भी देती है, जिससे सीता के लंका में होने की पुष्टि होती है। प्रभु श्रीराम शबरी से विदा लेकर आगे बढ़ते हैं तो रास्ते में उनकी मुलाकात ब्राह्मण वेध धरकर आए अपने परम भक्त हनुमान से होती है। हनुमानजी राम और लक्ष्मण दोनों भाईयों को अपने कंधों पर बिठाकर सुग्रीव के पास लेकर जाते हैं। सुग्रीव का भाई बाली किष्किंधा का राजा था उसने सुग्रीव को राज्य से निष्कासित कर उसकी पत्नी को भी अपनी सहचारिणी बना लिया था। बाली इतना शक्तिशाली था कि लंका का राजा रावण भी उससे पराजित हो चुका था। बाली शक्ति का भय दिखाकर अपना शासन चला रहा था। इस कारण से अनेक वानर किष्किंधा से पलायन कर गये थे। अपने मित्र की मदद के लिए राम ने पहले बाली को मारा और फिर सुग्रीव को किष्किंधा के सिंहासन पर बिठाया। बाली के पुत्र अंगद को युवराज बनाया। यहीं से राम को जामवंत, हनुमान, अंगद, नल-नील आदि का साथ मिला। सीता की खोज करने में सुग्रीव की सेना, वानर, भालू, रीछ आदि के साथ गंधमादन पर्वत पर रहने वाले जटायु के भाई संपाती और उनके पुत्र सुपार्श्व ने भी मदद की। अंजनीपुत्र हनुमान माता सीता का पता लगाने के लिए समुद्र लांघकर लंका गये। वहाँ उनकी मुलाकात विभीषण से हुई और माता सीता के अशोकवाटिका में होने का पता चला। अशोकवाटिका में सीता से मिलकर उन्हें प्रभु श्रीराम का संदेश दिया। हनुमान जी लंकादहन कर वापस लौटे और प्रभु श्रीराम को माता सीता के बारे में बताया। इसके बाद सुग्रीव की वानर सेना की मदद से लंका पर चढ़ाई करने के लिए नल-नील की मदद से समुद्र पर सेतु का निर्माण किया गया। प्रभु श्रीराम अपनी सेना के साथ लंका पहुँचे। राम और रावण के बीच भीषण युद्ध हुआ। राम ने लंका पर विजय प्राप्त की और सीता को मुक्त कराया। विभीषण को लंका का राजा बनाया। इसके बाद श्रीराम, सीता और लक्ष्मण अयोध्या वापस लौटे। उन्होंने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की महिमा अपरम्पार है। आदर्श और नीतिगत जीवन जीने के लिए हम सबको अपने जीवन में उनके आदर्शों को अपनाना होगा। भगवान राम केवल शस्त्र ही नहीं शास्त्र के भी ज्ञाता थे। उनके जीवन के आदर्श हमारे लिए अमृत कलश के समान हैं। इसके साथ ही नौदिवसीय श्रीराम कथा को विराम देते हुए कथाव्यास जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य ने श्रीराम का राज्याभिषेक सम्पन्न कराया, जिसमें उत्सव यजमान श्री संजय अग्रवाल एवं मीना अग्रवाल के साथ अन्य यजमान, राजस्थान भाजपा प्रवासी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्रीकुमार लखोटिया, महेन्द्र मुणोत, ताराचंद गोयल, बाबूलाल गुप्ता, सचिन एवं पूजा पांडिया, सुरेश मोदी, राजू सुथार आदि शामिल हुए। कथा पंडाल राजा रामचंद्र की जय के जयकारों से गूँज उठा। समाजसेवी एवं परम गौभक्त महेन्द्र मुणोत ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम भारत की आत्मा हैं।

### पादुका पूजा की

इससे पूर्व नौवें दिवस की कथा के प्रारंभ में आचार्य रामचन्द्रदास ने मंगलाचरण करते हुए गुरु चरणों में विरुदावलि की। मुख्य यजमान जसराज महेन्द्र कुमार वैष्णव के साथ मिथिलेश तिवारी, अजय पाण्डेय ने पादुका पूजा की। भंडारा सेवा के लाभार्थी सुरेश बर्फा (तुमकुरु) ने सपरिवार कथाव्यास जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। आरती में राम कथा आयोजन समिति, महिला मंडल तथा श्रीराम परिवार दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों ने भाग लिया। इस अवसर पर श्री राम परिवार तथा एकल श्रीहरि वनवासी फाउंडेशन के पदाधिकारी एवं सदस्यों सहित विभिन्न समाजों के अनेक अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। यह जानकारी सचिव अजय प्रकाश पाण्डेय ने दी।

# स्थानिकवासी जैन महासंघ के निर्णय हों फलीभूत उचित फैसले सभी श्रीसंघ लागू करें : धारीवाल

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन महासंघ द्वारा सात सूत्री मार्गदर्शिका प्रस्तुतीकरण की घोषणा का स्वागत करते हुए ऑल इंडिया जैन माइनॉरिटी फेडरेशन के कर्नाटक प्रांतीय अध्यक्ष गौतमचंद धारीवाल ने कहा कि निश्चित ही इसे अब शहर के सभी श्रीसंघों को धरातल स्तर पर लागू करने की आवश्यकता है। उन्होंने महासंघ के सभी निर्णयों के फलीभूत होने की आशा व्यक्त करते हुए यह भी कहा कि कम खर्चे में चातुर्मास की संपन्नता व धर्म वृद्धि इसी प्रकार से होगी। उल्लेखनीय है कि हाल ही यहां महासंघ की सात सूत्री मार्गदर्शिका में अब स्थानकवासी समाज द्वारा आयोजित विभिन्न धार्मिक आयोजनों में मात्र 11 खाद्य पदार्थ की परोसने की बात सबसे पहले कही गई है। साथ ही साधु साध्वीवृंद के चातुर्मासिक प्रवेश में जुलूस अथवा वाद्य यंत्रों के प्रयोग नहीं करने, प्रवचन समय को अनुशासित रखने व ज्ञान वृद्धि को विशेष प्रोत्साहन देने का भी जिक्र है। जैन आगमों को जुलूस का हिस्सा नहीं बनने व अतिथि स्वागत सत्कार भी शाब्दिक करने पर जोर दिया गया है। कुल मिलाकर चातुर्मास अधिक खर्चीले नहीं हो, ऐसे सामूहिक निर्णय को पारित किया गया है। महासंघ द्वारा वर्तमान परिपेक्ष में उक्त श्रेष्ठ विचारों की श्रृंखला पर लगभग सभी श्रीसंघों के पदाधिकारियों ने उचित निर्णय करार देते हुए सहमति भी व्यक्त की है। धारीवाल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि आगामी दिनों में चातुर्मास के दौरान यह पारित उचित प्रस्तावों के निर्णय लागू होने पर निश्चित ही बेंगलूरु के ऐतिहासिक कदम की चहूं ओर सराहना होगी व अन्य शहरों में श्रीसंघों के लिए भी प्रेरणादायक सिद्ध होगी। उन्होंने ऐसी नेक व अनुकरणीय तथा समय की आवश्यकतानुसार निर्णायक पहल करने पर महासंघ के पदाधिकारियों व उपस्थित रहकर सहमति बनाने पर समस्त श्रीसंघों के पदाधिकारियों का भी आभार प्रकट किया।

# वोकल फॉर लोकल कार्यक्रम के अंतर्गत शपथ दिलायी

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** सीता देवी रतनचंद नाहर आदर्श कॉलेज चामराजपेट में मंगलवार को ऑपरेशन सिंदूर वोकल फॉर लोकल कार्यक्रम के अंतर्गत कॉलेज के छात्रों को देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए शपथ दिलायी गई।

कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम और नवकार मंत्र से की गई। तत्पश्चात संस्था के अध्यक्ष पदम राज मेहता ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय व्यापारी बोर्ड के अध्यक्ष सुनील सिंघी, राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य प्रकाश पिरगल, सचिव जितेंद्र मरडिया, कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर एस प्रशांत उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ज्योत्सना आर्य सोनी ने किया। सुनील सिंघी ने छात्रों को विकसित भारत 2047 की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए भारत और भारतीयता को अपनाने की बात कही। स्थानीय वस्तुओं का प्रयोग, स्थानीय रोजगार को बढ़ावा, डिजिटल इंडिया, स्वच्छ भारत, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, एक भारत श्रेष्ठ भारत जैसी संकल्पनाओं को सभी विद्यार्थियों के समक्ष रखा। इसके पश्चात मुख्य अतिथि ने सभी विद्यार्थियों को शपथ दिलाई। कंप्यूटर विज्ञान विभागाध्यक्ष पूर्ण प्रज्ञना ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गीत के साथ हुआ।

# वर्मा ने सिद्धारुढ़ मठ के दर्शन कर की खुशहाली की कामना

**हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।** वेस्टर्न रेलवे के प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी वरिष्ठ आईआरटीएस अधिकारी नीरज वर्मा ने अपने हुब्बल्ली प्रवास के दौरान दक्षिण की काशी के रूप में विख्यात श्री सिद्धारुढ़ मठ स्वामीजी मठ का दौरा कर दर्शन आरती की। इस दौरान मठ कमेटी के चेयरमैन चनवीर मुंगरवाड़ी ने मठ के बारे में जानकारी देते हुए मठ में प्रतिदिन चलने वाले दासोह के रसोई सहित श्री सिद्धारुढा स्वामीजी की जीवनी के बारे में जानकारी दी।

इस अवसर पर मठ कमेटी के अध्यक्ष चनवीर मुंगरवाड़ी, पूर्व चेयरमैन महेन्द्र सिंघी, उपाध्यक्ष विनय गोडके, ट्रस्टी डॉ. गोविन्द बनूर, उदय कुमार नायक ने आईआरटीएस अधिकारी नीरज वर्मा को शाल माला स्वामीजी की मूर्ति से सम्मानित कर रक्षा कवच प्रदान किया। इस अवसर पर महावीर लिंब सेंटर के कन्वीनर सुभाषचन्द्रा डंक सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

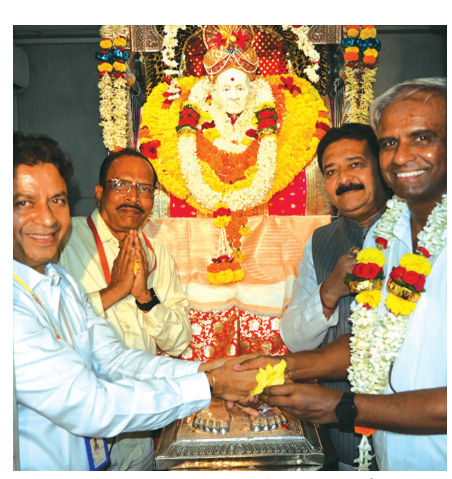

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** *मंजूनाथनगर मर्चेंट एसोसिएशन की आम सभा आयोजित की गई। एसोसिएशन की आम सभा में अध्यक्ष संघवी उत्तम चन्द आच्छा ने एसोसिएशन के तत्वावधान में चल रहे सुकार्यों की जानकारी दी एवं आगे इसी प्रकार एसोसिएशन को आगे बढ़ाने की रूपरेखा रखी। मंत्री रनित कोठारी ने सभी सदस्यों का धन्यवाद किया एवं कोषाध्यक्ष सुखदेव टॉक ने संघ के तत्वावधान में चल रहे हैं अन्नदान महादान कार्यक्रम पर खुशी व्यक्त की। यह जानकारी अंकित आच्छा ने दी।*

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** *श्री राम परिवार दुर्गा पूजा समिति द्वारा प्रिंसेस श्राइन पैलेस मैदान में आयोजित श्री राम कथा ज्ञान यज्ञ के नौवे दिन विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत दंपत्ति ने कथा व्यास श्री तुलसी पीठाधीश्वर जगद् गुरु श्री रामभद्राचार्य जी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा राम उन घरों में बसते हैं जिन घरों में बड़े बुजुर्गों का सम्मान होता है। बच्चों में अच्छे संस्कार होते हैं। गायों की सेवा होती है। प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण तरीके से उपयोग होता है। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** *अखिल भारतीय असंगठित पुरोहित कार्मिकर फेडरेशन कर्नाटक स्टेट द्वारा कनकपुरा रोड स्थित आर्ट ऑफ लिविंग आश्रम में आयोजित वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में समाज सेवा के लिए महेंद्र मुणोत को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर फेडरेशन के पदाधिकारी मौजूद रहे।*

# बीजेएस विजयनगर चैप्टर द्वारा गौशाला में सेवा समेत कई मानव सेवा

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** बीजेएस के इतिहास में पहली बार विजयनगर चैप्टर द्वारा एक साथ कई परियोजनाएं एक ही दिन में की गई।

मानव सेवा के अंतर्गत ऑटो राजा आश्रम में जहाँ 800 से ज्यादा लोगों को शरण दिया गया है, में नए और पुराने कपड़ों सहित कई आवश्यक चीजे दान दी गई।

गौसेवा कार्य के अंतर्गत श्री कृष्ण गौशाला हेन्नूर रोड में दान राशि सहित गायों के लिए रोटिया, खीरा, केले और घास प्रदान की गई और इस पुण्य कार्य में बीजेएस के कई युवाओं ने भी भाग लिया। उसी दिन गौशाला में पौधारोपण किया गया। गौशाला में कबूतरों के लिए एक बोरी जवार की व्यवस्था की गई। बीजेएस विजयनगर चैप्टर ने बीजेएस के राज्य सचिव सुनील लोढ़ा और बीजेएस विजयनगर के पूर्व अध्यक्ष धनराज बोहरा के मार्गदर्शन और फिलाल बीजेएस विजयनगर चैप्टर अध्यक्ष उषा बोहरा एवं मंत्री महावीर गुगलिया के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर उपाध्यक्ष शंकर दक, रवि जैन और बीजेएस युवा सदस्यों की उपस्थिति रही।

# ऑल इंडिया ट्रेडर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष का सम्मान

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** श्री अखिल भारतीय जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक युवक महा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सिंघी का ऑल इंडिया ट्रेडर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष पद पर पुनः मनोनीत किए जाने पर श्री अखिल भारतीय जैन श्वे मूर्तिपूजक युवक महासंघ बेंगलूरु शाखा द्वारा युवक महा संघ के अध्यक्ष मनोज बाफना के नेतृत्व में गोडवाड़ भवन में बहुमान किया गया। इस अवसर पर संघ के सलाहकार भेरुलाल दांतेवाड़िया, दिलीप वेदमूथा, महेंद्र सोलंकी, युवक महा संघ के अध्यक्ष मनोज बाफना, मंत्री आशीष बाफना, उपाध्यक्ष पदम मुथा, महावीर हुंडिया, चंद्रकांत तातेड़, कोषाध्यक्ष सुरेश लखानी, सहमंत्री मुकेश पालरेचा एवं सदस्य पदम भुरट, दिलीप भंडारी, सुरेश चौधरी, मेहन्द, हरीश ढेलरिया, महाबल भिलोषा, राजू श्रीश्रीमाल, दिलखुश बाफना, महावीर मांडोत, राकेश कटारिया, सुनील ओस्तवाल, कमलेश राठौड़, हरीश राठौड़ एवं बहुत से गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

## केएमएफ को बेंगलूरु के आठ मेट्रो स्टेशनों पर

# नंदिनी आउटलेट खोलने के लिए बीएमआरसीएल को आवेदन जमा करने का निर्देश: डी.के. शिवकुमार

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

विपक्षी भाजपा और जेडी(एस) द्वारा कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस पर नंदिनी के बजाय गुजरात स्थित अमूल को तरजीह देने का आरोप लगाए जाने के बाद, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक मिल्क फेडरेशन (केएमएफ) को बेंगलूरु के आठ स्टेशनों पर अपने आउटलेट खोलने के लिए बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआर-सीएल) को आवेदन जमा करने का निर्देश दिया गया है।

संवाददाताओं से बात करते हुए उन्होंने कहा, बीएमआरसीएल ने वैश्विक निविदा आमंत्रित की थी, और अमूल एकमात्र आवेदक था। हमने केएमएफ को बीएमआरसीएल को अपना आवेदन जमा करने का निर्देश दिया है। केएमएफ आठ मेट्रो स्टेशनों पर नंदिनी आउटलेट खोलेगा। भाजपा सांसद पी.सी. मोहन ने एक्स पर पोस्ट किया था कि 2023 के विधानसभा चुनावों से पहले, कांग्रेस ने भाजपा पर बाहरी लोगों का पक्ष लेने का

आरोप लगाया था। लेकिन अब, वही कांग्रेस सरकार, जो बीएमआरसीएल के संचालन और रखरखाव की देखरेख करती है, ने नंदिनी को विस्थापित करने के लिए 10 मेट्रो स्टेशनों पर अमूल कियोस्क को सक्षम किया है। शिवकुमार ने कहा, अमूल ने पहले ही दो मेट्रो स्टेशनों में अपने आउटलेट खोल दिए हैं। मौजूदा आउटलेट बंद करना उचित नहीं है। हमने बीएमआरसीएल को सूचित किया है कि वह केएमएफ को शेष आठ मेट्रो स्टेशनों में नंदिनी आउटलेट खोलने की अनुमति दे।

हमने पार्टी संगठन और ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी चुनावों पर अपने विधायकों के साथ बैठक की। ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी के तहत निगमों के गठन पर हमारे नेत-ाओं के साथ चर्चा की गई है, और अब इस पर विपक्षी नेताओं के साथ चर्चा करने की आवश्यकता है। हम उन्हें विश्वास में लेने के बाद निर्णय लेंगे। कचरा निपटान के बारे में उन्होंने कहा स्वच्छता बेंगलूरु पहल के तहत, हमने कचरा निपटान के लिए एक हेल्पलाइन स्थापित की है। लोग कचरे के ढेर की तस्वीर ले सकते हैं और उसे हेल्पलाइन नंबर पर भेज सकते हैं। एक सप्ताह के भीतर कार्रवाई की जाएगी। जहां तक गड्ढों को भरने का सवाल है, हमने संबंधित विधायकों को फंड दिया है। हमने बेंगलूरु में ई-खातों के वितरण के लिए एक अभियान तैयार किया है। राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा के निर्वाचन क्षेत्र में इस अभियान की शुरुआत पायलट आधार पर की गई थी। 25,000 ई-खाते तैयार हैं, और उन्हें 1 जुलाई से घर-घर पहुंचाया जाएगा। बेंगलूरु में करीब 25 लाख घर हैं, लेकिन केवल 5 लाख लोगों ने ही अपने दस्तावेज अपलोड किए हैं। अभियान एक महीने तक चलेगा। बेंगलूरु में वाइट-टॉपिंग के बारे में पूछे जाने पर उपमुख्यमंत्री ने कहा, शहर में कई जगहों पर वाइट-टॉपिंग का काम चल रहा है। मैंने कई जगहों पर काम की गुणवत्ता का निरीक्षण किया है। यह पूछे जाने पर कि क्या बी खाता जारी करने पर चर्चा हुई, उन्होंने कहा इस पर कैबिनेट की बैठक में चर्चा हुई है। हम कानूनी पहलुओं पर विचार-विमर्श के बाद इसकी घोषणा करेंगे।

# आईपीएस अधिकारी रवींद्र कशप्पा पर लगा गबन का आरोप

**बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।** आईपीएस अधिकारी रवींद्र कशप्पा गदादी ने अपने पद का दुरुपयोग कर अवैध रूप से संपत्ति अर्जित की है। उनके खिलाफ शिकायत दर्ज करने की अनुमति मांगते हुए सरकार के कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग के सचिव को पत्र लिखा गया है। अथानी तालुक के विनोद चक्रवर्ती नामक व्यक्ति ने संपत्ति अर्जित करने के संबंध में दस्तावेजों के साथ सरकार के सचिव के समक्ष लंबी शिकायत दर्ज कराई है। 2017 बैच के आईपीएस अधिकारी रवींद्र कशप्पा वर्तमान में बेलगावी जोन के डीसीआरई एसपी के पद पर कार्यरत हैं। उन पर आरोप है कि वे अपनी पत्नी, रिश्तेदारों और बेनामी के नाम पर कृषि भूमि समेत कई कारोबार में शामिल हैं। उनके परिवार के सदस्यों ने एक सहकारी समिति भी शुरू की है और अवैध ऋण और निवेश कर रहे हैं। विनोद चक्रवर्ती ने अनुरोध किया है कि इसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए और अभियोजन पक्ष को लोकायुक्त अदालत में निजी शिकायत दर्ज करने की अनुमति दी जाए।

# क्या बी.वाई.विजयेंद्र का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बने रहना तय है?

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

यह लगभग तय है कि पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के बेटे बीवाई विजयेंद्र कर्नाटक भाजपा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष बने रहेंगे। प्रभारी राधा मोहनदास अग्रवाल पिछले कुछ महीनों से चुपचाप भाजपा विधायकों की राय सुन रहे थे। चार-पांच विधायकों को छोड़कर सभी ने विजयेंद्र के पक्ष में हाथ उठाया था। चूंकि जिला अध्यक्षों का चयन भी यही है, इसलिए भाजपा नेता फिलहाल कोई जोखिम नहीं लेना चाहते। चूंकि बिहार में अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए केंद्रीय नेता वहां की राजनीति में व्यस्त रहेंगे। इसके अलावा, चूंकि हाल ही में जारी कुछ सर्वेक्षण एनडीए गठबंधन के पक्ष में नहीं हैं, इसलिए इस पर विशेष जोर दिए जाने की जरूरत है। इसलिए शीर्ष नेतृत्व चाहता है कि विजयेंद्र अगले तीन साल तक कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बने रहें। जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा की जाएगी। अगर सब कुछ उम्मीद के मुताबिक रहा, तो महीने के अंत तक आधिकारिक घोषणा हो सकती है। कर्नाटक के सभी 39 (भाजपा द्वारा संगठित जिलों) जिलों के अध्यक्षों की नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी हो गई है। इसके साथ ही विजयेंद्र ने जिला अध्यक्षों के चुनाव में स्पष्ट रूप से जीत हासिल कर ली है। प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज सिंह चौहान कर्नाटक आकर इसकी आधिकारिक घोषणा करेंगे। यह बहुत पहले ही हो जाना चाहिए था, लेकिन चूंकि कर्नाटक भाजपा इकाई में कई दरवाजे हैं, इसलिए भाजपा के आला नेताओं ने विकल्पों को तौलने के बाद घोषणा करने का फैसला किया है। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में भाजपा सबसे मजबूत है। इसलिए अमित शाह अपनी पकड़ खोने को तैयार नहीं हैं। भाजपा द्वारा कराए गए आंतरिक सर्वेक्षण में भी विजयेंद्र ने जीत हासिल की थी। बताया जाता है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दोनों में से किसी एक को प्रदेश अध्यक्ष बनाने की

तैयारी कर ली थी। हालांकि, कहा जा रहा है कि शाह ने फिलहाल इसे लागू न करने का फैसला किया है और इसे छह से सात महीने तक टालने का फैसला किया है। बताया जाता है कि अमित शाह ने कर्नाटक में भाजपा सरकार के समय से अमित शाह के करीबी और पूर्व मंत्री मुरुगेश निरानी को अध्यक्ष बनाने का लगभग फैसला कर लिया था। खबर है कि उन्होंने इस संबंध में उनसे वादा भी कर दिया था। खबर है कि लिंगायत समुदाय से आने वाले एक अन्य केंद्रीय मंत्री वी. सोमन्ना भी प्रदेश अध्यक्ष पद चाहते थे। अमित शाह को उनके चयन पर भी कोई आपत्ति नहीं थी। हालांकि खबर है कि अमित शाह ने केंद्रीय मंत्रिमंडल में पूरी लगन से काम कर रहे सोमन्ना को 'कुछ दिन रुक जाइए' का संकेत दिया है। विजयेंद्र के अलावा अमित शाह के नेतृत्व में रहे मुरुगेश निरानी और वी. सोमन्ना दोनों ही लिंगायत समुदाय के नेता हैं, लेकिन फिलहाल केंद्र में बैठे भाजपा नेताओं ने विजयेंद्र को ही पद पर बनाए रखने का फैसला किया है। बताया जाता है कि राज्य प्रभारी राधा मोहनदास अग्रवाल ने भी केंद्र को यही रिपोर्ट दी है।

# मेट्रो स्टेशनों पर नंदिनी की जगह अमूल को अनुमति देना सही नहीं: रेणुकाचार्य

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

पूर्व मंत्री एम.पी. रेणुकाचार्य ने राज्य सरकार से बेंगलूरु मेट्रो स्टेशनों पर गुजरात सरकार के अमूल स्टोरों की जगत कर्नाटक के गौरव नंदिनी ब्रांड के स्टोर खोलने की अनुमति देने का आग्रह किया है। मल्लेश्वरम स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि मेट्रो स्टेशनों पर गुजरात के अमूल स्टोर खोलने की अनुमति देने का राज्य सरकार का फैसला कन्नड़ लोगों और राज्य की भावनाओं का अपमान है। नंदिनी ब्रांड पूरे देश में प्रसिद्ध है। वर्तमान में कर्नाटक डेयरी फार्मिंग में देश में दूसरे स्थान पर है, जिसका मतलब है कि नंदिनी की भूमिका बहुत महत्व-पूर्ण है। उन्होंने सवाल किया कि इसे नजरअंदाज कर अमूल को मौका देना कितना सही है। कन्नड़ लोगों का नंदिनी से अटूट रिश्ता है। किसी के हित के लिए इसे नजरअंदाज कर अमूल को अनुमति देना सही नहीं है। सरकार को तुरंत अपना फैसला वापस लेना चाहिए। अन्यथा, कांग्रेस सरकार को कन्नड़ लोगों के गुस्से

का सामना करना पड़ेगा। सबसे पहले बीएमआरसी के तहत नंदिनी स्टोरों को अनुमति दें। उन्होंने कहा कि अतीत में हमारी सरकार में उन्होंने राज्य के लोगों से झूठ बोला था कि वह अमूल को दूध बेचने की अनुमति देगी। अब वे कन्नड़ लोगों की पीठ में छुरा घोंपने जा रहे हैं। अमूल को अनुमति देकर हमें अपने किसानों के पेट में छुरा नहीं मारना चाहिए। यदि टेंडर बुलाया जाता है, तो उसे तुरंत रद्द करें और नंदिनी स्टोर स्थापित करने की अनुमति दें। उन्होंने संदेह व्यक्त किया कि अमूल के साथ आंतरिक समझौते की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। वृद्धावस्था पेंशन और शाम की सुरक्षा में कटौती करने के सरकार के कदम की निंदा करते हुए रेणुकाचार्य ने कहा कि सरकार आर्थिक रूप से दिवालिया हो चुकी है। सरकार, जो गारंटी के लिए धन आवंटित करने के लिए संघर्ष कर रही है, वृद्धावस्था पेंशन जैसी पेंशन योजनाओं में कटौती करने की योजना बना रही है। शाम की सुरक्षा में कटौती करने का सरकार का कदम इस बात का संकेत है कि सरकार में पैसा नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि क्या सरकार, जो गारंटी लागू करने का दावा करती है, पेंशन का पैसा देने के लायक नहीं है। जब हमारी सरकार सत्ता में थी, तो हमने वृद्धावस्था पेंशन में वृद्धि की। अयोग्य लोगों के नाम पर पेंशन काटना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि यह लूटने वाली सरकार है, लूटने वाली सरकार है, हत्यारी सरकार है। ग्रामीण विकास विभाग की प्रगतिपथ योजना में अनुदान में भेदभाव के आरोप का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि सरकार को अनुदान में भेदभाव नहीं करना चाहिए। जब हमारी सरकार थी, तब हमने सौतेली मां की तरह व्यवहार नहीं किया। अगर ऐसा हुआ तो यह सरकार ज्यादा दिन नहीं चलेगी। सीएम और डीसीएम के बीच टकराव है। अगर अनुदान कम किया जाता है, तो यह उस निर्वाचन क्षेत्र के लोगों का अपमान करने जैसा है। उन्होंने मांग की कि सरकार को बिना भेदभाव के सभी निर्वाचन क्षेत्रों को समान अनुदान देना चाहिए। भगदड़ मामले में सीएम और डीसीएम को इस्तीफा देना चाहिए। जीत के जश्न के परिणामस्वरूप 11 निर्दोष लोगों की मौत हो गई। रेणुकाचार्य ने मांग की कि मंत्री इस घटना की नैतिक जिम्मेदारी लें और इस्तीफा दें।

# काबिनी जलाशय से पानी का बहाव बढ़कर 25,000 क्यूसेक हो गया

### बाढ़ की चेतावनी जारी

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

कर्नाटक के मैसूरु जिले में काबिनी जलाशय से पानी का बहाव बुधवार को 25,000 क्यूसेक से अधिक हो गया, जिससे निचले इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए बाढ़ की चेतावनी जारी की गई।

कावेरी नीरवरी निगम लिमिटेड (सीएनएनएल) ने नदी के दोनों किनारों पर रहने वाले निवासियों से पानी के पास न जाने और अपने पालतू जानवरों और मवेशियों के साथ सुरक्षा के लिए ऊंचे स्थानों पर जाने की अपील की है।

जलाशय में पानी के प्रवाह की दर में वृद्धि के परिणामस्वरूप पानी का बहाव बढ़ा दिया गया, जो अपनी क्षमता के करीब पहुंच रहा था। बुधवार दोपहर 12 बजे जल प्रवाह 21,545 क्यूसेक था, जबकि जल स्तर 2,284 फीट की क्षमता के मुकाबले 2,280.84 फीट था। जल प्रवाह में वृद्धि का कारण केरल के

वायनाड क्षेत्र में कपिला नदी के जलग्रहण क्षेत्र में भारी बारिश है। कोडागु जिले में भारी बारिश के कारण मांड्या जिले में कृष्णराज सागर (केआरएस) जलाशय में जल प्रवाह की दर भी बढ़ गई है। जल प्रवाह 29,368 क्यूसेक था, जबकि जलाशय का स्तर 124.80 फीट की क्षमता के मुकाबले 113.25 फीट था। इस साल दक्षिण पश्चिम मानसून के जल्दी आने से कोडागु जिले को लाभ मिला था, लेकिन मई के आखिरी हफ्ते में एक हफ्ते तक हुई भारी बारिश के बाद इसमें सुस्ती आ गई। नतीजतन, जून के आंकड़ों में बारिश में कमी का संकेत मिला। लेकिन पिछले 48 घंटों के दौरान मानसून ने फिर से जोर पकड़ा, जिसके परिणामस्वरूप केआरएस और हरंगी सहित विभिन्न जलाशयों में पानी का प्रवाह बढ़ गया। हालांकि 18 जून को बारिश अपेक्षाकृत कम हुई है, लेकिन पिछले दो दिनों में हुई बारिश से जल प्रवाह को लाभ मिल रहा है। सुबह 8.30 बजे समाप्त होने वाले 24 घंटे की अवधि के दौरान, भागमंडला में 91.20 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि शांथल्ली में 80 मिमी बारिश हुई।

# कर्नाटक के कई तालुकों में मानसून से पहले हुई भारी बारिश से भूजल स्तर में सुधार

**हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।**

मार्च से मई के बीच राज्य में हुई मानसून से पहले हुई भारी बारिश ने 138 तालुकों में भूजल स्तर को पिछले मई की तुलना में कम से कम दो मीटर नीचे (एमबीजीएल) बढ़ा दिया है। हालांकि, 19 तालुक ऐसे भी हैं, जहां भूजल स्तर में 0-4 एमबीजीएल की गिरावट देखी गई। तीन महीने पहले, राज्य के लगभग सभी वेधशाला कुओं में भूजल स्तर में कमी देखी गई थी और विशेषज्ञों का कहना है कि वर्तमान जल स्तर में वृद्धि का कारण राज्य भर में हुई भारी बारिश और उच्च सांद्रता वाली बारिश हो सकती है। 1 मार्च से 31 मई के बीच, राज्य में लगभग 171 मिमी अधिक बारिश हुई है। राज्य में आमतौर पर मानसून से पहले होने वाली सामान्य बारिश 115 मिमी होती है। हालांकि, इस साल यह 286 मिमी है, जो लगभग 149 प्रतिशत की भारी वृद्धि है। इन तीन महीनों में तीन तटीय जिलों में 707 मिमी अधिक वर्षा हुई है, जबकि चार

मलनाड जिलों में सामान्य से 443 मिमी अधिक वर्षा हुई है। जबकि 13 उत्तरी आंतरिक कर्नाटक जिलों में 189 मिमी अधिक वर्षा हुई है और राज्य के 11 दक्षिणी आंतरिक जिलों में 229 मिमी वर्षा हुई है। लघु सिंचाई और भूजल विकास विभाग द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, लगभग 85 तालुकों, जिनमें से अधिकांश मध्य कर्नाटक, कित्तूर कर्नाटक के कुछ हिस्से और बीदर और कलबुर्गी के कुछ हिस्से में भूजल स्तर में 4 मीटर से अधिक की वृद्धि देखी गई है। लगभग 53 तालुकों में भूजल स्तर में 2 और 4 एमबीजीएल की सीमा में वृद्धि देखी गई। 73 तालुकों, मुख्य रूप से कल्याण और कित्तूर कर्नाटक क्षेत्र में, भूजल स्तर में 0-2 एमबीजीएल की वृद्धि देखी गई है। विभाग के विश्लेषण में कहा गया है कि इस मई में कोलार, चिक्कबलापुर, बेंगलूरु ग्रामीण और रामनगर के तालुकों में 4 एमबीजीएल से अधिक की तीव्र गिरावट देखी गई है। कुल 19 तालुकों, जिनमें से अधिकांश दक्षिण कर्नाटक में हैं, में भूजल स्तर में शून्य से चार एमबीजीएल तक की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, यह कहना जल्दबाजी होगी कि राज्य में भूजल में भारी वृद्धि हुई है। लघु सिंचाई विभाग और भूजल विकास सचिव बीके पवित्रा ने बताया कि यह देखते हुए कि पिछले साल राज्य में लंबे समय तक सामान्य से अधिक बारिश हुई थी, विभिन्न उद्देश्यों के लिए भूजल का दोहन न्यूनतम रहा होगा। यह भूजल स्तर में सुधार दिखा रहा है। मानसून से पहले और मानसून के बाद के स्तरों के लिए कर्नाटक भर से भूजल निद-ेशालय के लगभग 2,700 वेधशाला कुओं का विश्लेषण करने के बाद डेटा संकलित किया गया था। कृषि और औद्योगिक गतिविधियों सहित विभिन्न कारणों से तेजी से घट रहे भूजल स्तर को रिचार्ज करने की उम्मीद है। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र (केएसएनडीएमसी) की 2021 की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के 53 तालुका भूजल का अत्यधिक दोहन कर रहे थे, जबकि 10 तालुका गंभीर और 35 तालुका भूजल निष्कर्षण में अर्ध-महत्वपूर्ण हैं। भूजल निद-ेशालय के सेवानिवृत्त निदेशक रामचंद्रैया बी जी का कहना है कि झीलों को भरने, जलाशयों में पर्याप्त मात्रा में पानी का भंडारण करने और पिछले साल प्रचुर मात्रा में बारिश की योजनाओं ने भूजल स्तर को सुधारने में मदद की है।

### कर्नाटक में उथले जलभृत हैं

कर्नाटक में उथले जलभृत हैं, खासकर राज्य के दक्षिणी हिस्से में, जिसका मतलब है कि भूजल का भंडारण तुलनात्मक रूप से कम है। अन्य उप-जलभृतों की तुलना में सतही जल का पुनर्भरण और कमी तेजी से होती है। जल संरक्षण विशेषज्ञ और शहरी योजनाकार एस विश्वनाथ कहते हैं, इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि बेंगलूरु और कावेरी बेसिन में भूजल स्तर में निरंतर वृद्धि हुई है। बेंगलूरु में हाल ही में हुई अत्यधिक वर्षा ने शहर की 63 झीलों को लगभग भर दिया है और अन्य 40 झीलें लगभग 75 प्रतिशत भर गई हैं। इससे भूजल का पुनर्भरण होगा। उनका कहना है कि भूजल में 4 एमबीजीएल की वृद्धि या गिरावट से कीमती भूजल स्तर की वर्तमान स्थिति की स्पष्ट तस्वीर नहीं मिलेगी।

# कर्नाटक में ठग लाइफ फिल्म हुई रिलीज

## पुलिस ने कन्नड़ कार्यकर्ता प्रवीण शेट्टी को भेजा नोटिस

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** कर्नाटक रक्षण वेदिके कार्यकर्ता प्रवीण शेट्टी को आरटी नगर पुलिस ने बुधवार को नोटिस भेजा। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कमल हासन अभिनीत फिल्म 'ठग लाइफ' को पूरे राज्य में रिलीज करने का आदेश दिया है। उनके घर के बाहर चिपकाए गए नोटिस में कहा गया है कि अगर फिल्म की रिलीज को लेकर कोई विरोध हुआ तो कार्रवाई की जाएगी, जो कि उच्च न्यायालय के आदेश का उल्लंघन है। नोटिस में कहा गया है कि अगर बेंगलूरु में फ्रीडम पार्क के अलावा कहीं भी कोई विरोध या धरना हुआ तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने नोटिस की कॉपी सौंपने की भी कोशिश की, लेकिन उन्होंने यह कहते हुए मना कर दिया कि वे विरोध की कोई जिम्मेदारी नहीं ले रहे हैं। पुलिस ने

एहतियात के तौर पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं।

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को फिल्म निर्माताओं और थिएटर मालिकों के बिना आगजनी और हिंसा की धमकी के फिल्में रिलीज करने के अधिकार को बरकरार रखा। साथ ही यह स्पष्ट किया कि कर्नाटक सरकार को कमल हासन के राज्य में 'ठग लाइफ' की स्क्रीनिंग के अधिकार की रक्षा करनी चाहिए। न्यायमूर्ति मनमोहन की एक अवकाश पीठ की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति उज्जल भुयान ने कर्नाटक सरकार के पक्ष को संबोधित करते हुए कहा हम भीड़ और निगरानी समूहों को अपनी सड़कों पर कब्जा करने नहीं दे सकते। हम ऐसा होने नहीं दे सकते। कानून का शासन कायम रहना चाहिए। पीठ बेंगलूरु निवासी एम. महेश रेड्डी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसका प्रतिनिधित्व अधिवक्ता एथेनम वेलन कर रहे थे, जिसमें कर्नाटक में हासन की सीबीएफसी-प्रमाणित तमिल फिल्म की सुरक्षित और निर्बाध स्क्रीनिंग सुनिश्चित करने की मांग की गई थी। याचिका में उन तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की गई थी, जिन्होंने सिनेमाघरों और फिल्म निर्माताओं के खिलाफ धमकियां दी हैं और हिंसा भड़काई है। कानून के नियम की मांग है कि किसी भी व्यक्ति को अपनी फिल्म रिलीज करने की अनुमति दी जानी चाहिए। फिल्म निर्माता इस बात से परेशान नहीं हो सकते या उन्हें डर नहीं होना चाहिए कि फिल्म दिखाने के लिए सिनेमाघरों को जला दिया जाएगा। लोग फिल्म देखने नहीं आ सकते। हम लोगों को फिल्म देखने आने का आदेश नहीं दे रहे। लेकिन फिल्म जरूर दिखाई जानी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि वह न केवल कानून के नियम के संरक्षक बल्कि मौलिक अधिकारों के संरक्षक की भूमिका में इस मामले में दृढ़ता से हस्तक्षेप करेगा। कानून के नियम के अनुसार आप किसी फिल्म की रिलीज को नहीं रोक सकते। यह सुनिश्चित करना राज्य का कर्तव्य है कि सीबीएफसी प्रमाण पत्र मिलने के बाद फिल्म रिलीज हो। हम इसी कानून का पालन करते हैं। लोग फिल्म देखने नहीं आ सकते, लेकिन सिनेमाघरों में आगजनी और घेराव अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के आड़े नहीं आ सकते।

# ट्रक ने निजी स्कूल वैन को टक्कर मारी, छात्रों को मामूली चोटें आईं

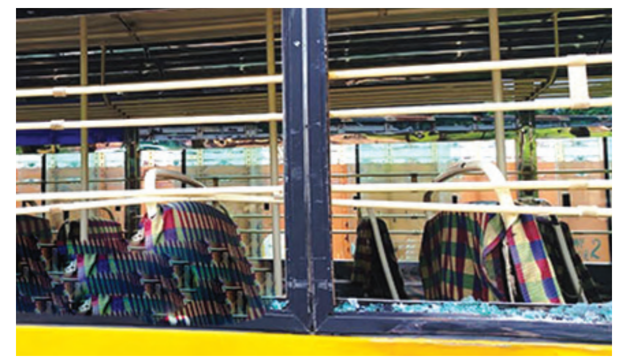

**उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।** जिले में सुबह करीब 9:30 बजे धर्मवरम के पास एक ट्रक और एक निजी स्कूल वैन के बीच टक्कर हो गई। यह घटना उस समय हुई जब स्कूल वैन यू-टर्न लेने की कोशिश कर रही थी। बताया जाता है कि दोनों वाहन कुंडापुरा से ब्रह्मवर की ओर एक ही दिशा में जा रहे थे, तभी यह दुर्घटना हुई। टक्कर के समय वैन में छात्र सवार थे। सौभाग्य से, उन्हें केवल मामूली चोटें आईं और उनका तुरंत इलाज किया गया। ब्रह्मवर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

# इजराइल में फंसे कन्नड़ लोग हैं सुरक्षित

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** इजराइल में फंसे कन्नड़ लोगों ने बताया कि रात में इजराइल में बम विस्फोट होते हैं। हमले से पहले, हमें अपने मोबाइल फोन पर एक संदेश मिलता है और हम सायरन भी सुनते हैं। हम तुरंत सुरक्षित क्षेत्रों में चले जाते हैं। हासन की एंथनी मैरी, जो इजराइल के तेल अवीव से थोड़ी दूरी पर रिसिनोलिगियो क्षेत्र के एक अस्पताल में नर्स के रूप में काम करती हैं, ने एक वीडियो कॉल के माध्यम से अपने गृहनगर के लोगों को वहां की स्थिति के बारे में बताया।

हासन के 25 से अधिक लोग इजराइल के विभिन्न हिस्सों में बस गए हैं। मेंगलूरु के लोग बड़ी संख्या में काम कर रहे हैं। फिलहाल, हम यहां सुरक्षित हैं। सरकार हमारी अच्छी तरह से देखभाल कर रही है। यह सभी आवश्यक सहयोग प्रदान कर रही है। दो दिन पहले समस्याएँ थीं,

लेकिन बुधवार को सब ठीक हो गया है। सब कुछ सामान्य है। अस्पताल, मॉल, दवा की दुकानें खुली हैं। लोग सामान्य रूप से घूम रहे हैं। इजराइल रात में हमला करता है। उस समय, हमें अपने मोबाइल फोन पर एक संदेश मिलता है। हम तुरंत सुरक्षित स्थानों या बंकरों में चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि अभी तक ऐसा कोई खतरा नहीं है। बम फटने की आवाज सुनाई दे रही है। हम बंकरों में शामिल हो गए हैं, कोई खतरा नहीं है। यहां के लोग बहुत अच्छे हैं। उन्होंने कहा कि वे हर तरह का सहयोग करते हैं। प्रत्येक बंकर एक विशाल बंकर है, जिसमें करीब 50 लोग रह सकते हैं। जमीन पर बनी इमारत से नीचे बंकर तक पहुंचने में 2 मिनट लगते हैं। हम तीन बंकरों में काम करते हैं। जब हम सायरन सुनते हैं, तो हम मरीजों को लेकर बंकर में शामिल हो जाते हैं। बंकरों को बमरोधी बनाया गया है। अगर कोई बम या सेल फटता है, तो बंकर के अंदर मौजूद लोगों को कोई खतरा नहीं होगा। बाहर रहने वालों को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि कुछ जगहों पर मौतें और चोटें भी आई हैं। फिलहाल, उड़ान सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि इसके शुरू होने के बाद कई लोगों के वापस लौटने की संभावना है।

# प्रदेश भर में मानसून की बारिश से आफतों का सिलसिला

### लोगों का जीना हुआ मुश्किल

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** पिछले कुछ दिनों से राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश ने कई आपदाएं ला दी हैं। मदिकेरी, हासन, चिक्कमंगलूरु, कोडागु, मेंगलूरु, भटकल, उडुपी, शिवमोग्गा, कारवार, बल्लारी और बेलगावी समेत कई जगहों पर भारी बारिश हो रही है, जिससे सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। कोडागु के बागमंडल में त्रिवेणी संगम लगातार हो रही बारिश के कारण पूरी तरह जलमग्न हो गया है। कावेरी बेसिन में बारिश का स्तर बढ़ गया है और हरंगी बांध से कावेरी नदी में करीब 18 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। कावेरी के उद्गम स्थल तालकावेरी में पानी भर गया है। त्रिवेणी संगम पार्क और

भंगदेश्वर मंदिर परिसर भी जलमग्न हो गया है। परिसर में स्थित दुकानों को खाली करने के निर्देश दिए गए हैं। नापोकलू, अय्यंगेरी, सन्नापुलिकोट्टू सड़कों पर पानी बह रहा है और संपर्क टूट गया है। हरंगी जलाशय का जलस्तर बढ़ गया है और सुरक्षा कारणों से 4 क्रस्ट गेटों के माध्यम से पानी छोड़ा जा रहा है। महाराष्ट्र के पश्चिमी घाट और बेलगावी जिलों में भारी बारिश हो रही है और सन्ननदियाँ उफान पर हैं। महाराष्ट्र में भारी बारिश के कारण कृष्णा, वेदगंगा और दूधगंगा नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। चिक्कोडी डिवीजन में छह निचले पुलों पर पानी भर गया है और 12 गांवों का संपर्क टूट गया है। कृष्णा का जलस्तर भी दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। खानपुर के वन क्षेत्र में बारिश के कारण मलप्रभा नदी उफान पर है और खानपुर तालुक के हब्बनट्टी गांव में अंजनेया में बाढ़ आ गई है। जिले के कोप्पा तालुक के होसुर गांव में देर रात हुई बारिश के कारण गिड्डप्पा के घर की दीवार गिर गई, जिससे उनका सामान और फर्नीचर नष्ट हो गया।

सौभाग्य से, कोई जनहानि नहीं हुई। कलासा तालुक के निरसानिगे में एक पेड़ गिर गया, जिससे घर की छत क्षतिग्रस्त हो गई। तारिकेरी तालुक में पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र कलाथगिरी झरना पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है।

उपायुक्त मीना नागराज ने कहा श्रृंगेरी तालुक में नेमारू और तानिकोडु के पास एक पहाड़ी ढह गई और एहतियात के तौर पर 20 जून को सुबह 8 बजे तक राष्ट्रीय राजमार्ग 169 पर यातायात प्रतिबंधित कर दिया गया है। लगातार बारिश के कारण तुंगा नदी उफान पर है और बांध से 37,000 क्यूसेक पानी पहले ही छोड़ा जा चुका है, जिससे नदी के तल में बाढ़ आने की आशंका बढ़ गई है। होसानगर तालुक के हुलीकलघाट के पास एक पहाड़ी ढह गई और उसी स्थान पर एक लॉरी खराब हो गई, जिससे कई किलोमीटर तक वाहन फंसे रहे। हासन जिले में बारिश के कारण हेमावती जलाशय में पानी का बहाव बढ़ गया है। 26.120 टीएमसी पानी जमा हो गया है और सुरक्षा कारणों से कभी भी पानी छोड़ा जा सकता है। अधिकारियों ने नदी के किनारे के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने का निर्देश दिया है। बल्लारी तालुक के शिरावारा गांव में एक सरकारी स्कूल के कमरे की छत गिरने से एक छात्र के सिर में चोट लग गई। कलबुर्गी तालुक में लगातार बारिश के कारण दीवार में पानी घुसने और उसके ढह जाने से गुड्डूर गांव के चंद्रशेखर नाम के एक लड़के की मौत हो गई।

# मंत्री ने नीट सीटों के लिए बिचौलियों के झांसे में न आने की अपील की

**कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।** चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. शरण प्रकाश पाटिल ने कहा कि डॉक्टर बनने का सपना लेकर राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा देने वाले और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्रों को किसी भी कारण से बिचौलियों के जाल में नहीं फंसना चाहिए। मेडिकल सीट दिलाने का वादा करने वालों की संख्या में वृद्धि हुई है। कर्नाटक में नीट परीक्षा के लिए 1,47,782 उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया था। 1,42,369 छात्र उपस्थित हुए, जिनमें से 83,582 उत्तीर्ण हुए। मंत्री ने किसी भी तरह से अच्छे कॉलेज में सीट पाने की जल्दबाजी न करने और बिचौलियों के जाल में न फंसने की सलाह दी है। सीटों का आवंटन कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण (केईए) द्वारा व्यवस्थित रूप से किया जाता है। छात्रों और अभिभावकों को नियमों का अवश्य पता करके पालन करना चाहिए। उत्कृष्ट

परिणाम प्राप्त करने तथा रैंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए मंत्री ने कहा कि वे सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। यदि कोई भी व्यक्ति विद्यार्थियों या अभिभावकों को मेडिकल सीट दिलाने का वादा करके गुमराह करता पाया गया तो ऐसे दलालों की पहचान कर उनके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने चेतावनी दी कि विद्यार्थियों और अभिभावकों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को वे बर्दाश्त नहीं करेंगे।

# एक साल बाद भी प्रज्वल रेवन्ना जेल में हाईकोर्ट ने जमानत याचिका स्थगित की

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** कर्नाटक उच्च न्यायालय ने एक बार फिर पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना की जमानत याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी, जो वर्तमान में कई यौन उत्पीड़न और दुराचार मामलों के सिलसिले में न्यायिक हिरासत में हैं। यह सुनवाई न्यायमूर्ति एस आर कृष्ण कुमार की पीठ के समक्ष हुई। प्रज्वल का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता प्रभुलिंग नवदगी ने तर्क दिया कि प्रारंभिक मामले में यौन उत्पीड़न की शिकायत शामिल थी, और बाद में इसे बलात्कार के आरोप में बदल दिया गया। उन्होंने आगे कहा कि कथित घटना पांच साल पहले हुई थी, जिससे पता चलता है कि आर-पों का इस्तेमाल प्रज्वल रेवन्ना को फंसाने के लिए किया जा रहा है। इस विशेष मामले में, प्रज्वल के पिता और वर्तमान विधायक, एच डी रेवन्ना मुख्य आरोपी हैं,

जबकि प्रज्वल को दूसरे आरोपी के रूप में नामित किया गया है। नवदगी ने यह भी कहा कि एक जांच पहले से ही चल रही है और आरोपों में 158 गवाहों के बयान शामिल हैं, जिससे मुकदमे के जल्द ही समाप्त होने की संभावना नहीं है। जवाब में, विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) जगदीश ने अदालत को बताया कि कुल चार मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें से दो में सुनवाई पहले ही चल रही है। उन्होंने जमानत याचिका पर आपत्ति दर्ज करने के लिए समय मांगा। अनुरोध पर ध्यान देते हुए, उच्च न्यायालय ने आपत्ति दर्ज करने के लिए समय दिया और मामले को अगली सुनवाई के लिए 20 जून तक के लिए स्थगित कर दिया। प्रज्वल रेवन्ना 31 मई से न्यायिक हिरासत में हैं, जब उन्हें यौन उत्पीड़न की शिकायत के आधार पर जर्मनी से लौटने पर गिरफ्तार किया गया था। उन पर आईपीसी की धारा 376, 376(2)(के), 354, 354ए और 354बी के तहत आरोप हैं। उनके पिता रेवन्ना पर धारा 354 और 354ए के तहत मामला दर्ज है। मीडिया में प्रज्वल से जुड़े कथित अश्लील वीडियो सामने आने के बाद इस मामले ने व्यापक ध्यान आकर्षित किया। इसके जवाब में कर्नाटक सरकार ने 27 अप्रैल को एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया। प्रज्वल, जिन्होंने जर्मनी जाने के लिए अपने राजनयिक पासपोर्ट का इस्तेमाल किया था, को 30 अप्रैल को उनकी पार्टी से निलंबित कर दिया गया था। उन्हें विदेश में खोजने के लिए 5 मई को इंटरपोल ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था। लगभग एक महीने तक जर्मनी में रहने के बाद, प्रज्वल 31 मई को म्यूनिख से बेंगलूरु लौटे और उन्हें हवाई अड्डे पर गिरफ्तार कर लिया गया। तब से, वह जमानत के लिए कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं - लेकिन एक साल बाद भी, हिरासत में उनका समय जारी है।

# मरम्मत के कुछ दिन बाद ही नंतूर रोड पर फिर गड्ढे

**मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** शहर में नंतूर रोड की मरम्मत के तीन दिन बाद भी एक बार फिर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिससे असुविधा हो रही है और काम की गुणवत्ता को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

हल्की बारिश और लगातार यातायात के कारण नए सिरे से बनाए गए इस मार्ग के जल्दी खराब होने पर यात्रियों ने निराशा व्यक्त की। मंगलवार की सुबह, मोटर चालकों और दोपहिया वाहन सवारों को उबड़-खाबड़ सड़क पर चलने में परेशानी हुई, कई लोगों को बड़े-बड़े गड्ढों से बचने के लिए खतरनाक तरीके से मुड़ना पड़ा। नगर निगम अधिकारियों की ओर से तत्काल कोई कार्रवाई न किए जाने पर, यातायात पुलिस अधिकारियों ने दुर्घटनाओं को रोकने और वाहनों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में पत्थर रखने की पहल की। निवासी और दैनिक यात्री संबंधित विभागों से अधिक स्थायी और गुणवत्ता-संचालित समाधान की मांग कर रहे हैं। वे मरम्मत कार्य की स्थायित्व पर सवाल उठाते हैं और अधिकारियों से उचित सड़क मानकों को सुनिश्चित करने का आग्रह करते हैं, खासकर नंतूर रोड जैसे व्यस्त मार्गों पर।

# अपार्टमेंट के परकोलेशन पिट में खोपड़ी और मानव हड्डियाँ मिलीं

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** बेगुर में क्रेडेंस फ्लोरा के निवासी 16 जून को साइट की सफाई करते समय बेंगलूरु के माइको लेआउट में अपार्टमेंट परिसर में परकोलेशन पिट में से एक में मानव खोपड़ी और हड्डियाँ पाकर चौंक गए। रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के अध्यक्ष स्कारिया जॉन की शिकायत के आधार पर, बेगुर पुलिस ने अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया है, और खोपड़ी और हड्डियों को फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है।पुलिस विशेषज्ञों की रिपोर्ट का इंतजार कर रही है, जो मृतक की उम्र सहित अधिक विवरण प्रदान कर सकती है।अपनी शिकायत में जॉन ने कहा कि आरडब्ल्यूए ने अपार्टमेंट में 16 परकोलेशन पिट्स को साफ करने का ठेका दिया था। एक गड्ढे की सफाई करते समय, श्रमिकों को मानव अवशेष मिले। उन्होंने जॉन को सूचित किया, जिन्होंने पुलिस को सूचित किया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा खोपड़ी की बरामदगी को देखकर ऐसा लगता है कि यह घटना कई साल पहले हुई होगी। यह बहुत आश्चर्यजनक है कि आरडब्ल्यूए या निवासियों को इसके बारे में कैसे पता नहीं चला। अपनी शिकायत में जॉन ने कहा कि रिसाव वाले गड्ढे काम नहीं कर रहे थे, जिसके कारण संबंधित अधिकारियों ने उन्हें नोटिस भेजा था। इसलिए, आरडब्ल्यूए ने गड्ढों को साफ करने का फैसला किया ताकि उन्हें इस्तेमाल के लायक बनाया जा सके।

# कैबिनेट बैठक में कोलार, चिक्कबल्लापुर और बेंगलूरु ग्रामीण जिलों की जल समस्या को शामिल करने का आग्रह

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** कोलार, चिक्कबल्लापुर और बेंगलूरु ग्रामीण जिलों की जल समस्या के समाधान की मांग करने वाली समिति शाश्वत नीरा-वरी होराता समिति ने कर्नाटक सरकार से गुरुवार को चिक्कबल्लापुर जिले के नंदी हिल्स में होने वाली राज्य कैबिनेट की विशेष बैठक के एजेंडे में इस मुद्दे को शामिल करने का आग्रह किया है।

समिति के अध्यक्ष आर. अंजनेया रेड्डी ने मुख्य सचिव शालिनी रजनीश को इस संबंध में

एक ज्ञापन सौंपा।

उन्होंने कहा कि समिति इन जिलों में जल संकट की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास कर रही है, जहां कई क्षेत्रों में भूजल फ्लोराइड, नाइट्रेट, यूरेनियम और आर्सेनिक से दूषित है। उन्होंने कहा कि यह उचित होगा कि कैबिनेट इस क्षेत्र में विशेष बैठक में अन्य मुद्दों के साथ-साथ इस मुद्दे पर भी चर्चा करे। एत्तिनाहोल लिफ्ट सिंचाई परियोजना को इस क्षेत्र के लिए आशा की किरण के रूप में पेश किया जा रहा है, लेकिन कर्नाटक सरकार लोगों को यह आश्वासन क्यों दे रही है कि इस परियोजना से 24 टीएमसीएफटी पानी मिलेगा, जबकि आईआईएससी ने 2015 में अपनी अध्ययन रिपोर्ट में वास्तविक उत्पादन 8 टीएमसीएफटी से कम होने की उम्मीद जताई थी। उन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि केसी घाटी और एचएन घाटी से इस क्षेत्र में आने वाले पानी को तृतीयक उपचार के अधीन करने के लिए कोई उपाय नहीं किए गए हैं, जबकि केंद्रीय संस्थानों, कर्नाटक राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और राष्ट्रीय हरित अधिकरण की निगरानी समिति ने इस संबंध में निर्देश दिए हैं। रेड्डी ने कृष्णा और पेन्नार नदियों को जोड़ने की राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी की सिफारिश पर सरकार के विचार जानना चाहा, ताकि कृष्णा का पानी तीनों जिलों में लाया जा सके।

# चिनार के बाद अब अखरोट को भी मिलेगा क्यूआर कोड

**जम्मू, 18 जून (ब्यूरो)।** कश्मीर में अखरोट की खेती और शोध में क्रांति लाने के लिए एक अद्भुत पहल के तहत, हंदवाड़ा (कुपवाड़ा) के कुलंगम में अखरोट अनुसंधान केंद्र देश का पहला ऐसा केंद्र बन गया है, जिसने अखरोट के पेड़ों को क्यूआर कोड के साथ डिजिटल रूप से टैग किया है। इस कदम का उद्देश्य प्रत्येक पेड़ के बारे में विस्तृत जानकारी को उसकी किस्म, उम्र से लेकर उसके नट और गिरी के आकार तक एक सरल स्कैन के साथ सुलभ बनाना है।

भारत में अखरोट का अग्रणी उत्पादक जम्मू कश्मीर, देश भर में और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे अखरोट और प्रसंस्कृत गिरी दोनों का निर्यात करता है। अधिकारियों के अनुसार, नई पहल बागवानी को आधुनिक बनाने और अखरोट उत्पादन में ट्रेसेब्लिटी में सुधार करने के जम्मू और कश्मीर के

मिशन को दर्शाती है। अखरोट प्रसंस्करण इकाई के प्रमुख डॉ. इम्तियाज लोन कहते हैं, हमारे पास 50 लाख से अधिक अखरोट के पौधे हैं, जिनमें से प्रत्येक की किस्म अलग-अलग है। इस तकनीक के साथ, कोई छात्र या आगंतुक एक क्यूआर कोड को स्कैन कर सकता है और पौधे की उम्र, नट का आकार, गिरी का आकार, प्रोटीन और वसा की मात्रा और यहां तक कि औषधीय मूल्य जैसे व्यापक डेटा तक तुरंत पहुंच सकता है। यह डिजिटल रिकार्ड-कीपिंग बेहतर बाग प्रबंधन, बीमारी ट्रैकिंग और गुणवत्ता नियंत्रण का समर्थन करेगी।

डॉ. लोन इस पहल के लिए शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुलपति और निदेशक की दूरदर्शिता को श्रेय देते हैं जिसके बारे में उनका कहना है कि जल्द ही प्रशासन के सहयोग से जम्मू कश्मीर में हर अखरोट के पेड़ को कवर करने के लिए इसका विस्तार किया जाएगा।

क्यूआर-कोडिंग परियोजना सूखे मेवे की खेती को बढ़ावा देने और कश्मीरी अखरोट को भारत और विदेशों में एक प्रीमियम उत्पाद के रूप में स्थापित करने के व्यापक मिशन का हिस्सा है। शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के भीतर स्थित अनुसंधान केंद्र भी नई खेती के तरीकों का बीड़ा उठा रहा है। ऐसी ही एक विधि से एक ही गिरी से 15 से 20 पौधे उग सकते हैं, जो पारंपरिक दो से चार की तुलना में एक महत्वपूर्ण छलांग है। डॉ. लोन कहते हैं कि पारंपरिक अखरोट के बागों के विपरीत, जिनमें चढ़ाई की आवश्यकता होती है और दुर्घटना का खतरा होता है, हमारे नए मॉडल में कम ऊंचाई वाले, उच्च घनत्व वाले पेड़ हैं जिन्हें सेब के बागों की तरह हाथ से काटा जा सकता है। यह दृष्टिकोण न केवल सुरक्षा में सुधार करता है बल्कि उत्पादकता को भी बढ़ाता है। वर्तमान में, ये उच्च घनत्व वाले अखरोट के बगीचे विश्वविद्यालय के वडूरा और शालीमार शिविरों और कई अन्य शोध केंद्रों में संचालित हैं। किसानों और छात्रों को यहां आने और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

डॉ. लोन कहते हैं, हमारे पास 500 से अधिक किस्में हैं, जिनमें 200 नई किस्में शामिल हैं जो अमेरिका और चीन में पाई जाने वाली किस्मों से प्रतिस्पर्धा करती हैं या उनसे भी बेहतर हैं। हम किसानों को प्रशिक्षित करने, बडवुड साझा करने और पूरे क्षेत्र में इसी तरह के बगीचे स्थापित करने में मदद करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि दीर्घकालिक लक्ष्य जम्मू और कश्मीर को दुनिया में अखरोट की उत्कृष्टता का केंद्र बनाना है। हम भारत और दुनिया भर में कश्मीरी अखरोट उगाना चाहते हैं। यही हमारा मिशन है।

# ईरान में फंसे 90 कश्मीरी छात्र आज रात पहुंचेंगे देश

**जम्मू, 18 जून (ब्यूरो)।** इजराइल-ईरान युद्ध के बीच, जम्मू कश्मीर के 90 छात्रों के आज रात तक नई दिल्ली पहुंचने की संभावना है। उन्हें श्रीनगर तक हवाई जहाज से निःशुल्क पहुंचाने की घोषणा भारत सरकार ने की है जिन्हें ईरान से सुरक्षित निकालकर आर्मेनिया पहुंचाया गया था। अन्य करीब 3 हजार कश्मीरी छात्रों की वापसी की भी कोशिशें चल रही हैं।

कश्मीर के अभिभावकों और छात्र संगठनों के अनुमान के अनुसार, 3000 से अधिक कश्मीरी बच्चे विभिन्न ईरानी मेडिकल कालेजों में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे हैं, क्योंकि यहां के अभिभावक अपने बच्चों को ईरान के किफायती कालेजों और कश्मीर के साथ सांस्कृतिक समानताओं के कारण वहां भेजना पसंद करते हैं। शुक्रवार को शुरू हुए इजराइल और ईरान के बीच युद्ध के बाद कश्मीरी छात्रों के माता-पिता ने भारत सरकार से अपने बच्चों को वहां से निकालने की अपील की थी। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को कहा था कि उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर से ईरान में फंसे कश्मीरी छात्रों की सुरक्षा के बारे में बात की है, लेकिन उनकी सरकार ने निकासी और ईरान में फंसे छात्रों की संख्या के बारे में कोई विवरण साझा नहीं किया है।

जबकि जम्मू कश्मीर के जम्मू कश्मीर छात्र संघ ने बताया कि ईरान में फंसे कश्मीर वादी के 90 छात्र बढ़ते संघर्ष के बीच सुरक्षित रूप से ईरानी सीमा पार कर आर्मेनिया पहुंच गए थे और अब वे नई दिल्ली पहुंचने वाले हैं। ये छात्र उर्मिया मेडिकल यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे थे और उन्हें निकालकर आर्मेनिया पहुंचाया गया था। संघ के राष्ट्रीय संयोजक नासिर खुहमी ने पत्रकारों को इसकी जानकारी दी थी। सत्तारूढ़ पार्टी के मुख्य प्रवक्ता और विधायक तनवीर सादिक ने पत्रकारों को बताया था कि जम्मू कश्मीर सरकार जम्मू कश्मीर के छात्रों की सुरक्षा और निकासी के बारे में विदेश मंत्रालय के संपर्क में है। छात्र संघ के संयोजक खुएहमी ने बताया था कि सोमवार को तेहरान से 600 छात्रों को कोम भेजा गया था, जिनमें से 150 कश्मीरी छात्र थे। उन्होंने कहा कि 1300 छात्रों में से 250 से अधिक को आज तक सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। उनका दावा था कि कश्मीर के बाकी छात्र अपने विश्वविद्यालयों में फंसे हुए हैं। वे सुरक्षित हैं, लेकिन युद्ध जारी रहने के कारण चिंतित हैं।

## अमरनाथ यात्रा में हेलीकॉप्टर सेवा स्थगित

**जम्मू, 18 जून (ब्यूरो)।** अमरनाथ यात्रा में हेलीकॉप्टर सेवा स्थगित किए जाने से सुरक्षा को लेकर आशंकाएं व्यक्त की जाने लगी हैं। 22 अप्रैल को पहलगाम के बैसरन में हिंदू पर्यटकों के नरसंहार के बाद पर्यटकों की नजर में कश्मीर असुरक्षित हो गया था। नतीजा यह हुआ कि पर्यटकों ने कश्मीर से पूरी तरह मुख मोड़ लिया था।

3 जुलाई से शुरू हो रही अमरनाथ यात्रा में दोनों मार्गों को नो फ्लाइंग जोन घोषित करने के साथ ही इस बार हेलीकॉप्टर सेवा को भी निरस्त कर दिया गया। इसके पीछे की वजह तो नहीं बताई गई पर अंदेशा है कि सुरक्षा कारणों से हेलीकॉप्टर सेवा स्थगित की गई हो। इस फैसले पर हैरानी जताते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि इससे देशभर में कश्मीर की नकारात्मक छवि बनेगी। वर्ष 1990 से कश्मीर की जो नकारात्मक छवि स्थापित हुई उसकी सियासतदानों को कतई चिंता नहीं है।

# ग्रेटर नोएडा में मेडिकल यंत्र निर्माण बढ़ाने के लिए नई स्कीम

### यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की योजना

**लखनऊ, 18 जून (एजेंसियां)।** उत्तर प्रदेश को उत्तम स्वास्थ्य सेवा युक्त प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार ग्रेटर नोएडा में मेडिकल डिवाइस मैनुफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए एक नई स्कीम लेकर आई है। यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) सेक्टर-28 में 21 प्लॉट्स के आवंटन की नई स्कीम प्रस्तुत की है जिसके जरिए मेडिकल डिवाइस मैनुफैक्चरर्स को आमंत्रित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि ग्रेटर नोएडा में निर्माणाधीन मेडिकल डिवाइस पार्क को देश के सबसे बड़े मेडिकल

डिवाइस पार्क के तौर पर विकसित किया जा रहा है। ऐसे में, इस स्कीम के जरिए न केवल मेडिकल डिवाइस पार्क में निर्माण इकाई लगाने का मौका मैनुफैक्चरर्स को मिलेगा बल्कि यह ग्रेटर नोएडा और प्रदेश की इकॉनमी को भी सुदृढ़ करने की दिशा में एक बड़ा कदम सिद्ध होगा। खास बात यह है कि इस स्कीम के जरिए कैंसर केयर, रेडियोलॉजी समेत विभिन्न प्रकार के मेडिकल इंप्लांट्स व उपकरणों की निर्माण इकाई स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त होगा। स्कीम के जरिए 1000 स्क्वेयर मीटर के 16 तथा 2100 स्क्वेयर मीटर के 5 प्लॉट्स आवंटन के लिए उपलब्ध हैं तथा इनके प्रीमियम अमाउंट समेत विभिन्न पहलुओं का निर्धारण किया जा चुका है।

मेडिकल डिवाइस पार्क योजना के अंतर्गत यीडा द्वारा लाई गई मौजूदा स्कीम के जरिए जिन सेक्टर्स को लक्षित किया जा रहा है उनमें कैंसर केयर, रेडियोलॉजी, इमेजिंग, आईवीडी, इंप्लांट और मेडिकल केयर से जुड़े इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेस, कार्डियो रेस्पिरेटरी मेडिकल डिवाइसेस तथा रीनल डिवाइसेस और इंप्लांट (जिनमें कैथेटर समेत विभिन्न उपकरण शामिल हैं) मुख्य हैं। प्रक्रिया के अंतर्गत 1000 स्क्वेयर मीटर के 16 प्लॉट्स के लिए रेट ऑफ अलॉटमेंट 7730 रुपए प्रति वर्ग मीटर निर्धारित है। जबकि प्लॉट की प्रीमियम राशि 77.30 लाख तथा रजिस्ट्रेशन अमाउंट 7.73 लाख निर्धारित है। इसी प्रकार, 2100 वर्ग मीटर के प्लॉट्स के लिए भी रेट ऑफ अलॉटमेंट वही तथा प्रीमियम अमाउंट 1.62 करोड़ तथा रजिस्ट्रेशन अमाउंट 16.23 लाख रुपए निर्धारित है। प्रक्रिया के अंतर्गत आवेदन शुरू हो चुका है और आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 7 जुलाई निर्धारित की गई है। अधिक जानकारी निवेश मित्र और यीडा की आधिकारिक वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

यीडा द्वारा मेडिकल डिवाइस मैनुफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए लाई गई स्कीम कई मायनों में विशिष्ट है। सेक्टर-28 में स्थित ये प्लॉट्स यमुना एक्सप्रेस-वे के समीप हैं जहां से जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी काफी नजदीक स्थित हैं। यह प्लॉट्स ग्रेटर नोएडा के प्राइम लोकेशन पर स्थित हैं जहां से इंटरनेशनल फिल्म सिटी, एफ-1 मोटो जीपी ट्रैक, इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग क्लस्टर, डेडिकेटेड एमएसएमई, अपैरल-हैंडीक्राफ्ट और टॉय पार्क भी समीप होंगे, जो इस क्षेत्र की उत्तम कनेक्टिविटी को सुनिश्चित करने के साथ ही वर्ल्ड क्लास एमिनिटीज से युक्त करते हैं।

स्कीम के जरिए निर्माण इकाई स्थापित करने वाले उद्यमों को भविष्य में ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे से भी उत्तम कनेक्टिविटी मिलेगी जिससे फ्रेट मूवमेंट समेत विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के संचालन में मदद मिलेगी।

# महाराष्ट्र में जबरन हिंदी थोपने की कोशिश किसी हाल में स्वीकार नहीं करेंगे : राज ठाकरे

**मुंबई, 18 जून (एजेंसियां)।** महाराष्ट्र में तीसरी भाषा के रूप में हिंदी अनिवार्य करने के फैसले पर मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने राज्य सरकार को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि राज्य में जबरन हिंदी थोपने की कोशिश की जा रही है, जिसे किसी भी हाल में स्वीकार नहीं किया जाएगा। हम हिंदू हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम हिंदी (भाषी) भी हैं।

महाराष्ट्र की स्मिता मराठी भाषा से जुड़ी है और मराठी को सम्मान मिलना चाहिए। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने बुधवार को हिंदी भाषा को लेकर एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने आशंका जताई कि आने वाले चुनावों में मराठी और हिंदी भाषा का मुद्दा राजनीतिक रूप से गरमा सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र में बांटो और राज करो जैसी स्थिति पैदा की जा रही है और हिंदी जबरन थोपी जा रही है।

मनसे प्रमुख ने चेतावनी दी कि अगर हिंदी भाषा को बलपूर्वक थोपा गया तो महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना अपने अंदाज में जवाब देगी। उन्होंने लोगों से अपील की, अगर मराठी से प्रेम है तो हिंदी थोपने का विरोध करें। यह सरकार को मेरा तीसरा पत्र है। हमने पहले भी लिखा था कि शिक्षा विभाग में मराठी और अंग्रेजी के बाद हिंदी सिर्फ विकल्प होनी चाहिए, अनिवार्य नहीं। मराठी भाषी छात्रों को इससे नुकसान हो रहा है।

राज ठाकरे ने सवाल उठाया कि जब उत्तर प्रदेश, बिहार या मध्य प्रदेश में कोई तीसरी भाषा नहीं सिखाई जाती है तो महाराष्ट्र पर ही हिंदी क्यों थोपी जा रही है? अगर गुजरात में हिंदी नहीं सिखाई जाती तो महाराष्ट्र में क्यों? उन्होंने कहा, मनसे की ओर से स्कूलों को पत्र भेजा जाएगा और यह देखा जाएगा कि कौन-कौन से स्कूल जबरन हिंदी पढ़ा रहे हैं।

मनसे प्रमुख ने राजनीतिक दलों से भी अपील की कि मराठी भाषा के सम्मान के लिए एकजुट होकर इस विषय पर सरकार से सवाल पूछें।

# बाढ़ से नुकसान की भरपाई के लिए हिमाचल प्रदेश को दो हजार करोड़ रुपए

**नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)।** केंद्र सरकार ने वर्ष 2023 में हिमाचल प्रदेश में बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने की घटनाओं में हुए नुकसान की भरपाई के लिए 2006.40 करोड़ रुपये की सहायता राशि मंजूर की है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति ने बुधवार को यह मंजूरी दी। वित्त मंत्री, कृषि मंत्री और नीति आयोग के उपाध्यक्ष की सदस्यता वाली समिति ने राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि (एनडीआरएफ) के तहत रिकवरी और पुनर्निर्माण योजना से राज्य को वित्तीय सहायता के प्रस्ताव पर विचार किया। इससे राज्य को वर्ष 2023 के दौरान बाढ़, बादल फटने और भूस्खलन के कारण होने वाली क्षति और विनाश के कारण रिकवरी और पुनर्निर्माण गतिविधियों में मदद मिलेगी। इसमें 1504.80 करोड़ रुपये एनडीआरएफ के तहत रिकवरी और पुनर्निर्माण फंडिंग विंडो से केन्द्र का हिस्सा होगा। इससे पूर्व, गृह मंत्रालय ने इस आपदा से प्रभावित हिमाचल प्रदेश को राहत कार्यों के लिए, 12 दिसम्बर 2023 को ही 633.73 करोड़ रुपये की अतिरिक्त वित्तीय सहायता की मंजूरी दी थी।

गृह मंत्रालय ने कहा है कि केंद्र सरकार प्राकृतिक और अन्य आपदाओं के दौरान राज्य सरकारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।

# एक्सियोम मिशन 04 : ग्रुप कैप्टन शुक्ला का दल अब 22 जून को भेजा जा सकता है अंतरिक्ष में

**नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)।** केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने बुधवार को कहा कि भारत के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र (आईआईएस) पर पहुंचने के लिए एक्सियोम मिशन चार नये कार्यक्रम के हिसाब से अब 22 जून को भेजा जा सकता है।

डॉ सिंह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि एक्सियोम स्पेस ने इस मिशन में अंतरिक्ष यात्रियों के लिए इस्तेमाल किये जा रहे मॉड्यूल के बिल्कुल ठीक-ठाक होने, यात्री दल के स्वास्थ्य, मौसम आदि सहित प्रमुख मापदंडों की जांच और आकलन करने के बाद प्रक्षेपण की संभावित तिथि 22 जून रखे जाने का संकेत दिया है।

उन्होंने कहा कि इस संबंध में आगे और नयी सूचना समय पर दी जायेगी।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने भी इसी तरह की सूचना दी है।

इसरो इस अभियान के लिए अमेरिकी अंतरिक्ष संगठन नासा और सम्बद्ध संगठनों के साथ निरंतर मिलकर काम कर रहा है।

इस मिशन के लिए भारत से चुने गये भारतीय वायु सेना के अनुभवी पायलट ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला सहित चार सदस्यीय अंतरराष्ट्रीय टीम को आईएसएस भेजा जाना है।

यह दल अमेरिका में फ्लोरिडा स्थित कैनेडी स्पेस सेंटर से स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट से छोड़े जाने वाले मॉड्यूल में सवार होकर आईएसएस के लिए प्रस्थान करेगा।

# अब 15 दिन में वोटर आईडी कार्ड देगा चुनाव आयोग, नई एसओपी रजिस्ट्रेशन और कार्ड में करेक्शन पर भी लागू

**नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)।** मतदाताओं की सुविधा बढ़ाने के लिए एक बड़े कदम के रूप में भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने 18 जून को एक नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) शुरू की है, जो मतदाता सूची में किसी भी अपडेट के 15 दिनों के भीतर मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) की डिलीवरी सुनिश्चित करती है। यह नए नामांकित मतदाताओं और मौजूदा मतदाताओं दोनों पर लागू होता है जो अपने विवरण

अपडेट करते हैं। नई शुरू की गई प्रणाली में ईपीआईसी की वास्तविक समय ट्रैकिंग शामिल है, जो निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) द्वारा कार्ड बनाने के क्षण से शुरू होकर डाक विभाग (डीओपी) के माध्यम से इसकी डिलीवरी तक होती है। मतदाताओं को एसएमएस अलर्ट के माध्यम से प्रत्येक चरण की सूचना दी जाएगी, जिससे पारदर्शिता और बेहतर सेवा संचार सुनिश्चित होगा।

इस पहल का समर्थन करने के लिए, ईसीआई ने अपने ईसीआईनेट छत्री प्लेटफ़ॉर्म पर एक समर्पित आईटी मॉड्यूल लॉन्च किया है। यह प्लेटफ़ॉर्म मौजूदा ईपीआईसी जारी करने की प्रक्रिया को प्रतिस्थापित और सुव्यवस्थित करेगा, जिसमें निर्बाध और कुशल कार्ड वितरण के लिए डीओपी के एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफ़ेस को शामिल किया जाएगा।

नया एसओपी ईसीआई की व्यापक डिजिटल परिवर्तन रणनीति का हिस्सा है जिसका उद्देश्य डेटा सुरक्षा की सुरक्षा करते हुए चुनावी सेवा वितरण को बढ़ाना है।

पुनः इंजीनियर वर्कफ़्लो नवाचार और नागरिक-केंद्रित शासन के लिए आयोग की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

# वैज्ञानिकों ने पूर्वोत्तर भारत में खोजा पत्ते का 2.4 करोड़ वर्ष पुराना जीवाश्म

**नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)।** भारत में पुरावनस्पति विज्ञान के विशेषज्ञों ने देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में एक खास प्रकार के वृक्ष के पत्ते का जीवाश्म प्राप्त किया है, जिससे दक्षिण एशिया में 2.4 करोड़ वर्ष पहले पुष्प-पादप विविधता पर नया प्रकाश पड़ सकता है।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने बताया कि लखनऊ के बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान (बीएसआईपी) के अनुसंधानकर्ताओं के एक दल ने पत्ते के इस जीवाश्म का पता लगाया। यह जीवाश्म कोयले की एक खान में कोयले की गहन परतों के बीच मिला।

# सीएम योगी ने आयुष विवि का काम शीघ्र पूरा करने को कहा

**गोरखपुर, 18 जून (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिया है कि राज्य के पहले आयुष विश्वविद्यालय का निर्माण जल्द से जल्द पूर्ण हो जाना चाहिए। समय से काम पूरा न होने की अब तक की स्थिति पर गहरी नाराजगी जताते हुए उन्होंने कहा कि इसमें निर्माण से जुड़ी ऐसी फर्मों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

इस सिलसिले में सीएम योगी ने गोरखनाथ में अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने विकास कार्यों, कानून व्यवस्था और हाल के दिनों में लोकार्पण को प्रस्तावित महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने 30 जून को आयुष विश्वविद्यालय के लोकार्पण को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रस्तावित आगमन को लेकर हो रही तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सबसे जरूरी है कि आयुष विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूर्ण हो। इसके लिए उन्होंने अफसरों को सतत पर्यवेक्षण के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 20 जून को प्रस्तावित गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के लोकार्पण की तैयारी को लेकर भी जानकारी ली। सीएम योगी ने जनसभा स्थल पर सरकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने के लिए पर्याप्त होर्डिंग बैनर लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले योगाभ्यास कार्यक्रम की तैयारी के बारे में भी जानकारी ली।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़कों पर जाम की स्थिति न होने पाए। सड़क किनारे लगने वाले ठेले-खोमचे वालों का भी सत्यापन कराया जाए। बहुत से नए लोग आते रहते हैं। सड़कों के किनारे नई झुग्गी बस्ती न बसने पाए, इस पर लगातार नजर रखें। बैठक में मुख्यमंत्री ने बाढ़ बचाव की तैयारियों के बारे में भी जानकारी मांगी।

उन्होंने तटबंधों पर हो रहे कार्यों के बारे में पूछा। बताया गया कि 38 कार्यों में से 24 पूरे कर लिए गए हैं और शेष भी जल्द पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि शहर में जलभराव नहीं होना चाहिए। गोड़धोइया नाला की प्रगति के बारे में जानकारी लेते हुए उन्होंने कहा कि जहां नाला कच्चा हो, वहां भी पानी निकलने का मार्ग बनाया जाए। जिससे पानी न रुकने पाए। नगर निगम से उन्होंने जलभराव रोकने को लेकर किए गए कार्यों के बारे में पूछा। सीएम योगी ने कहा कि साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था रहे। उन्होंने नगर निगम एवं जीडीए को इस बात के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर में गंदगी नहीं होनी चाहिए। नियमित रूप से साफ-सफाई जरूर की जाए। सीएम ने गीडा, जीडीए व नगर निगम की योजनाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने विरासत गलियारा की प्रगति भी पूछी।

लगभग सवा घंटे चली इस बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी विभागों की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी विकास कार्य समय से पूरे किए जाएं। सीएम योगी ने वन विभाग के अधिकारियों से चिड़ियाघर में बर्ड फ्लू के बारे में जानकारी ली। उन्हें बताया गया कि जानवरों की रिपोर्ट अब निगेटिव आ रही है। जल्द ही चिड़ियाघर को खोलने पर विचार किया जाएगा।

# विधानसभा चुनाव की तैयारियों में लगी कांग्रेस

## जिला संगठन की सिफारिश पर मिलेंगे टिकट

**लखनऊ, 18 जून (एजेंसियां)।** कांग्रेस पार्टी ने उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा की चुनाव तैयारी शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी अविनाश पांडेय ने कहा है कि पार्टी की नई योजना के तहत इस बार विधायकी के टिकट जिला संगठन की राय और सिफारिश से ही मिलेंगे। संगठन सृजन की समीक्षा बैठक में तय किया गया कि जिला कांग्रेस कमेटियों को बूथ स्तर तक सशक्त बनाया जाएगा। टिकट वितरण में जिला कमेटी की राय को सर्वोच्च प्राथमिकता मिलेगी। यही रणनीति बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भरने का काम करेगी और 2027 के चुनाव में जीत का आधार मजबूत बनेगा। संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत पूर्वांचल जोन के अंतर्गत आने वाले जिले सिद्धार्थ नगर, महाराजगंज, गोरखपुर, बस्ती, कुशीनगर, आजमगढ़, मऊ, देवरिया, बलिया, संत कबीर नगर, अयोध्या और अंबेडकरनगर की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय महासचिव और प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने कार्यकर्ताओं में जोश भरा।

इस मौके पर कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि टिकट वितरण में जिला कमेटियों की राय पर ही टिकटों का बंटवारा होगा। जिला कमेटियों द्वारा भेजे गए पैनल पर ही विचार किया जाएगा, जो जमीनी कार्य करता है। उनकी प्राथमिकता संगठन को और पार्टी को आगे बढ़ाने की रहती है। इसलिए टिकट वितरण में जिला कमेटियों की राय महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि जिन जिला कमेटियों ने अपने जिलों में संगठन को मजबूत अभियान देकर काम किया, उनकी मेहनत का मूल्यांकन किया जाएगा। ताकि पार्टी को मजबूती मिल सके। बैठक में पूर्वांचल के हर जिले के मुद्दों पर बात हुई और इनसे जुड़े जरूरी मुद्दों को घोषणा पत्र में शामिल करने की बात तय हुई। बैठक में आराधना मिश्रा मोना, दिनेश सिंह, अनिल यादव, अंशु अवस्थी आदि उपस्थित थे।

# इजराइल गए कामगारों को बंकर में रहने के निर्देश

## 112 कंपनियों से जुड़े हैं हजारों लोग

**लखनऊ, 18 जून (एजेंसियां)।** ईरान और इजराइल संघर्ष के बीच यूपी सरकार ने इजराइल गए कामगारों को बंकर में ही रहने के निर्देश दिए हैं। इजराइल गए यूपी के 5952 कामगारों को लेकर प्रदेश सरकार लगातार समन्वय एजेंसी के सम्पर्क में है। ये कामगार इजराइल की 112 कंपनियों में काम कर रहे हैं। मिसाइल हमलों के बीच कामगारों को बंकरों और कार्यस्थलों में ही रहने के निर्देश दिए गए हैं।

इजराइल में मौजूद यूपी के कामगारों की सुरक्षा को लेकर प्रदेश सरकार चिंतित है। इस संबंध में प्रदेश सरकार के साथ समन्वय करने वाली एजेंसी एनएसडीसी इंटरनेशनल से लगातार बात हो रही है। एनएसडीसी इंटरनेशनल कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार के तत्व-ावधान में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम की एक शाखा है। इसके अलावा तेल अवीव में भारतीय दूतावास भी मजदूरों की नियुक्ति और सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण समन्वयकारी भूमिका निभा रहा है।

श्रम विभाग के मुताबिक मिसाइल हमलों के बीच तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए एनएसडीसी इंटरनेशनल ने कामगारों को उनके कार्यस्थलों और जरूरत होने पर बंकरों में रहने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सुरक्षा उपायों का हर हाल में पालन करने की सलाह दी गई है। कामगार किसी भी आपात स्थिति में फोन या व्यक्तिगत रूप से तेल अवीव के हयार्कोन स्ट्रीट स्थित भारतीय दूतावास से भी संपर्क कर सकते हैं। इजराइल सरकार ने आम जनता को सुरक्षा निर्देशों, आश्रय प्रोटोकॉल को लेकर जो सलाह दी है, नो यूपी के श्रमिकों के लिए भी लागू है।

## बिजली चोरी पर लगे जुर्माने के भुगतान का मामला

# संभल सांसद बर्क ने भरे छह लाख रुपए

**संभल, 18 जून (एजेंसियां)।** बिजली चोरी के गंभीर आरोप से घिरे सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क द्वारा जुर्माने के एक किस्त जमा कराने के बाद सपा सांसद के दीपा सराय स्थित आवास पर सात महीने बाद बिजली आपूर्ति बहाल की गई। अब सांसद को नियमित बिजली का बिल अदा करना होगा। सांसद के द्वारा अधिवक्ता के माध्यम से कोर्ट के आदेश पर बिजली विभाग में छह लाख रुपए भी जमा करा दिए गए हैं।

अब सांसद के बिजली चोरी के मामले में हाईकोर्ट में दो जुलाई को सुनवाई होनी है। सांसद ने बिजली चोरी पर विभाग द्वारा लगाए गए 1.91 करोड़ रुपए के जुर्माने को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। सुनवाई के पहले कोर्ट ने सपा सांसद को छह लाख रुपए जमा कराने को कहा। सांसद के आवास पर 19 दिसंबर 2024 की सुबह में बिजली विभाग की टीम ने चेकिंग की थी। इस दौरान 16 किलोवाट का लोड मिला था। जबकि सांसद जियाउर्रहमान बर्क और उनके दादा पूर्व सांसद शफीकुर्रहमान बर्क के नाम से दो-दो किलोवाट के मीटर लगे मिले थे।

बिजली विभाग ने इन मीटर की एमआरआई कराई तो कई महीने की रिपोर्ट ऐसी मिली जिसमें खपत शून्य पाई गई। इसे बिजली विभाग ने बिजली चोरी माना और सांसद को नामजद करते हुए बिजली चोरी में रिपोर्ट दर्ज कराई। साथ ही 1.91 करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया। जुर्माने की धनराशि के मामले में कई बार सुनवाई हुई लेकिन समाधान नहीं हो सका।

मई में बिजली विभाग ने जुर्माना धनराशि की अंतिम रिपोर्ट तैयार कर दी। इसके बाद ही सांसद हाईकोर्ट पहुंचे और बिजली विभाग के द्वारा लगाए गए जुर्माने को चुनौती दी।

इसी क्रम में हाईकोर्ट ने सांसद को छह लाख रुपए जमा करने का आदेश दिया। साथ ही नियमित बिल जमा करने के लिए शर्त तय की थी।

हाईकोर्ट ने छह लाख रुपए जमा करने के बाद ही सांसद के घर पर बिजली सप्लाई बहाल करने का निर्देश दिया था। संभल बिजली विभाग के अधीक्षण अभियंता विनोद कुमार ने कहा, हाईकोर्ट के आदेश पर सांसद के आवास पर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई है। नियमित बिजली बिल जमा करने के निर्देश सांसद को दिए गए हैं।

# चार मुख्यमंत्रियों के साथ काशी में बैठक करेंगे अमित शाह

**वाराणसी, 18 जून (एजेंसियां)।** 24 जून को वाराणसी के होटल ताज में मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक होगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस बैठक की अध्यक्षता करेंगे। मध्य क्षेत्रीय परिषद के तहत चार राज्यों के मुख्यमंत्री बैठक में शरीक होंगे। सीएम योगी ने वाराणसी जाकर बैठक की तैयारियां देखीं। बैठक में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव हिस्सा लेंगे।

वाराणसी के मंडलायुक्त एस राजलिंगम ने सीएम योगी को बैठक की तैयारियों से जुड़ी जानकारियां दीं। मुख्यमंत्री ने बैठक का स्थान, अतिथियों के रुकने की व्यवस्था से लेकर भोजन की व्यवस्था के बारे में पूछा। अफसरों को सभी तैयारियां पूरी रखने के निर्देश दिए। इससे पहले उन्होंने सर्किट हाउस में जनप्रतिनिधियों और अफसरों से औपचारिक भेंट की। मध्य क्षेत्रीय परिषद की 24वीं बैठक उत्तराखंड में हुई थी।

इस बार मेजबानी के लिए यूपी को चुना गया है। मुख्यमंत्री ने बैठक काशी में कराने का निर्णय लिया। बैठक में गृह मंत्रालय के साथ ही नीति आयोग और अंतर राज्य परिषद के अधिकारी भी हिस्सा लेंगे।

मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक में सामाजिक विकास, परिवहन सीमा विवाद, कानून व्यवस्था, पर्यावरण और अल्पसंख्यकों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। एक अफसर ने बताया कि ऐसे में अगर किन्हीं राज्यों को कोई सलाह देनी होती है या किसी भी तरह की जरूरत होती है तो क्षेत्रीय परिषद इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस लिहाज से यह बैठक महत्वपूर्ण रहती है। बताया कि इसके अलावा ऐसे मुद्दों पर भी चर्चा होगी जो बिना केंद्र की सहायता के मुद्दे राज्य सुलझा नहीं सकते हैं। इसमें राज्य की संपत्ति, पानी विवाद या सीमा विवाद से जुड़े मामले भी हो सकते हैं।

मुख्यमंत्री के निरीक्षण के बाद लोक निर्माण विभाग को सड़कें ठीक करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, बिजली निगम को जर्जर खंभे हटाने हैं और लटकते तार ठीक कराने हैं। नगर निगम को सफाई, कूड़ा उठान, चौराहों की लाइटिंग दुरुस्त कराने को कहा गया है। बारिश का मौसम है तो सीवर ओवरफ्लो नहीं होना चाहिए। इसके निर्देश नगर निगम को दिए गए हैं। चौराहों की पेंटिंग और लाइटिंग कराने के साथ जल निगम के अफसरों से कहा गया है कि किसी भी सड़क पर नई खोदाई नहीं की जानी चाहिए। मंदिर जाने वाली सड़कें ठीक रहनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर, राज्यमंत्री रवींद्र जायसवाल, डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, विधायक डॉ. अवधेश सिंह, मंडलायुक्त एस राजलिंगम, पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल, डीएम सत्येंद्र कुमार मौजूद रहे।

## सपा नेता अखिलेश यादव की घोषणा

# इंडी गठबंधन मिलकर लड़ेगा विधानसभा चुनाव

**लखनऊ, 18 जून (एजेंसियां)।** समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने 2027 में होने वाले यूपी विधानसभा चुनाव इंडी गठबंधन के साथ मिलकर लड़ने की घोषणा की है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि इंडी गठबंधन एकजुट है और साथ मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ेगा।

अखिलेश यादव ने कहा कि कारोबार, नौकरी और रोजगार भाजपा सरकार के एजेंडे में नहीं है। भाजपा सरकार ने महंगाई, बेरोजगारी को बढ़ाया है। देश का पूरा बाजार विदेशियों के हाथ में दे दिया है। जो लोग खुद को राष्ट्रवादी कहते हैं, स्वदेशी की बात करते हैं, उन्होंने एफडीआई लाकर और नीतियां बनाकर देश का बाजार विदेशी सामानों से पाट दिया। उन्होंने योगी सरकार के आपसी अंतरविरोध भी सामने रखे। उन्होंने कहा कि इस सरकार ने बिजली उत्पादन बढ़ाने और व्यवस्था सुधारने के लिए कोई काम नहीं किया। प्राइमरी स्कूलों की गुणवत्ता खराब कर दी। स्कूलों में बच्चे नहीं जा रहे हैं। सरकारी इंटरमीडिएट स्कूलों की जमीनों पर भाजपा नेताओं की नजर है।

अखिलेश यादव ने कहा कि इस सरकार ने नमामि गंगे के नाम पर हजारों करोड़ का बजट साफ कर दिया, लेकिन गंगा की सफाई नहीं हो पाई। सरकार ने 20 फीसदी भी गेहूं की खरीद नहीं की। समाजवादी सरकार में प्रदेश का पहला काऊ मिल्क प्लांट कन्नौज में लगाया गया था। भाजपा सरकार में बंद हो गया। बदायूं में पटेल समाज के साथ अन्याय हुआ है। प्रयागराज में पाल समाज की बेटी के साथ अन्याय हुआ। बुनकरों को अत्याधुनिक सुविधाएं मुहैया कराई जानी चाहिए। अखिलेश यादव ने कहा कि अहमदाबाद में हुआ विमान दुर्घटना बेहद गंभीर है। इतनी बड़ी दुर्घटना के बाद अभी तक किसी भी जिम्मेदार का इस्तीफा नहीं हुआ है। अखिलेश यादव ने कहा कि हमने पुलवामा और पहलगाम हमले में किसी का इस्तीफा नहीं मांगा, लेकिन इस दुर्घटना में सरकार के जिम्मेदार लोगों का इस्तीफा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब से विभागों का निजीकरण हुआ है, लगातार दुर्घटनाएं हो रही है। ऐसा लगता है अपने लोगों को नौकरी देने के लिए सरकार ने अयोग्य लोगों को पदों पर बैठा दिया है।

# सेफ सिटी योजना बनी महिलाओं बच्चों और बुजुर्गों की ढाल

## सीसीटीवी से लेकर पिंक बूथ और स्कूटी तक सुरक्षा कवच

**लखनऊ, 18 जून (एजेंसियां)।** योगी सरकार की सेफ सिटी परियोजना महिलाओं, बेटियों, बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगों की सारथी बनकर उभरी है। योगी सरकार सेफ सिटी परियोजना प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में सुरक्षा का नया प्रतिमान स्थापित कर रही है। यह एक मॉडल योजना बन गई है, जिससे प्रदेश की महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और दिव्यांगजन स्वयं को ज्यादा सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। डीजीपी राजीव कृष्णा ने बताया कि महिलाओं, बालिकाओं, बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सेफ सिटी परियोजना को प्रभावी ढंग से लागू किया गया है। यह परियोजना प्रदेश के 17 नगर निगमों और गौतमबुद्धनगर में संचालित की जा रही है, जिसका उद्देश्य महिलाओं को एक सुरक्षित, संरक्षित एवं सहज वातावरण प्रदान करना है। इस परियोजना के तहत महिला सुरक्षा को लेकर कई अभूतपूर्व कदम उठाए गए हैं। इसमें पिंक पुलिस बूथ से लेकर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी, डिजिटल प्रचार से लेकर महिला जागरूकता कार्यक्रमों को मजबूती से लागू किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि परियोजना के तहत 17 नगर निगम और गौतमबुद्धनगर में 100 पिंक पुलिस बूथ बनाए गए हैं, जहां महिला पुलिस बल तैनात रहती हैं। इसके साथ ही 100 जीपीएस युक्त पिंक स्कूटी और 10 पिंक एसयूवी वाहन सुरक्षा के लिए लगाए गए हैं। इसके अलावा 1090 और यूपी-112 को इंट्राऑपरेटिव बनाया गया है ताकि त्वरित प्रतिक्रिया हो सके। वहीं 1090 कॉल सेंटर में 80 नए टर्मिनल की स्थापना की गई है, जिससे डेटा एनालिटिक्स सेंटर और साइबर सेल मजबूत हो सके। इतना ही नहीं 54,000 लोगों को महिला सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण दिया गया है। इसमें पुलिसकर्मी, सरकारी व गैर-सरकारी कर्मी, सुरक्षा गार्ड, छात्र-छात्राएं और अध्यापक शामिल हैं।

# वृंदावन से गोकुल तक बनेगा नेचर वॉक पाथ-वे

## मथुरा विजन-2030 के तहत होगा निर्माण

**लखनऊ, 18 जून (एजेंसियां)।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मथुरा विजन-2030 के तहत मथुरा शहर में एक अनूठा नेचर वॉक पाथ-वे विकसित किया जा रहा है। यह पाथ-वे वृंदावन से गोकुल तक यमुना नदी के किनारे 17 किलोमीटर लंबा होगा, जिसका निर्माण 50 करोड़ रुपए की लागत से किया जाएगा। वृंदावन से गोकुल नेचर वॉक का निर्माण ब्रज तीर्थ विकास प्राधिकरण, प्रदेश के वन एवं वन्य जीव विभाग के सहयोग से कर रहा है। इस परियोजना का उद्देश्य मथुरा-वृंदावन क्षेत्र में ईको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण और तीर्थयात्रियों के लिए यमुना नदी के किनारे एक सुंदर और सुविधाजनक मार्ग प्रदान करना है।

मथुरा-वृंदावन परिक्षेत्र का निर्माण और सौंदर्यीकरण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मथुरा विजन-2030 के तहत किया जा रहा है। इस बहुद्देश्यीय परियोजना के तहत मथुरा शहर के अंतर्गत वृंदावन से गोकुल तक यमुना नदी के किनारे-किनारे 17 किलोमीटर लंबे नेचर वॉक पाथ-वे का निर्माण किया जा रहा है। इस नेचर वॉक पाथ वे का निर्माण ब्रज तीर्थ विकास प्राधिकरण, प्रदेश के वन विभाग के सहयोग से लगभग 50 करोड़ रुपए की लागत से किया जाएगा।

प्राधिकरण के संबंधित अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष समीक्षा बैठक में बताया कि ये नेचर वॉक पाथ वे यमुना नदी के किनारे 2 मीटर चौड़ा बनाया जाएगा। जिसके तहत वन विभाग वृंदावन से गोकुल के बीच प्राकृतिक सौंदर्य को और निख-ारेगा। पाथ-वे के दोनों ओर देशज प्रजाति के पौधे लगाए जाएंगे, जो न केवल पर्यावरण को हरा-भरा बनाएंगे बल्कि जैव-विविधता को भी बढ़ावा देंगे। इसके साथ ही नेचर वॉक वे पर फेंसिंग, लाइट्स और शौचालयों की व्यवस्था की जाएगी ताकि पर्यटकों और स्थानीय लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

वृंदावन-गोकुल नेचर वॉक पाथ वे के निर्माण का मुख्य उद्देश्य ईको-टूरिज्म को बढ़ावा देना है। यह परियोजना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मथुरा विजन-2030 के तहत विकसित की जा रही है।

भगवान श्रीकृष्ण की जन्म और लीला स्थली के रूप में विश्व प्रसिद्ध मथुरा-वृंदावन परिक्षेत्र के विकास के लिए लगभग 30,080 करोड़ रुपए की लागत से 195 परियोजनाएं चलाई जा रही हैं। इसमें से 2,300 करोड़ रुपए की लागत से 23 परियोजनाओं को स्वीकृति मिल चुकी है। इन्हीं परियोजनाओं के अंतर्गत वृंदावन-गोकुल नेचर वॉक पाथ-वे का निर्माण किया जा रहा है। यह मार्ग मथुरा,वृंदावन आने वाले तीर्थ यात्रियों और पर्यटकों को प्राकृतिक सौंदर्य के बीच पैदल यात्रा का अवसर प्रदान करेगा। जिससे वे यमुना नदी के किनारे की शांति, हरियाली के बीच भगवान कृष्ण की लीला स्थली में भ्रमण का आनंद ले सकेंगे। साथ ही, यह पाथ-वे स्थानीय लोगों के लिए भी एक मनोरंजक और स्वास्थ्यवर्धक विकल्प होगा, जो सुबह-शाम सैर के लिए इसका उपयोग कर सकेंगे।

संपादकीय

# हवाई सुरक्षा में छेद

**अभी** तो एयर इंडिया के ड्रीमलाइनर विमान के क्रैश होने की त्रासदी और संताप देश को शोकाकुल किए हैं। कुछ और विमानों की आपात लैंडिंग की खबरों ने भी हमें कंपा दिया। रविवार सुबह एक और मनहूस खबर सामने आई कि उत्तराखंड में केदारनाथ के गौरीकुंड के पास एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें पायलट समेत 7 यात्रियों की मौत हो गई। उत्तराखंड में 38 दिनों में 4 हेलीकॉप्टर क्रैश हो चुके हैं, जिनमें 13 मौतें हुई हैं। यह कैसी तीर्थयात्रा है? अंततः नियति पर विश्वास करना पड़ता है, लेकिन मौजू सवाल यह है कि क्या हवाई यात्रा असुरक्षित है अथवा हेलीकॉप्टर के संचालन की प्रक्रिया ही छिद्रमय और भ्रष्ट है? बेशक मौत निश्चित है, लेकिन इस तरह इनसान को मौत के कुएं में धकेलना स्वीकार्य नहीं हो सकता। शेष नियति का विधान है, लेकिन हमारी व्यवस्था भी तो खोखली और गैर-जिम्मेदार है! एयर इंडिया विमान की त्रासद् दुर्घटना को टाटा संस और टाटा समूह के चेयरमैन एन.चंद्रशेखरन ने समूह के इतिहास का 'सबसे काला दिन' करार दिया है। एयर इंडिया कंपनी 2022 में निजीकरण की प्रक्रिया के तहत टाटा समूह को मिली। टाटा कितना भी प्रतिष्ठित समूह हो, लेकिन एयर इंडिया उसके चेहरे पर काली लकीरें उकेरती आई है। कई शिकायतें और विसंगतियां सामने आती रही हैं। बहरहाल हमेशा की तरह, हर दुर्घटना के बाद की तरह, इस बार भी केंद्र सरकार ने एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है। उसमें वरिष्ठ सचिव स्तर के अधिकारियों और विशेषज्ञों को रखा गया है। राष्ट्रीय स्तर की इस समिति ने सोमवार से अपने विमर्श की शुरुआत कर दी है। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने तकनीकी पहलुओं की जांच शुरू कर दी है। विमान के दोनों 'ब्लैक बॉक्स' मिल चुके हैं। हालांकि उनके जरिए विमान के भीतर की गतिविधियों और आवाजों की हकीकत तक पहुंचने में वक्त लगेगा। सरकार ने एक साल का वक्त दिया है। अब महानिदेशक, नागरिक उड्डयन (डीजीसीए) ने निर्णय किया है कि वह बोइंग के प्रत्येक विमान की 'अतिरिक्त जांच' करेगा। उसके बाद ही विमान उड़ान भर सकेगा। त्रासद् दुर्घटना से पहले ऐसी नियमित जांच-पड़ताल क्यों नहीं की जाती रही? अब ही मानक संचालन प्रक्रिया तय करने की याद क्यों आई? कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम में बदलाव अब ही क्यों किया जा रहा है? अभी तो समितियों के निष्कर्ष सामने आएंगे, तो हवाई सुरक्षा के कई और छेद भी बेनकाब होंगे, क्या उनमें भी सुधार किया जाएगा? दरअसल हम विश्व में विमानन सुरक्षा को लेकर 48वें स्थान पर हैं। विश्व की शीर्ष 25 एयरलाइंस में एक भी भारतीय नहीं है। कम लागत वाली अपेक्षाकृत सुरक्षित एयरलाइंस में 'इंडिगो' 19वें स्थान पर है, लेकिन यह इतनी महत्त्वपूर्ण नहीं है, क्योंकि एयर इंडिया के 198 विमान नियमित उड़ान पर रहते हैं। बोइंग 787 और 737 बीते 14 सालों से भारत की एयरलाइंस में हैं। बोइंग में कुछ छिद्र सामने आए थे, तो जापान ने ड्रीमलाइनर विमानों पर ही रोक लगा दी थी। क्या ऐसा कड़ा फैसला भारत ले सकता है? बोइंग विमान कंपनी 108 साल पुरानी है। उसके अभी तक करीब 6000 विमान क्रैश हो चुके हैं, जिनमें करीब 9000 मौतें हुई हैं। बहरहाल केदारनाथ सरीखे पहाड़ी क्षेत्र में हेलीकॉप्टर सेवा में विसंगतियां भी लगातार दुर्घटनाओं का सबब बनी हैं। दरअसल उत्तराखंड की इस हवाई सेवा में बड़ा भ्रष्टाचार और लालच लपलपाता रहा है। उनमें कई 'काली भेड़ें' भी हैं, जो हवाई सेवा की 'कालाबाजारी' भी करती हैं। चूंकि उसका एक हिस्सा सत्ताधीशों तक भी पहुंचता होगा, लिहाजा दुर्घटनाओं के बावजूद हेली सेवाएं जारी हैं। फिलहाल ये सेवाएं स्थगित की गई हैं। दरअसल एक घंटे में प्रति हेलीकॉप्टर 3-4 फेरे ही तय हैं। करीब 9 कंपनियां दिन भर में 142-165 फेरे कर रही थीं। आरोपित कंपनी को सुबह 6 बजे से उड़ान की अनुमति थी, लेकिन 5.30 बजे से पहले तो हेलीकॉप्टर क्रैश कर चुका था। यात्रियों की संख्या भी 3-4 होनी चाहिए, लेकिन हेलीकॉप्टर में पायलट समेत 7 सवारियां कैसे हो गईं?

उत्तराखंड में केदारनाथ के गौरीकुंड के पास एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें पायलट समेत 7 यात्रियों की मौत हो गई। उत्तराखंड में 38 दिनों में 4 हेलीकॉप्टर क्रैश हो चुके हैं, जिनमें 13 मौतें हुई हैं। यह कैसी तीर्थयात्रा है? अंतत: नियति पर विश्वास करना पड़ता है, लेकिन मौजू सवाल यह है कि क्या हवाई यात्रा असुरक्षित है अथवा हेलीकॉप्टर के संचालन की प्रक्रिया ही छिद्रमय और भ्रष्ट है? बेशक मौत निश्चित है, लेकिन इस तरह इनसान को मौत के कुएं में धकेलना स्वीकार्य नहीं हो सकता। शेष नियति का विधान है, लेकिन हमारी व्यवस्था भी तो खोखली और गैर-जिम्मेदार है! एयर इंडिया विमान की त्रासद् दुर्घटना को टाटा संस और टाटा समूह के चेयरमैन एन.चंद्रशेखरन ने समूह के इतिहास का 'सबसे काला दिन' करार दिया है। एयर इंडिया कंपनी 2022 में निजीकरण की प्रक्रिया के तहत टाटा समूह को मिली। टाटा कितना भी प्रतिष्ठित समूह हो, लेकिन एयर इंडिया उसके चेहरे पर काली लकीरें उकेरती आई है। कई शिकायतें और विसंगतियां सामने आती रही हैं। बहरहाल हमेशा की तरह, हर दुर्घटना के बाद की तरह, इस बार भी केंद्र सरकार ने एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है।

आप का नजरिया

## मीट-शराब से दूर धार्मिक स्थल

**सवाल** धार्मिक पर्यटन की पवित्रता से जुड़ता है तो ज्वालाजी मंदिर परिसर का सीमांकन भी खास तरह की संस्कृति के तहत होना चाहिए। कुछ हिंदू संगठनों ने ज्वालाजी शहर की परिधि से मीट-मछली और शराब की दुकानें हटाने का अभियान छेड़ा है। ऐसे संघर्ष की जरूरत क्यों पड़ी इसे अलग-अलग पैमाने से देखा जा सकता है। पहला यही कि हिंदू संगठनों के नक्शे पर हिमाचल की सीरत बदलने की कोशिश, एक खास सियासी संघर्ष की मदद कर रही है। दूसरे यह कि देवभूमि की वास्तविक गरिमा के लिए समाज तैयार हो रहा है। देश के विभिन्न भागों में धार्मिक पर्यटन को सात्विक आचरण के मानदंडों के साथ जोड़ा गया है। इसे बाकायदा मॉडल के रूप में विकसित, प्रोत्साहित, संरक्षित एवं सुरक्षित रखा गया है। पड़ोसी जम्मू-कश्मीर के कटरा से वैष्णो देवी के सफर पर धार्मिक पर्यटन को उच्छृंखल होने से बचाया ही नहीं गया, बल्कि यह सुनिश्चित किया गया कि वहां का माहौल सात्विक रहे। ऐसे ही माहौल की रूपरेखा में दक्षिण भारत, राजस्थान, गुजरात व कई अन्य राज्यों की धर्मनगरियां आचरण कर रही हैं। हिमाचल में पर्यटन के मायने सिर्फ भोग-विलासिता के सूक्ष्म अर्थों में समझे गए, इसलिए चिंतपूर्णी, ज्वालाजी, नयनादेवी या अन्य स्थलों में अजीब सा माहौल पनप गया। ज्वालामुखी मंदिर की पूजा पद्धति या उससे जुड़ा इतिहास क्या हर दिन श्रद्धालुओं से संबोधित होता है। कुछ रिवायतें हर मंदिर की परिक्रमा से जुड़ी हैं, लेकिन हमारी योजनाओं में पूजा-पद्धतियों का मंत्रोच्चारण ही देव परंपरा को सही परिप्रेक्ष्य में नहीं रख पाया। किस मंदिर प्रशासन ने पूजा के फलक, प्रसाद के वितरण, मंदिर परंपराओं और धार्मिक पर्यटन को ओज से भरने के प्रयास किए। पूर्व राज्यपाल विष्णुकांत शास्त्री के समय में हिमाचल के मंदिरों में मंत्रोच्चारण के शुद्धिकरण और उनकी व्यापकता पर चर्चा हुई, लेकिन अब वही पुराना ढर्रा लौट आया है। पूजा सिर्फ एक फटाफट दर्शन है, जबकि इसके दर्शन में जीवन की पद्धति और मौजूदा विश्व के कल्याण की रूपरेखा दर्ज होनी चाहिए। कभी चामुंडा मंदिर परिसर में विश्व कल्याण के हवन कुंड उच्च स्वर में मंत्रोच्चारण करते थे, अब वीआईपी उच्चारण के कक्ष में सेल्फी स्टैंड सजे हैं। हमें पर्यटन और धार्मिक पर्यटन के अंतर में हिंदू संगठनों के अभियान को अनसुना करने के बजाय, नए मानचित्र पर काम करना होगा। हमने न तो धार्मिक पर्यटन के सर्किल बनाए और न ही इसे पवित्रता के स्वरूप में प्रस्तुत किया। दरअसल चामुंडा, कांगड़ा, ज्वालाजी, चिंतपूर्णी, बालाजी सुंदरी, दियोटसिद्ध, नयनादेवी के अलावा अन्य मंदिरों के विकास में समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए इन्हें धर्मनगरियों की परिपाटी में विकसित करना होगा। धार्मिक शहरों की परिधि आज से ही पांच से दस किलोमीटर के दायरे में विकसित करते हुए, एक स्वतंत्र व पवित्र व्यवस्था कायम करके उदाहरण पेश करना होगा।

ईरान के गुप्त ठिकानों पर पहुंचकर कम ऊंचाई वाले ड्रोन छोड़े और ईरान की सुरक्षा प्रणाली एवं मिसाइल प्रक्षेपण प्रणाली को ध्वस्त कर दिया

# परमाणु हथियार नियंत्रण के लिए युद्ध

प्रमोद भार्गव

इजरायल एक ऐसा युद्ध करता हुआ देश है, जो ईरान की ओर शेर की मस्तानी चाल से बढ़ रहा है। नेताजी सुभाशचंद्र बोस ने जब आजाद हिंद फौज की कमान संभाली थी, तब उन्होंने अपने झंडे पर छलांग लगाते शेर को प्रतीक बनाया था। बेंजामिन नेतन्याहू ने एक वीडियो संदेश जारी कर इस आक्रमण की पुष्टि करते हुए कहा है, जब तक इजरायल के अस्तित्व पर खतरे बने रहेंगे, ईरान पर हमले जारी रहेंगे। साथ ही यह कोई सीमित कार्यवाही नहीं है, बल्कि एक व्यापक और लंबा चलने वाला रणनीतिक अभियान है। इजरायल ने 13 जून, 2025 को 200 लड़ाकू विमानों से ईरान के लगभग 100 ठिकानों को निशाना बनाया। ये हमले 20 प्रमुख सैन्य अधिकारियों और परमाणु वैज्ञानिकों के घरों पर भी किए गए। ईरान की राजधानी तेहरान में 78 लोग मारे गए। सामरिक ठिकानों पर ये हमले संभावित खतरों को टालने के नजरिए से किए गए।

**इजरायल** और ईरान के बीच युद्ध आरंभ हो गया है। इजरायल ने ईरान के विरुद्ध बड़ा सैन्य अभियान चलाया है। इसे 'ऑपरेशन राइजिंग लॉयन' नाम दिया गया है। यानी इजरायल एक ऐसा युद्ध करता हुआ देश है, जो ईरान की ओर शेर की मस्तानी चाल से बढ़ रहा है। नेताजी सुभाशचंद्र बोस ने जब आजाद हिंद फौज की कमान संभाली थी, तब उन्होंने अपने झंडे पर छलांग लगाते शेर को प्रतीक बनाया था। बेंजामिन नेतन्याहू ने एक वीडियो संदेश जारी कर इस आक्रमण की पुष्टि करते हुए कहा है, जब तक इजरायल के अस्तित्व पर खतरे बने रहेंगे, ईरान पर हमले जारी रहेंगे। साथ ही यह कोई सीमित कार्यवाही नहीं है, बल्कि एक व्यापक और लंबा चलने वाला रणनीतिक अभियान है। इजरायल ने 13 जून, 2025 को 200 लड़ाकू विमानों से ईरान के लगभग 100 ठिकानों को निशाना बनाया। ये हमले 20 प्रमुख सैन्य अधिकारियों और परमाणु वैज्ञानिकों के घरों पर भी किए गए। ईरान की राजधानी तेहरान में 78 लोग मारे गए। सामरिक ठिकानों पर ये हमले संभावित खतरों को टालने के नजरिए से किए गए। इजरायल की सर्तकता यह रही कि उसने अपने खुफिया संगठन 'मोसाद' के जरिए ईरान के गुप्त ठिकानों पर पहुंचकर कम ऊंचाई वाले ड्रोन छोड़े और ईरान की सुरक्षा प्रणाली एवं मिसाइल प्रक्षेपण प्रणाली को ध्वस्त कर दिया। इसके बाद इजरायली विमानों को ईरान का खुला आसमान मिल गया। ईरान ने 100 ड्रोन से जवाबी हमला किया भी लेकिन ये सभी ड्रोन इजरायली डिफेंस सिस्टम ने इजरायल की सीमा लांघने से पहले ही नेस्तनाबूद कर दिए। इधर अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप की जो कूटनीतिक प्रतिक्रिया आई है, उससे साफ है कि वे दोहरी नीति अपना रहे हैं। ट्रंप ने कहा है कि ईरान को परमाणु समझौता करने के लिए 60 दिन का समय दिया था, आज 61वां दिन था। फलतः इजरायल ने ईरान पर हमला बोल दिया। अब ईरान को समझौता करने के लिए दूसरा मौका दे रहा हूं, वह इस अवसर का लाभ उठाए। क्योंकि इजरायल का दूसरा हमला कहीं ज्यादा आक्रामक और भयावह होगा। साफ है ट्रंप की सहमति के बाद ही ईरान ने यह हमला किया है। दरअसल ईरान को परमाणु बम बनाने से रोकने के लिए ये हमला किया गया। इसीलिए इस हमले को नेतन्याहू ने न्यायसंगत ठहराते हुए कहा है कि ईरान उसके अस्तित्व के लिए संकट बन रहा है। क्योंकि यह एक हकीकत है कि ईरान ने बड़े पैमाने पर यूरेनियम संवर्धन प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह ऐसी प्रक्रिया है, जो परमाणु हथियार बनाने की प्रक्रिया को बेहतर बनाती है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत यूरेनियम 235 के निर्माण की प्रक्रिया को बढ़ावा दिया जाता है। अतएव इजरायल के लिए ईरान का परमाणु हथियार संपन्न देश हो जाना चिंता की स्थिति उत्पन्न करने वाली बात है। दरअसल,

परमाणु हथियार संपन्न देश होना एक ऐसी सैन्य रणनीति हैं, जिसके चलते दूसरे देश परमाणु संपन्न देश पर हमला करने से बचते हैं। इसका बुनियादी कारण है कि यदि कोई देश शत्रु देश पर परमाणु हमला करता है तो जवाबी कार्यवाही में उसे भी परमाणु हमले का सामना करना पड़ सकता है। ऐसा होता है तो देनों देशों को बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। रूस ने यूक्रेन पर आसानी से इसलिए हमला बोल दिया था, क्योंकि उसके पास परमाणु हथियार नहीं है। रूस और अमरीका के बहकावे में आकर उसने अपने परमाणु हथियार, परमाणु निरस्त्रीकरण संधि पर हस्ताक्षर करने के बाद समुद्र में नष्ट कर दिए थे। इसका खामियाजा उसे आज उठाना पड़ रहा है। ईरान परमाणु संपन्न देश न बन जाए, इसलिए उस पर अमरीका ने लंबे समय से परमाणु संबंधी प्रतिबंध लगाए हुए थे। परंतु बराक ओबामा के कार्यकाल में अमरीका और ईरान के बीच एक परमाणु समझौता हुआ और ईरान से परमाणु प्रतिबंध समाप्त कर दिए गए थे। तब भी इजरायल ने इस समझौते का खुला विरोध किया था। नेतन्याहू ने यहां तक कहा था कि यह संधि एक ऐतिहासिक भूल है। किंतु उस समय इस संधि को ओबामा की बड़ी उपलब्धि बताया गया था। ईरान और इजरायल के बीच तनाव लंबे समय से चला आ रहा है। लेकिन इन देशों ने लंबे समय तक छद्म युद्ध लड़ा है। परंतु जब एक अप्रैल 2024 को इजरायल ने सीरिया पर हमला किया था तब ईरान ने इजरायल पर सीधा हमला बोला था। क्योंकि इस लड़ाई में ईरान समर्थित इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड के ब्रिग्रेडियर जर्नल मोहम्मद रजा जाहेदी समेत 8 अधिकारी मारे गए थे। ईरान ने इस हमले के जवाब में अप्रत्याशित रुख अपनाते हुए लगभग 320 द्रोण और क्रूज मिसाइलों से हमला किया था।। ईरान इजरायल से करीब 1800 किमी. की दूरी पर स्थित होने के बावजूद हमला करने में सफल रहा। ईरान ने 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद इजरायल से लंबी दुश्मनी के चलते पहली बार यह सैन्य हमला इसलिए किया था। इस लड़ाई में इजरायल को अमरीका ने खुली सामरिक मदद की थी। उस संदर्भ में ईरान ने अमरीका को चेतावनी देते हुए कहा था कि उसने यदि अब इजरायल की मदद की तो नतीजा भुगतने को तैयार रहे। ईरान ने यह पलटवार इसलिए भी किया था, जिससे मध्य-पूर्व की राजनीति में उसके वर्चस्व की महिमा को स्वीकार लिया जाए। यदि वह जवाबी हमला नहीं बोलता तो इजरायल और अमरीका के खिलाफ उसकी जो धारणा है, वह ध्वस्त हो जाएगी। दरअसल ईरान इजरायल के अस्तित्व को ही स्वीकार नहीं करता है। उसका मानना है कि इजरायल ने मुस्लिमों की जमीन पर कब्जा कर रखा है। हालांकि हमले के बाद ईरान ने संयुक्त राष्ट्र को पत्र लिखकर मामले को यहीं समाप्त करने की गुहार भी लगाई थी। बावजूद ईरान ने चेतावनी दी थी कि यदि इजरायल ने जवाबी कार्यवाही की तो उसे गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। हालांकि इस परिप्रेक्ष्य में यह विरोधाभास भी देखने में आया था कि ईरान ने अमरीका को इजरायल पर सीमित और नियंत्रित हमला करने की जानकारी पहले ही दे दी थी। ईरान के विदेश मंत्री ने ही इस आशय का बयान दिया था। वाकई यह बयान सच था तो यह मान लेने में कोई हर्ज नहीं है कि अमरीका दोतरफा कुटिल चालें हमेशा ही चलता रहा है। क्योंकि अमरीका ब्रिटेन और फ्रांस को ईरान द्वारा इजरायल पर किए जाने वाले हमले की जानकारी थी, इसलिए इन मित्र देशों ने द्रोण और मिसाइलों को आसमान में ही नष्ट करने में इजरायल का सहयोग भी किया था। इस मानसिकता को क्या माना जाए यह सोचने की बात है? इस परिप्रेक्ष्य में युद्ध विश्लेशकों ने यह अनुमान लगाया था कि इजरायल और हमास युद्ध तो अभी खत्म होने वाला नहीं है, लेकिन ईरान-इजरायल का संघर्ष और बढ़ेगा? इस हमले के करीब 2 साल बाद यही स्थिति प्रत्यक्ष देखने में आ गई है। रूस भले ही इस समय यूक्रेन से ही युद्ध में उलझा हुआ है, बावजूद रूस ने ईरान के रणनीतिक भागीदार के रूप में प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ईरान पर इजरायल का यह हमला उकसावे को बढ़ावा देने वाला है। हालांकि रूस ने यह भी कहा कि अमरीका और ईरान के बीच परमाणु समझौते के लिए जो वर्ता चल रही है, वह उसमें सहयोगा करेगा। इस युद्ध को लेकर भारत दुविधा में है। क्योंकि पाकिस्तान के विरुद्ध भारत ने जब ऑपरेशन सिंदूर चलाया था तब इजरायल उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहा था। इजरायल भारत का रक्षा साझेदार भी है। दूसरी तरफ ईरान से भारत के ऐतिहासिक संबंध है। ईरान ने कई अवसरों पर इस्लामिक देशों के संगठन के मंच पर भारत की मदद की है। इसलिए भारत किसी को भी छोडऩा नहीं चाहता। इसलिए भारत ने दोनों देशों के बीच कूटनीति व शांति बरतने की अपील की है। बहरहाल इस युद्ध के साथ बड़ी आशंका यह जुड़ गई है कि यह युद्ध तीसरे विश्व युद्ध की ओर न बढ़ जाए।

देश दुनिया से

## चार्जिंग स्टेशन बनाम धर्मशाला शहीद स्मारक

**ऐसा** प्रतीत होता है कि हिमाचल की दूसरी राजधानी कहे जाने वाले धर्मशाला में कोई सर्कस चल रही है। शहर की अधिकांश परियोजनाओं का या तो श्राद्ध हो चुका है या इन्हें खूंटी पर लटका दिया है। अब एक नया घमासान शहीद स्मारक एवं युद्ध संग्रहालय परिसर में हो रहा है। स्मारक की देखभाल कर रही समिति की बिना सहमति और संज्ञान के जिला प्रशासन, इसके पार्किंग स्पेस को चार्जिंग स्टेशन में तबदील करने की जुगत लड़ा रहा है यानी कल शहीदों की याद में बने इस स्थल को बस अड्डा बनाने की कोशिश हो रही है। यह हैं स्मार्ट सिटी के पहिए, जहां दिल किया जमीन पर खंभे गाड़ दिए। यह शहीद स्मारक कोई निर्माण स्थल नहीं, बल्कि जनता की आस्था, राष्ट्र की प्रेरणा और भारत की बहादुरी के जीवंत पन्ना है। करीब आधी सदी के मंजर पर खड़ा यह स्मारक भारत के बलिदान का इतिहास ही नहीं, बल्कि हिमाचल की कुर्बानियों का शिखर भी है। आश्चर्य यह कि हमारी योजनाओं का भयानक आकार कितना भौंडा है कि एक राष्ट्रीय स्तंभ पर भद्दे दाग चस्पां किए जा रहे हैं। शहीद स्मारक समिति के अस्तित्व में आने के बाद ही यह परिसर राष्ट्रीय भावना का उच्च स्थल बना है। हजारों पर्यटक यहां हर साल अपना शीश झुकाते हैं। अभी हाल ही में इसके विस्तार की एक व्यापक योजना समिति ने बनाई है, जिसके ऊपर करीब पचास करोड़ का व्यय होगा। इसमें दो राय नहीं कि अगर योजनाबद्ध कार्य विस्तार होगा, तो आने वाले सालों में यह स्थान देश के लिए एक राष्ट्रीय महत्त्व की पहचान में पूरे प्रदेश के लिए गर्व का एहसास देगा। ऐसे में प्रशासन अगर शहीद स्मारक को मात्र भूखंड मान कर इसके बाजू काटकर चार्जिंग स्टेशन बनाने पर तुला है, तो यह देश के शहीदों और हिमाचल के शहीद परिवारों व यहां की सैन्य पृष्ठभूमि का भी अपमान है। चार्जिंग स्टेशन के लिए भूमि की तलाश अगर मजबूरी है, तो प्रशासन को थोड़ी सी मेहनत आगे पीछे कर लेनी चाहिए। विडंबना यह है कि प्रशासनिक सोच का सीमित दायरा हिमाचल में उपलब्ध जमीन से ही खिलवाड़ कर रहा है। एक टूरिस्ट विलेज ने धर्मशाला में हिमुडा द्वारा बसाई जा रही कालोनी निगल ली और दूसरे पर्यटन गांव की नजर पालमपुर कृषि विश्वविद्यालय की जमीन पर पड़ चुकी है।

शहर की अधिकांश परियोजनाओं का या तो श्राद्ध हो चुका है या इन्हें खूंटी पर लटका दिया है। अब एक नया घमासान शहीद स्मारक एवं युद्ध संग्रहालय परिसर में हो रहा है।

हैरानी यह कि करोड़ों की लागत से धर्मशाला का ट्यूलिप गार्डन खंडहर हो चुका है, भागसूनाथ का सौंदर्यीकरण घुटनों पर चल रहा, जबकि अघंजर महादेव परिसर अब बाबाओं का युद्ध मोर्चा बना हुआ है। जो प्रशासन स्मार्ट सिटी के पैसे से सिर्फ सीमेंट के ढेर खरीद सकता हो और जहां अंडरग्राउंड नालियों के ढक्कन चकनाचूर होकर इधर-उधर बिगड़ रहे हों, वहां अब एक चार्जिंग स्टेशन के लिए शहीद स्मारक में शहीदों के नाम मिटाने को तुला हुआ है। सरकार को त्वरित रूप से प्रशासन को निर्देश देते हुए न केवल चार्जिंग स्टेशन के रेखांकन की किसी भी योजना को निरस्त करना होगा, बल्कि इसके आसपास की पवित्रता के लिए समीपवर्ती क्षेत्र में किसी भी निर्माण को आचार संहिता के दायरे में लाना होगा। इसके लिए शिक्षा बोर्ड के समीप युद्ध संग्रहालय के साथ बनी मार्केट का पुनर्निर्माण करते हुए, इसे भी पूरे परिसर की वास्तुशैली से जोड़ देना चाहिए। युद्ध संग्रहालय व शहीद स्मारक की विस्तार योजना को देखते हुए साथ लगती सार्वजनिक व वन भूमि को इसके साथ जोड़ देना चाहिए ताकि आने वाले समय में यह स्थल राष्ट्रीय गौरव का प्रमुख केंद्र साबित हो। शहीद स्मारक प्रबंधन के साथ-साथ यहां दैनिक रूप से सायं कुछ नियमित सेलिब्रेशन होने चाहिएं। इनमें रोजाना दीप या ज्योति प्रज्वलन में जनता की भागीदारी सुनिश्चित हो सकती है। साल में 365 दिन के दीप प्रज्वलन की बुकिंग करवा कर नागरिक अपने दिवंगत सगे-संबंधियों की याद में तय शुदा फीस अदा कर सकते हैं। इसी तरह पर्यटकों में देशभक्ति का संचार करने के लिए संगीत के विशेष आयोजन भी शुरू किए जा सकते हैं। हिमाचल में सैन्य और सीमा पर्यटन की अपनी विशिष्टता है। अभी हाल ही में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शिपकी-ला तक सैलानियों को पहुंचाने के इंतजाम शुरू किए हैं, जहां से सीधे चीन सीमा को निहार सकेंगे। इसी परिप्रेक्ष्य में धर्मशाला का राज्य शहीद स्मारक व युद्ध संग्रहालय परिसर प्रदेश के बलिदानियों के इतिहास का गवाह बना है। यहां आकर सैलानी देश भक्ति की भावना से ओत-प्रोत होते हैं। बेहतर होगा प्रशासनिक तौर पर इस स्थान की गरिमा और पवित्रता के अनुरूप एक विस्तृत योजना बनाई जाए तथा पहुंचने वाले लोग केवल सैलानी नहीं, राष्ट्रीय आस्था के परिचय से अपनी मौजूदगी दर्ज कराएं। शहीद स्मारक के आसपास के क्षेत्र की एक दीर्घकालीन योजना पर कार्य करते हुए इसे विश्वस्तरीय मानदंडों के अनुरूप निखारने की जरूरत है।

कुछ अलग

## न्यू नार्मल है बेढंगी बात

**ऐसी** बात जो संदर्भ के अनुकूल न हो, असभ्य या अनुचित हो और जिसे कहने का समय, स्थान या तरीक़ा ठीक न हो, उसे बेढंगी बात कहा जाता है। जैसे किसी चुनावी रैली में... जी का कहना कि उनकी रगों में गरम सिंदूर बहता है, विधर्मियों को कपड़ों से पहचाना जा सकता है या चुनाव जीतने पर कांग्रेस वाले आपकी दो भैंसों में से एक भैंस खोल कर ले जाएंगे। उन्हीं की तरह उनके गृह मंत्री किसी विमान दुर्घटना में तीन सौ लोगों के मारे जाने पर देश-दुनिया के सामने यह तो कहें कि दुर्घटनाओं को रोका नहीं जा सकता। पर ऐसी दुर्घटनाओं से बचाव के उपायों पर चर्चा न करें तो साफ़ है कि वह अपनी ज़िम्मेवारी से भाग रहे हैं। सवालों से बचने के इसी व्यवहार को बेढंगापन कहा जाता है। पर पिछले कुछ सालों से यह देश का न्यू नार्मल है कि सत्ता का पूरा आनंद भोगो, स्वयं ज़ैड प्लस में घूमो, पर जब बात आम लोगों के हितों और सुरक्षा की हो, तो उन्हें मरने के लिए खुला छोड़ दो। फिर सवाल करने वालों को देशद्रोही बताते हुए कहा जाए कि यह मौक़ा सवाल करने का नहीं है। नोटबंदी हो या कोविड, ट्रेन दुर्घटनाएं हो, रेलवे स्टेशन पर भगदड़ हो या कुंभ में, पुलवामा-पहलगाम हो या फिर सडक़ या हवाई दुर्घटना। आम आदमी के हितों, बचाव और सुरक्षा की बात करना, देशद्रोह है। बेढंगी बात है। पर न्यू नार्मल है, ट्रंप टैको के धमकाए जाने पर बिना किसी शर्त के सरेंडर करना, चुप्पी साध लेना, मणिपुर में दंगों के शिकार और पुलवामा या पहलगाम आतंकी हमलों के बाद प्रभावितों से मिलने न जाना, लेकिन उसका चुनावी फायदा उठाना, सवालों और ज़िम्मेदारी से भागना। ये देश के न्यू नार्मल हैं, जिनके सहारे हमें दुनिया का सिरमौर बनने के सपने दिखाए जाते हैं। सरकार प्रायोजित रैलियों में सारे लोग भाड़े के होते हैं या फिर राजभक्त बनाम अंधभक्त, जो रैली में सिफऱ् तालियां पीटने के लिए दिहाड़ी, भोजन और सस्ती शराब के लालच में बकरीद के बकरों की तरह हलाल होने के लिए भरे जाते हैं। यहां पर... जी क्या, किसी को भी बेढंगी बात करने या कहने में कोई संकोच नहीं होता क्योंकि बोलने वाले को पता होता है कि चाहे वह डकार ले या पादे, सामने बैठे लोग तालियां ही पीटेंगे। रैली की लाईव रिपोर्टिंग में गोदी मीडिया प्रसारित करेगा कि ऐसा डकार या पाद तो कोई महा मानव ही ले सकता है या मार सकता है। ऐसे में सत्ता की नाकामियों को छिपाने के लिए वह सत्ता से नहीं, विपक्ष से सवाल करते हुए उसे सरकार को रचनात्मक सहयोग न देने के आरोप लगाता है। गोदी मीडिया...जी द्वारा ट्रंप टैको के सामने समर्पण किए जाने के बावजूद सवाल विपक्ष से ही करेगा। वह विपक्ष को ललकारता हुआ पूछेगा कि विपक्ष बताए कि ... जी ने अमेरिका के सामने समर्पण क्यों किया? बेढंगी बात प्रायः असामयिक, असामंजस्यपूर्ण या असंवेदनशील होती है। पर करने वाले हैं कि मानते ही नहीं।

दृष्टि कोण

## नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

**राष्ट्रीय** स्वयंसेवक संघ ने इतने वर्षो में भारत और दुनिया भर में पैले हिन्दू समाज के भीतर अपने धर्म और संस्वृति के प्रति गौरव के भाव का जागरण किया है। वहीं विश्व को भारत के हिन्दुत्व संस्वृति से परिचय कराने का भी अभूतपूर्ण कार्यं किया है। हमारी हिन्दू पहचान और हिदुत्व का विचार ही दुनिया में शांति, अहिसा, करुणा, परोपकार एवं समन्वय के साथ जीने के विचार को देता है। नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भारत और विश्व में अपने सेवा कार्यो से अपनी अमिट पहचान बनाने वाले स्वयंसेवी संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के बारे में प्रायः ही हम सब सुनते रहते है। भारत के सनातन हिन्दू संस्वृति के मूल्यों पर निरंतर काम करते हुए शताब्दी वर्ष को पूर्ण कर रहा है। संघ ने इतने लम्बे इतिहास में ''राष्ट्रप्रथम'' का विचार सवरेपरी माना संघ की शाखा में खेलते-खेलते ही राष्ट्रतत्व का साक्षात्कार संघ के एक-एक स्वयंसेवक को स्वतः हो जाता है। कद्दू की बेल कब्बड़ी, टैंक युद्ध, मैं शिवा जी कहने को तो यह मात्र खेल है लेकिन इन खेलों में छिपा है एकत्व का भाव। संघ शत्ति कलयुगे के विचार की वैसे हम स्वयंसेवक सीख जाते है इसका अनुभव तो संघ की शाखा में आकर ही ज्ञात होता है। चंदन है इस देश की मट्टी-तपो भूमि हर ग्राम है, देश हमे देता है सब वुछ हम भी तो वुछ देना सीखे या फिर हमे वीर केशव मिले आप जब से, यह केवल गीत नहीं है। इन्ही सबको एक घंटे की शाखा में सीखते-सीखते साधारण सा दिखने वाला कार्यंकर्ता अपने सम्पूर्ण जीवन को राष्ट्र को सर्मपित कर देता है। इस सबके बावजूद हम पर कितनी बार कांग्रेस की सरकार द्वारा तमाम कटाक्ष भी होते रहे है। हम पर प्रतिबंध भी लगाएं जाते है, कभी हमारी दैनिक शाखा ना लगे इसके लिए सरकारों द्वारा रुकावटे पैदा की जाती है। अभी वुछ महीने पहले ही केरल मंदिर प्रबंध बोर्ड जो की सरकारी है ने मंदिरों में संघ की एक्टिविटी ना हो इसको लेकर सरकारी आदेश जारी किया। लेकिन केरल में जैसे कहीं कोई आपदा की स्थिति पैदा होती है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यंकर्ता सेवा के लिए दौड़ पड़ते है। इन तमाम वुत्सित कार्यो के समय-समय पर होते रहने पर भी संघ का एक-एक कार्यंकर्ता अपनी रीति-नीति और अपनी गति एवं सामर्थ्यंनुसार समाज में कार्यं करता आ रहा है। उसकी प्रेरणा है यह वुछ पंत्तियाँ है जिन्हें हम तमाम स्वयंसेवक प्रत्येक सुबह-शाम की होने वाली शाखाओ की प्रार्थना में गुन गुनाते है ''नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे, त्वया हिन्दुभूमे सुखं र्वधितो ?हम्''। जिसके अर्थ में एक स्वयंसेवक अपनी मातृभूमि को कहता है कि ''हे प्यार करने वाली मातृभूमि! मैं तुझे सदा (सदैव) नमस्कार करता हूँ। तूने मेरा सुख से पालन-पोषण किया है। वही अगली ही पंत्ति ''महामङ्गले पुण्यभूमे त्वदर्थे, पतत्वेष कायो नमस्ते नमस्ते'' जिसका अर्थ है ''हे महामंगलमयी पुण्यभूमि! तेरे ही कार्यं में मेरा यह शरीर अर्पण हो। मैं तुझे नमस्कार करता हूँ। मेरे जन्म का हेतु मेरी मातृभूमि के लिये हुआ है 1939 में इस प्रार्थना के शब्दों ने संपूर्ण देश के समाने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के हेतु को अधिकाधिव स्पष्ट किया। लेकिन फिर भी देश की आज़ादी के बात कांग्रेसी सरकार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध लगाया लेकिन उसी कांग्रेस की सरकार और पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 1963 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को गणतंत्र दिवस पर राजपथ की परेड में भी आमंत्रित किया। यह आमंत्रण देश का आज तक पहला आमंत्रण था जिसमे किसी स्वयंसेवी संगठन को सरकार ने देश की सेना के साथ परेड में भाग लेने का निमंत्रण दिया हो। लेकिन फिर भी आपातकाल में हज़ारो संघ के कार्यंकर्ताओं और प्रचारकों को जेलो में डाल दिया गया, संघ के देश भर के कार्यालयों पर ताले लगे, स्वयंसेवको पर निगरानी और उन्हें प्रताड़ित किया गया। पिछले दिनों उत्तर-पूर्व के असम में लम्बे समय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक रहे शशिकांत चौथाईवाला की पुस्तक ''मेरी प्रचारक यात्रा'' में आपातकाल और संघ के वुछ प्रसंगों को पढ़ने का अवसर मिला। संघ के स्वयंसेवकों के देश के समर्पण के बावजूद भी उन पर कितना ही अत्याचार हुआ। तब मुझे फिर संघ प्रार्थना की वुछ पंत्तियाँ याद आ जाती है जिसमे स्वयंसेवक कहता है ''त्वदीयाय कार्यांय बध्दा कटीयं'' हे मातृभूमि मैंने तेरे ही वैभव की कमाना के लिए, तेरे ही कार्यं के लिये अपनी कमर को कसा है।

# तेहरान में बांग्लादेश दूतावास के अधिकारी दहशत में, बमबारी में उनके घर ध्वस्त

**ढाका, 18 जून (एजेंसियां) ।** ईरान-इजराइल के बीच जारी भीषण सैन्य संघर्ष के बीच बांग्लादेश दूतावास के अधिकारी दहशत में हैं। कुछ अधिकारियों के घर बमबारी में ध्वस्त हो गए हैं। इन अधिकारियों के सामने खाने-पीने तक का संकट खड़ा हो गया है। बांग्लादेश के अखबार ढाका ट्रिब्यून ने एक वैश्विक समाचार संवाद समिति के हवाले से यह रिपोर्ट आज अपनी वेबसाइट पर एक फोटो के साथ प्रसारित की है।

इस रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की राजधानी तेहरान में सोमवार को हुए इजराइली हमले में बांग्लादेश दूतावास में काम करने वाले अधिकारियों के घरों को भी निशाना बनाया गया। कम से कम एक अधिकारी के घर को भारी नुकसान पहुंचा है। हालांकि, अधिकारी बच गया क्योंकि हमले के समय वह घर पर नहीं था। ईरान में बांग्लादेश दूतावास के प्रथम सचिव ओलीद इस्लाम ने कहा, मेरा घर पूरी तरह से नष्ट हो गया। तेहरान में बांग्लादेश दूतावास के अधिकारी मुख्य रूप से जॉर्डन नामक क्षेत्र में रहते हैं, जो तेहरान के डिस्ट्रिक्ट 3 में है।

ओलीद ने कहा, इस क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण इमारतें हैं, जिनमें ईरानी राज्य टेलीविजन भवन भी शामिल है, जिस पर इजरायल ने सोमवार को हमला करने की घोषणा की थी। हमले से पहले निवासियों को खाली करने के लिए कहा गया था। हालांकि जान-माल का नुकसान कुछ कम हुआ, लेकिन कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। उन्होंने कहा, अब हमारे आसपास कुछ भी नहीं बचा है। राजनयिकों के कुछ ही घर बचे हैं, लेकिन आसपास कुछ भी नहीं है। सोमवार दोपहर को तेहरान के डिस्ट्रिक्ट 3 पर हमले की घोषणा के बाद, ढाका ने बांग्लादेश मिशन में काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों सहित सभी बांग्लादेशी नागरिकों को क्षेत्र छोड़ने का आदेश दिया। इसके बाद कर्मचारी तेहरान में बांग्लादेश दूतावास परिसर से चले गए। हालांकि वे वर्तमान में तेहरान के अन्य क्षेत्रों में रह रहे हैं। ढाका में कार्यवाहक विदेश सचिव रूहुल आलम सिद्दीकी ने कल एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम उन लोगों के बारे में चिंतित हैं जो तेहरान में हैं। वे हमले से प्रभावित होने के जोखिम में हैं। हम अब उनके और अपने दूतावास में काम करने वालों के लिए काम कर रहे हैं ताकि वे सुरक्षित रह सकें। विदेश मंत्रालय ने कहा कि तेहरान में वर्तमान में रह रहे लगभग 400 बांग्लादेशी सुरक्षित हैं।

## न्यूज ब्रीफ

### ईरान ने अपने नागरिकों को व्हाट्सएप-टेलीग्राम का उपयोग बंद करने की चेतावनी दी

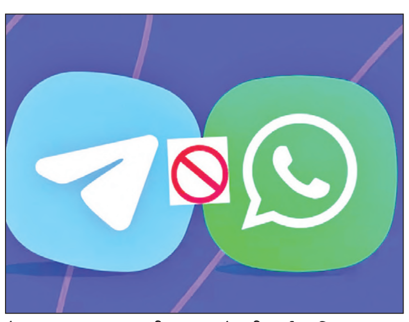

**तेहरान।** इजराइल की तरफ से की गई हालिया लक्षित हत्याओ (टारगेटेड असैसिनेशन) के बाद ईरानी सरकार ने नागरिकों को व्हाट्सअप, टेलीग्राम और अन्य लोकेशन-आधारित ऐप्स के उपयोग से बचने की कड़ी चेतावनी जारी की है। यह जानकारी ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरआईबी ने एक सुरक्षा रिपोर्ट के हवाले से दी। रिपोर्ट के अनुसार, वैज्ञानिकों सहित हालिया हत्याओं के बाद यह बात सामने आई है कि इजराइली खुफिया एजेंसियां मोबाइल ऐप्स के जरिए लोगों की लोकेशन ट्रैक कर उन्हें निशाना बना रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा हालात में इन ऐप्स का उपयोग खतरनाक हो सकता है। ईरानी सुरक्षा एजेंसियों ने लोगों को सलाह दी है कि वे स्थान बदलने से पहले अपने मोबाइल फोन स्विच ऑफ करें और संवेदनशील स्थानों पर मोबाइल फोन साथ न ले जाएं। इसके साथ ही, रिपोर्ट में संवेदनशील संगठनों के कर्मचारियों को विशेष रूप से सुरक्षित दूरसंचार माध्यम का उपयोग करने और असुरक्षित सॉफ्टवेयर से बचने की सलाह दी गई है।

### ईरान का आरोपः इजराइल ने छेड़ा साइबर युद्ध, बैंक सेवाएं बनीं निशाना

**तेहरान।** ईरान ने इजराइल पर व्यापक साइबर युद्ध छेड़ने का गंभीर आरोप लगाया है। ईरान की साइबर सुरक्षा कमान के अनुसार, इजराइल ने देश के डिजिटल ढांचे पर बड़े पैमाने पर साइबर हमले किए हैं, जिनका उद्देश्य आम नागरिकों को दी जाने वाली सेवाओं को बाधित करना है। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरआईबी के अनुसार, इजराइल की साइबर रणनीति का उद्देश्य हमारे साइबर नेटवर्क की परतों में घुसपैठ करना और इन ढांचों का उपयोग कर सैन्य एवं डिजिटल हमले करना है। लेकिन अब तक कई हमलों को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया गया है। ईरान ने दावा किया कि उसके सुरक्षा तंत्र ने इन हमलों को रोकने के लिए आवश्यक उपाय किए हैं ताकि इजराइली हैकर्स को सरकारी प्रणाली में प्रवेश करने और उसे नुकसान पहुंचाने से रोका जा सके। सरकारी-संबद्ध समाचार एजेंसी एफएआरएस की रिपोर्ट में बताया गया कि देश के प्रमुख वित्तीय संस्थान बैंक सेपा की सेवाएं भी साइबर हमले की चपेट में आईं। इस हमले के बाद बैंक की कई सेवाएं अस्थायी रूप से बाधित हो गईं। एक इजराइल-संबंधित हैकर समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है और दावा किया है कि उसने बैंक सेपा का पूरा डेटा नष्ट कर दिया है। उल्लेखनीय है कि यह साइबर हमला ऐसे समय में हुआ है जब ईरान और इजराइल के बीच पांच दिनों से जारी सैन्य संघर्ष ने पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर दिया है। दोनों देशों के बीच हवाई हमले, मिसाइल बमबारी और अब साइबर युद्ध जैसे नए मोर्चों पर भी टकराव खुलकर सामने आ रहा है।

### ईरान के साथ संघर्ष के बीच इजराइल सरकार ने 2,700 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया

**तेल अवीव।** ईरान और इजराइल के बीच जारी सैन्य संघर्ष के बीच इजराइल सरकार ने मंगलवार को बताया

कि अब तक देशभर से कम से कम 2,725 नागरिकों को उनके घरों से सुरक्षित स्थानों पर निकाला गया है। यह कदम हालिया सैन्य हमलों के मद्देनजर उठाया गया है, जो शुक्रवार से लगातार जारी हैं। नागरिकों की सुरक्षा प्राथमिकता इजराइल सरकार ने युद्धग्रस्त इलाकों में नागरिकों को सुरक्षित क्षेत्रों में स्थानांतरित करने के लिए आपातकालीन योजनाएं लागू की हैं। अधिकारियों के अनुसार, रेस्क्यू ऑपरेशन और मानवीय सहायता कार्यों में सेना और आपात सेवाएं पूरी मुस्तैदी से लगी हुई हैं। सरकारी प्रेस कार्यालय (जीपीओ) के अनुसार, इजराइल में अबतक 24 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 647 से अधिक लोग घायल हैं, जिनमें से कम से कम 10 की हालत गंभीर बनी हुई है। यह संघर्ष शुक्रवार को उस समय शुरू हुआ जब इजराइल ने ईरान के खिलाफ अभूतपूर्व हवाई हमले किए, जिनका मुख्य निशाना ईरान का परमाणु कार्यक्रम और शीर्ष सैन्य अधिकारी थे।

# खामेनेई पर ट्रंप की धमकी बेअसर, ईरान के सर्वोच्च नेता का एलान-अब तो युद्ध शुरू हो चुका है

**तेहरान, 18 जून (एजेंसियां) ।** ईरान और इजराइल के बीच सैन्य संघर्ष आज छठे दिन में प्रवेश कर गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी का ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का कोई असर नहीं पड़ा है। खामेनेई ने एक्स हैंडल पर कहा, युद्ध शुरू हो गया है। व्हाइट हाउस ने कहा कि कुछ घंटे पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम से मुलाकात के दौरान इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से टेलीफोनिक बात की है।

खबरों में समूचे मध्य पूर्व में मंडरा रहे युद्ध के बादलों पर विस्तार से चर्चा की गई है। इन खबरों के अनुसार, ट्रंप ने ईरान से बिना शर्त आत्मसमर्पण% का आह्वान कर सर्वोच्च नेता को धमकाया। राष्ट्रपति ने घोषणा की अब ईरान के आसमान पर हमारा पूरा और समग्र नियंत्रण है। ट्रंप की सोशल ट्रुथ पर यह टिप्पणी ऐसे समय पर आई है जब इस बात के मजबूत संकेत मिल रहे हैं कि अमेरिका, ईरान के खिलाफ इजराइल के बमबारी अभियान में शामिल होने पर विचार कर रहा है।

राष्ट्रपति ट्रंप के कल ईरान के बिना शर्त आत्मसमर्पण का आह्वान करने और देश के सर्वोच्च नेता की हत्या की संभावना का उल्लेख करने के बाद बड़े युद्ध की आशंका बढ़ गई है। खुफिया रिपोर्टों की समीक्षा करने वाले अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, अगर अमेरिका इजराइल का युद्ध में साथ देता है तो ईरान ने मध्य पूर्व में अमेरिकी ठिकानों पर संभावित हमलों के लिए मिसाइलों और अन्य उपकरणों को तैयार किया है।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, हम ठीक से जानते हैं कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई कहां छुपे हुए हैं। हम अभी उन्हें मारना नहीं चाहते। अब ईरान के ऊपर आसमान पर हमारा पूरा और समग्र नियंत्रण है। उन्होंने खुद को ईरान पर इजराइल के हमलों से जोड़ते हुए कहा, भले ही अमेरिकी सेना इसमें शामिल नहीं दिख रही हो।

न्यूयॉर्क टाइम्स के रक्षा संवाददाताओं का मानना है कि ट्रंप का तत्काल निर्णय यह होगा कि 13,600 किलो से अधिक का बम तैनात किया जाए, जिससे इजराइल ईरान के सबसे गहरे परमाणु संवर्धन स्थल पर हमला कर सके। ईरान के खिलाफ ट्रंप की सार्वजनिक धमकियों ने अमेरिकी सांसदों के बीच कांग्रेस की युद्ध की घोषणा करने की शक्ति को वापस लेने के बारे में लंबे समय से चली आ रही बहस को फिर से उठा दिया है। हालांकि ईरान ने इजराइल पर हमलों को काफी हद तक कम कर दिया है। यह रणनीति और आवश्यकता का मिश्रण हो सकता है। दो अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, ट्रंप इस समय ईरानी परमाणु सुविधाओं पर हमला करने के लिए अमेरिकी सैन्य साजो सामान का उपयोग करने का मन बना चुके हैं। एक वरिष्ठ इजराइली अधिकारी के अनुसार, इंतजार यह किया जा रहा है कि क्या ट्रंप ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करने के अभियान में पूरी मदद करेंगे। इजराइल ने घोषणा की है कि वह हमले करने को तैयार है।

### नेतन्याहू मध्य पूर्व की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा : एर्दोगन

**अंकारा/दोहा।** तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को मध्य पूर्व की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा करार दिया है। यह तीखा बयान उन्होंने कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी से फोन पर बातचीत के दौरान दिया। इस बात की जानकारी तुर्की राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा की। एक्स पोस्ट में कहा गया कि राष्ट्रपति एर्दोआगन ने ईरान पर इजराइल के हमलों के बाद उपजे संघर्ष को लेकर गहन राजनयिक प्रयास शुरू कर दिए हैं और उन्होंने क्षेत्र में हिंसा के दुष्चक्र को समाप्त करने के लिए प्रयास जारी रखने का संकल्प जताया है। एर्दोगन ने जोर देते हुए कहा कि, इजराइल के हमले गाजा में चल रहे मानवीय संकट और नरसंहार की वास्तविकता को छिपाने का बहाना नहीं बन सकते। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि इन घटनाओं को समय रहते नहीं रोका गया, तो यह संघर्ष सीरिया को भी अपनी चपेट में ले सकता है। गौरतलब है कि गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से एर्दोगन नेतन्याहू और इजराइली नीतियों के मुखर आलोचक रहे हैं। वे अक्सर इजराइल को आतंकी राष्ट्र बताते आए हैं और नेतन्याहू की तुलना हिटलर से भी कर चुके हैं।

# पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी ने प्रधानमंत्री ओली से की मुलाकात

**काठमांडू, 18 जून (एजेंसियां) ।** नेपाल की पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी की प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से मुलाकात हुई है। यह मुलाकात करीब दो घंटे तक चली। प्रधानमंत्री के सरकारी आवास पर हुई मुलाकात के बारे में वैसे तो आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं बताया गया है लेकिन माना जा रहा है कि पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी की सक्रिय राजनीतिक गतिविधियों को लेकर चर्चा हुई है। पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी की सक्रियता से नाराज ओली से उनकी मुलाकात को काफी अहम बताया जा रहा है। ओली की पार्टी इस समय नेतृत्व चयन को लेकर बहस कर रही है। ऐसे में नेतृत्व में रहे खुद ओली और उनको चुनौती दे रही भंडारी की इस मुलाकात के कई मायने निकाले जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री आवास से जुड़े सूत्रों के हवाले से यह खबर दी गई है कि प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति जैसे उच्च पदों पर आसीन व्यक्ति को वहां से रिटायर्ड होने के बाद फिर से सक्रिय राजनीति में आने से नकारात्मक संदेश जाने की बात कही है।

वैसे तो यह बात प्रधानमंत्री ओली सार्वजनिक तौर पर भी कह चुके हैं। जिस समय पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी चीन की यात्रा से लौटने के बाद देशव्यापी दौरे पर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर रही थीं उसी दौरान ओली ने उनकी सक्रियता पर कटाक्ष करते हुए कहा था कि व्यक्ति को अपने पद की गरिमा का ख्याल रखना चाहिए और पदीय मर्यादा के विपरीत आचरण नहीं करना चाहिए। ओली ने पार्टी का बैनर और मंच का दुरूपयोग करने और बिना पार्टी के निर्देशन के किसी भी पूर्व नेता का कार्यक्रम करने पर तत्काल रोकने के लिए कहा था।

ओली की पार्टी की उपाध्यक्ष रह चुकी और इसी पार्टी से राष्ट्रपति की उम्मीदवार रह चुकीं विद्या भंडारी ने भी एक टेलीविजन इंटरव्यू में ओली को जवाब देते हुए कहा कि मुझे देश भर में भ्रमण करने से और पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलने में किसी से पूछने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा था कि इस पार्टी को मैंने अपना पूरा जीवन दिया है और पार्टी महाधिवेशन से उपाध्यक्ष के पद पर निर्वाचित हुई थी।

### ईरान ने सालों तक हिजबुल्लाह को पाला- अब देख रहा है तबाही का तमाशा

इजरायल के लिए हमेशा से सबसे बड़ा डर यह रहा है कि ईरान एक दिन अपने सहयोगी प्रॉक्सी गुटों के शक्तिशाली नेटवर्क के साथ मिलकर इजरायल पर हमला कर देगा। ईरान ने इराक, यमन और लेबनान जैसे देशों में इजरायल के खिलाफ कई इस्लामी समूहों को खड़ा किया है। हालांकि इजरायल ने बीते शुक्रवार को जब से ईरान पर हमले शुरू किए हैं तब से ये सभी समूह लगभग गायब हैं। इनमें सबसे बड़ा नाम है हिजबुल्लाह। हिजबुल्लाह को कभी दुनिया का सबसे खतरनाक संगठन माना जाता था और यह मिडिल ईस्ट में ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की सबसे बड़ी दौलत था। लेकिन फिलहाल हिजबुल्लाह इस जंग में सिर्फ तमाशा देख रहा है। ईरान ने हिजबुल्लाह को अपने ऊपर आने वाली मुसीबतों के लिए तैयार किया था। ऐसे में जब ईरान पर इजरायल के हमले की खबर सामने आई तो सबकी निगाहें हिजबुल्लाह की प्रतिक्रिया पर थी। हिजबुल्लाह प्रमुख नईम कासिम ने 'ईरान के साथ' और 'इजरायल की हार तय है' जैसे शब्द तो कहें लेकिन वह जंग से दूर ही रहा।

# अल्प विकसित देश से विकासशील देश की श्रेणी में जा रहे नेपाल के लिए एशियाई विकास बैंक ने की आर्थिक पैकेज की घोषणा

**काठमांडू, 18 जून (एजेंसियां) ।** एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने नेपाल के लिए वर्ष 2025-2029 के लिए एक नई कंट्री पार्टनरशिप स्ट्रेटजी (सीपीएस) शुरू की है, जिसमें 2.3 बिलियन डॉलर के रियायती आर्थिक सहयोग देने की बात कही गई है।

नेपाल अल्प विकसित देशों की श्रेणी से विकासशील देशों की श्रेणी मे ज़ाने वाला है। इसी अवस्था को देखते हुए नेपाल को एशियाई विकास बैंक की तरफ से नए तरीके से आर्थिक सहायता देने की रणनीति बनाई गई है।

एशियाई विकास बैंक की वार्षिक समीक्षा बैठक के बाद जारी बयान में कहा गया है कि एडीबी, नेपाल के अल्प विकसित देशों की श्रेणी से विकासशील देशों की श्रेणी में जाने का समर्थन करती है। बयान में नेपाल को तीन प्राथमिकताओं पर केंद्रित कर नए आर्थिक सहायता देने की बात कही गई है। हरित और रोजगार आधारित आर्थिक परिवर्तन, समावेशी मानव पूंजी और सार्वजनिक सेवाएं तथा जलवायु परिवर्तन में महत्वपूर्ण योगदान।

एडीबी ने अपने बयान में कहा है कि नेपाल के लिए तय की गई 2.3 बिलियन डॉलर को देश की 16वीं पंचवर्षीय योजना और सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप निजी क्षेत्र के निवेश, कौशल विकास, बेहतर बुनियादी ढांचे और सामाजिक समावेशी के मद्देनजर दिया जाएगा। इसके अलावा डिजिटल विकास, लैंगिक सशक्तिकरण और संघीय शासन को मजबूत करने के लिए भी एडीबी की तरफ से सहयोग किया जाएगा। एडीबी संयुक्त नीति संवादों और संभावित सह-वित्त सहायता के लिए विश्व बैंक के साथ साझेदारी करते हुए नीतिगत सुधारों, बुनियादी ढांचे के निवेश और क्षेत्र कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी सहायता प्रदान करेगा।

# पाकिस्तान के लोग मुनीर को बता रहे इस्लामाबाद का कसाई, उसी के साथ ट्रंप करने जा रहे लंच

**वाशिंगटन, 18 जून (एजेंसियां) ।** पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष जनरल आसीम मुनीर को लेकर अमेरिका में रहे रहे पाकिस्तानों में जमकर गुस्सा है। उन्होंने मुनीर के खिलाफ न केवल प्रदर्शन किया बल्कि उसे इस्लामाबाद का कसाई भी कहा। अब खबर आ रही है कि-अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बुधवार को पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष जनरल आसीम मुनीर से व्हाइट हाउस में दोपहर भोज पर मुलाकात करेंगे। वाइट हाउस द्वारा जारी राष्ट्रपति ट्रंप की बुधवार की आधिकारिक कार्यक्रम की लिस्ट में इस बैठक का उल्लेख किया गया है। यह मुलाकात ऐसे समय हो रही है जब पश्चिम एशिया में ईरान और इजरायल के बीच युद्ध की स्थिति बनी हुई है। राष्ट्रपति ट्रंप ने हाल ही में ईरान को बिना शर्त आत्मसमर्पण की चेतावनी दी है। इसके

उलट, जनरल आसीम मुनीर ने वॉशिंगटन में एक कार्यक्रम के दौरान ईरान के प्रति समर्थन जताया और क्षेत्रीय शांति की अपील की।

जनरल मुनीर की अमेरिका यात्रा के दौरान वॉशिंगटन डी.सी. में प्रवासी पाकिस्तानियों और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ समर्थकों द्वारा जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में प्रदर्शनकारियों को पाकिस्तानीओं का कातिल और 'इस्लामाबाद के कातिल' जैसे नारे लगाते हुए देखा गया। द एलायंस ऑर्गनाइजेशन की कार्यकारी निदेशक नाजिया इम्तियाज हुसैन ने एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा, हम यहां पाकिस्तान के तानाशाही शासक के खिलाफ प्रदर्शन करने आए हैं। हर उस चापलूस पर शर्म है जो फासीवाद के समर्थन में आया। आपने सिर्फ लोकतंत्र को धोखा नहीं दिया, बल्कि लाखों की लोगों को तकलीफों में झोंका है। इस मुलाकात का महत्व तब और बढ़ जाता है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव अपने चरम पर है। ट्रंप ने मंगलवार को ट्रुथ सोशल पर लिखा, हम ईरान के आसमान पर पूरी तरह से नियंत्रण रखते हैं। हमें पता है 'सुप्रीम लीडर' कहां छिपा है। लेकिन फिलहाल हम उसे मारने वाले नहीं हैं। हमारी सहनशीलता जवाब दे रही है। वहीं जनरल आसीम मुनीर ने एक भाषण में कहा, पाकिस्तान ईरान के साथ खड़ा है और हम आशा करते हैं कि यह संकट जल्द शांतिपूर्ण तरीके से हल होगा। ईरान और इजरायल के बीच पिछले कुछ दिनों से हिंसक टकराव जारी है। इजरायल ने ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकानों पर कई हमले किए, जिनके जवाब में ईरान ने भी मिसाइल और ड्रोन हमले किए।

### रात का खाना देर से खाने से पडता है विपरीत असर

**वाशिंगटन।** डिनर समय पर और संतुलित मात्रा में होना चाहिए, ताकि शरीर सुचारु रूप से काम करता रहे। इस बात को डॉक्टर भी मानते हैं। आयुर्वेद और मेडिकल साइंस दोनों मानते हैं कि रात का भोजन सोने से कम से कम दो से तीन घंटे पहले कर लेना चाहिए। यदि आप रात 10 बजे सोने की आदत रखते हैं, तो डिनर 7 बजे तक कर लेना सबसे उपयुक्त समय माना जाता है। समय से भोजन करने से न केवल पेट स्वस्थ रहता है, बल्कि पाचन तंत्र भी बेहतर तरीके से काम करता है। देर से रात का खाना खाने से सबसे पहला असर पाचन तंत्र पर पड़ता है। जब भोजन के तुरंत बाद सोया जाता है, तो शरीर को खाना पचाने में कठिनाई होती है, जिससे गैस, अपच और एसिडिटी जैसी समस्याएं जन्म लेती हैं। इससे शरीर में ऊर्जा का सही उपयोग नहीं हो पाता और थकावट महसूस होने लगती है। इतना ही नहीं, देर रात खाना खाने की आदत मोटापे को भी बढ़ावा देती है, क्योंकि उस समय ली गई कैलोरीज बर्न नहीं हो पातीं और फैट के रूप में जमा होने लगती हैं।

# पीयूष गोयल व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ावा देने के लिए रणनीतिक यूके दौरे पर

**नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)।**

**एफटीए, व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा के लिए लंदन पहुंचे गोयल**

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 18 से 19 जून तक यूनाइटेड किंगडम की उच्चस्तरीय आधिकारिक दौरे पर हैं। गोयल इस दौरान ब्रिटेन और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के क्रियान्वयन से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को जारी बयान में बताया कि पीयूष गोयल दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा के दौरान भारत और यूके मुक्त व्यापार समझौते के कार्यान्वयन पर अपने ब्रिटिश समकक्ष जोनाथन रेनॉल्ड्स के साथ बातचीत करेंगे, जिसके समापन की घोषणा 6 मई को उनकी लंदन यात्रा के दौरान की गई थी। इसके अलावा वे दोनों देशों के बीच व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों का पता लगाने के लिए जोनाथन रेनॉल्ड्स के साथ बातचीत करेंगे।

मंत्रालय के मुताबिक केंद्रीय वाणिज्य मंत्री के इस दौरे का उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों में तेजी लाना, उभरते अवसरों का दोहन करना और दूरदर्शी, लचीले और पारस्परिक रूप से लाभकारी आर्थिक संबंध के लिए मजबूत आधार तैयार करना है। इसके साथ ही पीयूष गोयल दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक प्राथमिकताओं, वित्तीय सहयोग और निवेश सुविधा पर चर्चा करने के लिए ब्रिटेन की राजकोष की चांसलर रेचल रीव्स से भी मिलेंगे। इसके अलावा वे रचनात्मक उद्योगों और नवाचार-संचालित क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं तलाशने के लिए संस्कृति, मीडिया और खेल राज्य सचिव लिसा नंदी के साथ भी बैठक करेंगे।

गोयल से उम्मीद है कि वे शिपिंग, फिनटेक, लॉजिस्टिक्स और उन्नत विनिर्माण सहित प्रमुख क्षेत्रों के प्रमुख सीईओ और उद्योग हितधारकों के साथ बातचीत करेंगे, जिसका उद्देश्य वाणिज्यिक संबंधों को मजबूत करना और सीमा पार निवेश को बढ़ावा देना है।

## न्यूज ब्रीफ

### ईरान-इजराइल संघर्ष से तेल बाजार में उथल-पुथल, कच्चे तेल और पेट्रोल की कीमतों में उछाल

**वाशिंगटन/तेहरान।** ईरान और इज़राइल के बीच जारी तनावपूर्ण हालात का असर अब वैश्विक ऊर्जा बाजार पर साफ दिखने लगा है। तेल और पेट्रोल की कीमतों में तेज उछाल दर्ज किया गया है, जिससे आम उपभोक्ताओं की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ने की आशंका बढ़ गई है। मंगलवार को अमेरिकी कच्चे तेल की कीमतों में 2.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जो अब 73.90 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई है। यह कीमत जनवरी के अंत के बाद सबसे ऊंचा स्तर है। सोमवार को इसमें 1.7 प्रतिशत की गिरावट देखी गई थी, लेकिन ताजा तनाव के बाद फिर से इसमें तेजी आ गई। पिछले सप्ताह इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए अभूतपूर्व हवाई हमलों के बाद कच्चे तेल की कीमतों में 13 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी, जो अक्टूबर 2022 के बाद का सबसे बड़ा साप्ताहिक उछाल था। तेल की कीमतों में आई तेजी का असर पेट्रोल पंपों पर भी दिखने लगा है। अमेरिका में रेगुलर गैसोलिन का औसत मूल्य तीन सेंट की छलांग लगाकर 3.17 डॉलर प्रति गैलन तक पहुंच गया है, जो आम नागरिकों के लिए चिंता का विषय बनता जा रहा है।

### अब आधार अपडेट के लिए आधार सेंटर जाने की जरूरत नहीं, मोबाइल से ही हो जाएगा आधार अपडेट

**नई दिल्ली।** अब आपको आधार अपडेट कराने कि लिए आधार सेंटर जाने की जरूरत नहीं होगी। यूआईडीएआई ने एक ऐसा नया सिस्टम बनाया है, जिससे लोग घर बैठे ही अपने आधार में मोबाइल नंबर, पता, नाम और जन्मतिथि जैसी जानकारी अपडेट कर सकेंगे। यूआईडीएआई ने एक ऐप तैयार किया है, जो क्यूआर कोड के जरिए पूरा आधार शेयर करने की सुविधा देगा। यूआईडीएआई ला रहा क्यूआर कोड बेस्ड नया ऐपनवंबर 2025 तक आधार में एड्रेस अपडेट, डिटेल वेरिफिकेशन और बायोमेट्रिक अपडेट जैसे काम घर बैठे ही संभव हो सकेंगे। नई टेक्नोलॉजी के जरिए यह सिस्टम जन्म प्रमाण पत्र, मैट्रिक सर्टिफिकेट, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट, पेन, पीडीएस और मनरेगा जैसे डेटाबेस से पता और दूसरी जानकारी हासिल करेगा। इससे न केवल दस्तावेजों की जांच आसान होगी, बल्कि जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल भी रोका जा सकेगा। यूआईडीएआई बिजली बिल डेटाबेस को भी इस सिस्टम से जोड़ने की तैयारी कर रहा है, जिससे सिस्टम और भी सुलभ हो जाएगा। यह ऐप मोबाइल-टू-मोबाइल या ऐप-टू-ऐप आधार ट्रांसफर की सुविधा देगा। इससे होटल चेक-इन, ट्रेन यात्रा के दौरान पहचान सत्यापन और प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन जैसे मामलों में इसका इस्तेमाल किया जा सकेगा। ऐप की सबसे बड़ी खासियत यह है कि आधारधारक की सहमति के बिना डेटा शेयर नहीं किया जा सकेगा।

### जापान के निर्यात में मई महीने में 1.7 फीसदी की गिरावट, व्यापार घाटा मई में 637.6 अरब येन या 4.4 अरब डॉलर रहा

**टोक्यो।** जापान के निर्यात में मई महीने में गिरावट आई है। अमेरिका को मोटर वाहनों के निर्यात में सालाना आधार पर करीब 25 प्रतिशत की भारी गिरावट इसकी मुख्य वजह रही। वित्त मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि निर्यात में सालाना आधार पर 1.7 प्रतिशत की गिरावट आई जो विश्लेषकों द्वारा पूर्वानुमानित गिरावट से कम है। आयात में 7.7 प्रतिशत की गिरावट आई, जो कमजोर घरेलू मांग को दर्शाता है। यह अप्रैल में दर्ज दो प्रतिशत की गिरावट से भी बदतर है। वहीं व्यापार घाटा मई में 637.6 अरब येन या 4.4 अरब डॉलर रहा। जापान अभी तक शुल्क मुद्दे को सुलझाने के लिए अमेरिका के साथ किसी समझौते पर नहीं पहुंच पाया है। प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने इस सप्ताह की शुरुआत में कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के बाद कहा था कि दोनों पक्ष कुछ बिंदुओं पर सहमत नहीं हो पाए हैं। अमेरिका ने जापान के मोटर वाहनों व उसके घटकों के निर्यात पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क और अन्य वस्तुओं पर 24 प्रतिशत शुल्क लगाया है।

# सीबीआईसी ने जीएसटी के 8 वर्ष पूरा होने पर संडे ऑन साइकिल का आयोजन किया

**नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)।**

**केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के 8 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में फिटनेस और जीएसटी जागरूकता पहल 'संडे ऑन साइकिल' का आयोजन किया। कार्यक्रम स्थल पर प्रतिभागियों से जुड़ने और जीएसटी के बारे में प्रश्नों के उत्तर देने के लिए समर्पित जीएसटी हेल्प डेस्क स्थापित की गई थी।**

वित्त मंत्रालय ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि जीएसटी के आठ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में सीबीआईसी ने फिट इंडिया मूवमेंट के साथ मिलकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए फिट इंडिया मूवमेंट के तत्वावधान में संडे ऑन साइकिल राष्ट्रव्यापी साइक्लोथॉन का आयोजन किया। यह कार्यक्रम प्रात: राष्ट्रीय राजधानी के मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित किया गया। इसमें देशभर के 100 से अधिक केन्द्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) आयुक्तालयों ने भी भाग लिया।

नई दिल्ली में साइक्लोथॉन को हरी झंडी दिखाते हुए सीबीआईसी के सदस्य (जीएसटी) शशांक प्रिय ने भारतीय कराधान प्रणाली पर जीएसटी के परिवर्तनकारी प्रभाव के बारे में बताया और इस बात पर बल दिया कि किस प्रकार जीएसटी ने लगभग 30 विभिन्न अप्रत्यक्ष करों को एकल, पारदर्शी कर ढांचे में एक कर दिया है। इससे व्यवसायों और नागरिकों के लिए कर प्रबंधन और अनुपालन सरल हो गया है। उन्होंने प्रतिभागियों को जीएसटी कंपोजिशन स्कीम और त्रैमासिक रिटर्न मासिक भुगतान (क्यूआरएमपी) योजना जैसी पहलों के माध्यम से छोटे करदाताओं को दिए गए महत्वपूर्ण लाभों के बारे में भी अवगत कराया। इससे अनुपालन का बोझ कम हो गया है और व्यापार करने में आसानी हुई है।

मंत्रालय के मुताबिक सीजीएसटी के मुंबई और पुणे जोन ने सुनील शेट्टी, मिलिंद सोमन और जॉन अब्राहम जैसी बॉलीवुड हस्तियों को भी शामिल किया। साइक्लोथॉन में देशभर के 50 हजार से अधिक साइकिल चालकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस साइक्लोथॉन में सीबीआईसी के वरिष्ठ अधिकारी राजेश सोढ़ी, प्रधान मुख्य आयुक्त, सीजीएसटी दिल्ली जोन, सीपी गोयल, जीएसटी के प्रधान महानिदेशक (डीजीजीएसटी), सीबीआईसी और महेश कुमार रुस्तगी, महानिदेशक करदाता सेवाएं (डीजीटीएस), सीबीआईसी; विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के प्रतिनिधि और आम जनता ने भाग लिया।

वित्त मंत्रालय के मुताबिक कार्यक्रम स्थल पर प्रतिभागियों से जुड़ने और जीएसटी के बारे में प्रश्नों के उत्तर देने के लिए एक समर्पित जीएसटी हेल्प डेस्क जीएसटी के बारे में जानें स्थापित की गई थी। सुगम्यता और पहुंच बढ़ाने के लिए, जीएसटी के प्रमुख विषयों पर सूचनात्मक विवरण की एक विस्तृत श्रृंखला वितरित की गई और क्यूआर कोड से लैस डिजिटल कियोस्क को पूरे कार्यक्रम स्थल पर रखा गया ताकि प्रतिभागी सीधे अपने मोबाइल डिवाइस पर जीएसटी संसाधन सामग्री को स्कैन और डाउनलोड कर सकें। इसके अलावा जीएसटी सुधारों और करदाता-केंद्रित पहलों को दर्शाने वाले आकर्षक होर्डिंग और बैनर - विशेष रूप से एमएसएमई, जीएसटी पंजीकरण प्रक्रिया आदि के लिए प्रमुखता से प्रदर्शित किए गए। इन प्रयासों ने व्यापक और आकर्षक माहौल बनाया जो सार्वजनिक जुड़ाव और जानकारी के माध्यम से जीएसटी को लोगों के करीब लाने के सीबीआईसी के दृष्टिकोण के अनुरूप था।

मंत्रालय के मुताबिक साइक्लोथॉन एक व्यापक पहल का हिस्सा है जिसमें सार्वजनिक स्वास्थ्य को करदाता जुड़ाव के साथ जोड़ा गया है। यह पहल सीबीआईसी की अभिनव और समावेशी पहुंच कार्यक्रमों के माध्यम से करदाताओं और आम जनता के साथ जुड़ने की प्रतिबद्धता का एक और उदाहरण है जो राष्ट्रीय स्वास्थ्य लक्ष्यों और जीएसटी सुधार की चल रही यात्रा दोनों का प्रचार कर रहा है। भारत इस ऐतिहासिक कर व्यवस्था के तहत आठ सफल वर्ष मना रहा है।

# मेकमाईट्रिप शेयर और परिवर्तनीय बॉण्ड की बिक्री से जुटाएगी 2.5 अरब डॉलर

**नई दिल्ली, 18 जून (एजेंसियां)।**

यात्रा बुकिंग मंच मेकमाईट्रिप का कहना है कि वह शेयर और परिवर्तनीय बॉण्ड की बिक्री के जरिये 2.5 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की पूंजी जुटाने पर विचार कर रही है। अमेरिकी शेयर बाजार नैस्डैक को दी गई सूचना के अनुसार इस जुटाई गई राशि का उददेश्य कंपनी में चीन स्थित ट्रिप डॉट कॉम समूह की हिस्सेदारी को उल्लेखनीय रूप से कम करना है। नैस्डैक में सूचीबद्ध कंपनी ने पेशकश से हासिल की गई आय के साथ-साथ परिवर्तनीय बॉण्ड की पेशकश से मिली राशि का इस्तेमाल ट्रिप.कॉम द्वारा पहले अधिग्रहित अपने 'क्लास बी' शेयर के एक हिस्से को पुनर्खरीद करने के लिए करने की योजना बनाई है। सामान्यत: क्लास बी शेयर में सामान्य शेयरों के समान ही अधिकार एवं प्राथमिकताएं होती हैं, सिवाय इसके कि इस श्रेणी के शेयर को नियंत्रित करने वाली निर्गम शर्तों को विशेष रूप से निर्धारित किया गया हो।

### अब देश के 73 प्रतिशत एटीएम में मिलेंगे 100 या 200 के नोट

**मुंबई।** भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में कुछ दिनों पहले देश के सभी बैंकों को निर्देश दिए थे कि वह अपने एटीएम में 100 और 200 रुपये के नोट लोगों को जरूर उपलब्ध कराएं, जिससे लोगों को नोट निकालने में दिक्कतों का सामना न करना पड़े। आरबीआई ने इस काम को करने के लिए बैंकों को 30 सितंबर 2025 तक की समयसीमा दी थी लेकिन आरबीआई के इस निर्देश का असर अभी से दिखने लगा है। दरअसल, एक रिपोर्ट के अनुसार देश के लगभग 73 प्रतिशत एटीएम ऐसे हो चुके हैं, जिनमें कम से कम एक कैसेट से 100 या 200 रुपये के नोट मिल रहे हैं। दिसंबर 2024 तक यह आंकड़ा 65 प्रतिशत था, जो आरबीआई के आदेश के बाद बढ़ गया है।

### डीएलएफ ने गुरुग्राम में 11,000 करोड़ में 1,164 लग्जरी अपार्टमेंट बेचे

रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी डीएलएफ लिमिटेड ने गुरुग्राम में 1,164 लक्जरी अपार्टमेंट करीब 11,000 करोड़ रुपये में बेच दिए हैं। डीएलएफ ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में अपनी नवीनतम लक्जरी पेशकश डीएलएफ प्रिवाना नॉर्थ को बेचने की घोषणा की। यह बिक्री परियोजना शुरू होने के केवल एक सप्ताह के भीतर करीब 11,000 करोड़ रुपये में की गई। यह परियोजना गुरुग्राम के सेक्टर 76 व 77 में 116 एकड़ की एकीकृत टाउनशिप डीएलएफ प्रिवाना का हिस्सा है डीएलएफ होम डेवलपर्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह डीएलएफ के व्यापक स्तर के आवास उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण को बताता है। उन्होंने कहा कि मजबूत बिक्री प्रतिक्रिया डीएलएफ की पेशकशों के लिए स्पष्ट मांग को दर्शाती है जो हमारी पिछली परियोजनाओं की सफलता से प्रेरित है। इससे पहले सूत्रों ने बताया था कि डीएलएफ गुरुग्राम में इस नई लक्जरी आवास परियोजना के विकास के लिए करीब 5,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

# भारत की स्थिति वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच बेहतर: सीईए

**तिरुवनंतपुरम,18 जून (एजेंसियां)।**

**मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने मौजूदा वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश के स्थिर आर्थिक प्रदर्शन की ओर इशारा करते हुए कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत एक बेहतर स्थिति में बना हुआ है। सीईए ने कहा कि कहा कि 2022 से संघर्ष एवं व्यवधान वैश्विक परिदृश्य का हिस्सा रहे हैं लेकिन वे अब अधिक अप्रत्याशित हो गए हैं। इससे समग्र परिवेश चाहे राजनीतिक, आर्थिक या सुरक्षा से संबंधित हो दुनिया भर में वृद्धि के लिए कहीं अधिक चुनौतियां पेश कर रहे हैं।**

नागेश्वरन ने पश्चिम एशिया में यूक्रेन-रूस, भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्षों और शुल्क युद्धों के कारण बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे किए गए सवाल पर कहा कि आप कह सकते हैं कि सकारात्मक संभावनाओं पर कहीं न कहीं ये स्थितियां हावी हो रही हैं। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ भारत की समस्या नहीं है, यह कई देशों को प्रभावित कर रही हैं। सीईए ने कहा कि कुछ हद तक यह कहा जा सकता है कि वर्तमान में वैश्विक परिवेश चाहे वह राजनीतिक हो, आर्थिक हो या सुरक्षा से संबंधित हो, वृद्धि के लिए काफी जटिल और अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है न केवल भारत के लिए बल्कि कई देशों के लिए लगभग पूरी विश्व अर्थव्यवस्था के लिए। नागेश्वरन ने कहा कि लेकिन उनका मानना है कि इन परिस्थितियों में भी भारत वास्तव में अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में है। सीईए ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में भारत की 6.5 प्रतिशत की मौजूदा वृद्धि दर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि 2008 के वित्तीय संकट के बाद से वैश्विक माहौल कितना कठिन हो गया है, इसे देखते हुए इस दर को बनाए रखना कोई मामूली बात नहीं है।

# ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

**नई दिल्ली,18 जून (एजेंसियां)।**

ईरान और इजराइल के बीच जारी संघर्ष के कारण ग्लोबल मार्केट से कमजोर संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। ईरान और इजराइल सैन्य टकराव की वजह से वैश्विक स्तर पर घबराहट का माहौल बना हुआ है, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.84 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,982.72 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 180.12 अंक यानी 0.91 प्रतिशत फिसल कर 19,521.09 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.03 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 42,228.62 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान घबराहट का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.47 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,834.03 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.76 प्रतिशत लुढ़क कर 7,683.73 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 264.47 अंक यानी 1.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,434.65 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजार में से 5 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.38 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,915.85 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.36 प्रतिशत टूट कर 7,130.16 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 288.05 अंक यानी 1.22 प्रतिशत लुढ़ककर 23,692.25 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.21 प्रतिशत फिसल कर 3,380.47 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.26 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,928.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.46 प्रतिशत उछल कर 2,963.81 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 273.21 अंक यानी 0.70 प्रतिशत की मजबूती के साथ 38,809.95 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 144.23 अंक यानी 0.65 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,355.82 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.51 प्रतिशत की छलांग लगा कर 1,119.32 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

# ब्री इलिंग और बेला जेम्स को न्यूजीलैंड महिला टीम का केंद्रीय अनुबंध मिला

**वेलिंगटन, 18 जून (एजेंसियां) ।**

न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज ब्री इलिंग और बल्लेबाज बेला जेम्स को पहली बार न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम के लिए केंद्रीय अनुबंध मिला है। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने बुधवार, 18 जून को 2025-26 सत्र के लिए केंद्रीय अनुबंध सूची जारी की, जिसमें इन दोनों युवा खिलाड़ियों को जगह दी गई है। यह स्थान हेली जेनसेन के संन्यास और कप्तान सोफी डिवाइन के कैजुअल प्लेइंग एग्रीमेंट पर जाने के बाद खाली हुआ था।

बाएं हाथ की तेज गेंदबाज ब्री इलिंग ने 2022 में घरेलू क्रिकेट में पदार्पण किया था और अब तक अपनी टीम की प्रमुख विकेट टेकर बन चुकी हैं। 21 वर्षीय इलिंग ने इस सत्र में सभी प्रारूपों में कुल 29 विकेट लिए हैं। इस शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने इसी साल मार्च में श्रीलंका के खिलाफ वनडे और टी20 दोनों प्रारूपों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया, जहां उन्होंने छह मैचों में छह विकेट झटके।

वहीं, बेला जेम्स ने पिछले साल दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। उन्होंने मार्च में एक और मुकाबला इसी टीम के खिलाफ खेला। हालांकि, जेम्स ने महज 16 साल की उम्र में घरेलू क्रिकेट में कदम रखा था और उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा।

न्यूजीलैंड महिला टीम के कोच बेन सॉयर ने कहा, ब्री ने श्रीलंका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। एक विश्वस्तरीय बल्लेबाज जैसे चमारी अटापट्टू के खिलाफ उसका प्रदर्शन यह दिखाता है कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार है। वहीं, बेला ने घरेलू स्तर पर निरंतर अच्छा खेल दिखाया है और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डेब्यू श्रृंखला में भी शानदार रही थी।

2025-26 के लिए न्यूजीलैंड महिला टीम की केंद्रीय अनुबंध सूची:

सूज़ी बेट्स, ईडन कार्सन, लॉरेन डाउन, इज़ी गेज़, मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, ब्री इलिंग, पॉली इंग्लिस, बेला जेम्स, फ्रैन जोनास, जेस

## न्यूज ब्रीफ

### कोहली से लंदन वाले घर में मिले शुभमन, ऋषभ सहित कुछ खिलाड़ी

**लंदन।** इंग्लैंड के खिलाफ शुक्रवार से लीड्स में शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम यहां पहुंच गयी है। इससे पहले भारतीय टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल और ऋषभ पंत सहित कुछ खिलाड़ी पूर्व कप्तान विराट कोहली से मिलने उनके घर गये। विराट कोहली ने आईपीएल के दौरान ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। उनका लंदन में भी एक घर है और उन्होंने टीम के खिलाड़ियों को मिलने के लिए घर पर बुलाया था। केंट में इंट्रा-स्क्वाड मैच के समापन के बाद सोमवार को भारतीय खिलाड़ी को आराम का दिन मिला था जिसमें वह कोहली से मिलने के लिए पहुंचे हालांकि ये पता नहीं चला है कि ये बैठक किस बारे में थी पर इसमें सीरीज के बारे में बातें न हों ये संभव नहीं है। मीटिंग करीब दो घंटे तक चली. भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के भी पहले टेस्ट के लिए टीम से जुड़ने की उम्मीद है।

### पूर्व क्रिकेटर स्वान बोले, भारतीय टीम को 4-1 से सीरीज हरा सकती है इंग्लैंड

**लंदन।** इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर ग्रेम स्वान ने कहा है कि पांच टेस्ट मैचों की इस सीरीज में भारतीय क्रिकेट टीम को करारी हार का सामना करना पड़ेगा। स्वान ने इस प्रकार की बयानबाजी कर सीरीज के पहले ही भारतीय टीम पर मानसिक दबाव बनाने का प्रयास किया है। स्वान के अनुसार इंग्लैंड की टीम इस सीरीज में 4-1 से जीतेगी। स्वान ने कहा, इस बार भारतीय टीम के पास विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी बल्लेबाज नहीं है जिसका लाभ हमारी टीम को मिलेगा। इस क्रिकेटर ने हालांकि माना कि इस युवा भारतीय टीम का बल्लेबाजी क्रम अच्छा है जिसे कमजोर नहीं माना जा सकता है। साथ ही कहा कि हमारी टीम के पास ऐसे गेंदबाज हैं जो हालातों का अच्छा लाभ उठा सकते हैं और अच्छी गेंदबाजी कर सकते हैं।

एफआईएच महिला प्रो लीग

# अर्जेंटीना के खिलाफ भारत को मिली 1-4 की हार, दीपिका ने दागा एकमात्र गोल

**लंदन, 18 जून (एजेंसियां) ।**

**एफआईएच महिला हॉकी प्रो लीग 2024-25 के मुकाबले में भारतीय महिला हॉकी टीम को अर्जेंटीना के खिलाफ 1-4 से शिकस्त झेलनी पड़ी। लंदन के ली वैली हॉकी एंड टेनिस सेंटर में खेले गए इस मुकाबले में दीपिका (30) ने भारत के लिए एकमात्र गोल दागा, लेकिन अर्जेंटीना की अनुभवी खिलाड़ी अगस्टिना गोरजेलानी ने हैट्रिक (42, 54, 55) लगाकर मुकाबले को भारत की पहुंच से बाहर कर दिया। पहला क्वार्टर गोलरहित रहा, लेकिन भारत की शुरुआत उत्साहजनक रही।**

सलीमा टेटे और लालरेमसियामी ने गोल के करीब मौके बनाए। भारतीय टीम ने तेज़-तर्रार खेल दिखाते हुए अर्जेंटीना की रक्षापंक्ति को चौंकाने की कोशिश की, जबकि अर्जेंटीना ने शांतचित्त, संगठित और ऊंचा प्रेसिंग गेम अपनाया।

दूसरे क्वार्टर में खेल की रफ्तार बढ़ी। भारत की नवनीत कौर ने गोल लाइन पर शानदार बचाव किया, जबकि सलीमा की तेज़ दौड़ और पास के बाद बलजीत कौर गोल से चूक गईं। 29वें मिनट में अर्जेंटीना की विक्टोरिया फालास्को ने गोल कर बढ़त दिलाई। लेकिन भारत ने तुरंत जवाब दिया। 30वें मिनट में भारत को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे दीपिका ने दमदार ड्रैग-फ्लिक से गोल में तब्दील कर स्कोर 1-1 कर दिया।

तीसरे क्वार्टर में भारत ने दो पेनल्टी कॉर्नर और एक ओपन प्ले में मौके बनाए, लेकिन गोल में तब्दील नहीं कर पाए। इस बीच अर्जेंटीना को पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिसे गोरजेलानी ने 42वें मिनट में गोल में बदला।

47वें मिनट में सलीमा फिर एक मौके पर करीब पहुंचीं लेकिन गोलकीपर ने रोक दिया। भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन सफलता नहीं मिली। अंततः गोरजेलानी ने दो और गोल (54 पेनल्टी स्ट्रोक, 55 पेनल्टी कॉर्नर) कर अपनी हैट्रिक पूरी की और भारत की वापसी की उम्मीदों को खत्म कर दिया।

### शास्त्री बोले राहुल करें पारी की शुरुआत, सुदर्शन को तीसरे नंबर पर उतारा जाये

**लीड्स।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि 20 जून से मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू कर रहे युवा साई सुदर्शन को तीसरे नंबर पर उतारना चाहिए। वहीं बल्लेबाजकरुण नायर को पांचवें नंबर पर भेजना चाहिये। शास्त्री ने कहा, 'पिछली बार इंग्लैंड दौरे में शतक लगाने वाले के एल राहुल को पारी शुरु करने भेजा जाये।' शास्त्री ने कहा, 'तीसरे नंबर पर मैं युवा खिलाड़ी सुदर्शन को इसलिए चाहता हूं क्योंकि उनकी तकनीक अच्छी है और इस नंबर पर उतरने से उनको अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा।' सुदर्शन पिछले काफी समय से अच्छे फॉर्म में हैं। वह प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के बाद एक ही आईपीएल सत्र में 700 रन बनाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा कि नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को चौथे नंबर पर उतारा जाये। शुभमन ने अपने शुरुआती 32 टेस्ट मैच में नंबर तीन पर खेला है। शास्त्री के अनुसार सात साल के लंबे समय के बाद टेस्ट टीम में वापसी करने वाले करुण नंबर पांचवें नंबर पर प्रभावी साबित होंगे। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के अलावा उनके पास काउंटी क्रिकेट खेलने का अनुभव भी है जिसका उन्हें लाभ मिलेगा। शास्त्री ने कहा, 'वर्तमान फॉर्म के आधार पर इस नंबर पर करुण ही सबसे बेहतर विकल्प नजर आते हैं। वहीं छठे नंबर पर ऋषभ पंत उतरेंगे। रेड्डी और शार्दुल में कौन खेलेगा गेंदबाजी की बात करें तो शास्त्री ने कहा कि लीड्स की वह तीन तेज गेंदबाजों के साथ उतरना पसंद करेंगे। उन्होंने कहा, ' गेंदबाज ऑलराउंर के लिए शार्दुल और नीतीश रेड्डी के बीच मुकाबला मुश्किल होगा, इसमें देखना होगा कि कौन कितना गेंदबाजी कर सकता है।

# रग्बी अफ्रीका मेन्स 7एस टूर्नामेंट के लिए युगांडा की टीम घोषित

**कम्पाला, 18 जून (एजेंसियां) ।**

युगांडा ने मंगलवार को मॉरिशस में 21 से 22 जून तक होने वाले रग्बी अफ्रीका मेन्स 7एसटूर्नामेंट के लिए अपनी अंतिम टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कमान एलेक्स अतुरिंडा को सौंपी गई है। मुख्य कोच टोल्बर्ट ओन्यांगो ने 12 सदस्यीय टीम का ऐलान करते हुए कहा, हम बेहद उत्साहित हैं क्योंकि टीम ने अच्छी तैयारी की है। हमें अपना खिताब बचाने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। यह टूर्नामेंट मापो के लाबोर्दोने स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाएगा, जिसमें कुल 12 टीमें हिस्सा लेंगी। खिताबी मुकाबले के अलावा, टीमें वर्ल्ड रग्बी 7एस सीरीज़ के नवप्रस्तावित डिवीजन 3 में जगह बनाने के लिए भी प्रतिस्पर्धा करेंगी। युगांडा की रग्बी क्रेन्स टीम को ग्रुप ए में कोट डी आइवोर, घाना और चिर प्रतिद्वंद्वी केन्या के साथ रखा गया है। कोच ओन्यांगो ने कहा, हम अपने ग्रुप में किसी भी टीम को हल्के में नहीं ले सकते, क्योंकि हर टीम मौजूदा चैंपियन को हराने की कोशिश करेगी। लेकिन हम हर मैच के लिए खास रणनीति के साथ तैयार हैं। अन्य भाग लेने वाली टीमें हैं: दक्षिण अफ्रीका, बुर्किना फासो, जाम्बिया, नाइजीरिया, मेडागास्कर, जिम्बाब्वे, ट्यूनीशिया और मेज़बान मॉरिशस। युगांडा टीम: एलेक्स अतुरिंडा (कप्तान), एलन ओलैंगो, मुबारक वांडेरा, मार्क ओसुना, अर्नोल्ड ओसेन, रॉय किज़िटो, करीम अरिनाइत्वे, मैल्कम ओकेलो, आरोन टुकेई, डेनिस एत्वाउ, जोन्स कामिजा और नोबर्ट ओकेनी।

### लोकल ट्रेन से लीड्स पहुंची भारतीय टीम

**लंदन।** भारतीय क्रिकेट टीम पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए लीड्स पहुंच गई है। यहां भारतीय टीम शुक्रवार से पहला क्रिकेट टेस्ट मैच खेलने उतरेगी। इसमें सबसे अलग बात ये रही कि इस बार टीम किसी बस या विमान से नहीं बल्कि लोकल ट्रेन से लीड्स पहुंची। सोशल मीडिया पर टीम इंडिया का एक विशेष वीडियो आया है। इसमें कप्तान शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, उप कप्तान ऋषभ पंत, प्रसिद्ध कृष्णा, केएल राहुल, करुण नायर, अर्शदीप सिंह और फील्डिंग कोच टी. दिलीप सहित सहयोगी स्टाफ के सदस्यों का रेलवे स्टेशन से बाहर आते देखा गया!प्रशंसक टीम और कोचिंग स्टाफ को रेलवे स्टेशन से बाहर आते देख हैरान हो गये। भारतीय टीम अभ्यास मैच के बाद यहां पहुंची है। भारतीय टीम इस मैच में जीतकर सीरीज की बेहतर शुरुआत करना चाहती है। इस सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे।

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

### भारत से दोस्ती...

पर आमंत्रण के बाद आउटरीच पार्टनर के तौर पर भारत शिखर सम्मेलन में शामिल हुआ। इस दौरान पीएम मोदी जी-7 सम्मेलन के लिए आए कई देशों के नेताओं से मिले और द्विपक्षीय वार्ता भी की।वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने कनाडा के पीएम से मुलाकात के बाद कहा कि दोनों देशों के बीच दोस्ती बढ़ाने पर काम किया जाएगा। इसके अलावा दोनों नेताओं ने व्यापार, एनर्जी, अंतरिक्ष, स्वच्छ ऊर्जा, दुर्लभ मिनरल्स और फर्टिलाइजर्स समेत कई अन्य मुद्दों पर चर्चा कर इस पर आगे काम करने की बात कही। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ शानदार बैठक हुई। भारत और कनाडा लोकतंत्र, स्वतंत्रता और कानून के शासन के साथ विश्वास से जुड़े हुए हैं और दोनों देशों की दोस्ती को आगे बढ़ाने पर काम करेंगे।गौरतलब है कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा घोषित आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की 18 जून 2023 को एक गुरुद्वारे के बाहर गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। यहां तक कि कनाडा के पूर्व पीएम जस्टिन त्रूदो ने बेवकूफाना दावा किया था कि निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट जुड़े हुए हैं। इसके बाद दोनों देशों के बीच तनाव का माहौल बन गया था। अक्टूबर 2024 में भारत ने कनाडा से अपने 6 डिप्लोमेट्स वापस बुला लिए थे। वहीं, कनाडा के डिप्लोमेट्स को भी भारत से वापस भेज दिया गया था। इसके बाद मार्च में चुने गए कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने दोनों देशों के बीच के तनाव को खत्म करने के लिए जी-7 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित कर दोबारा दोस्ताना माहौल शुरू करने की कोशिश की।जी-7 दुनिया की 7 उन्नत अर्थव्यवस्थाओं और यूरोपीय संघ का एक अनौपचारिक समूह है। इसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और यूनाइटेड किंगडम शामिल हैं। रूस भी पहले इस समूह का हिस्सा था, लेकिन क्रीमिया देश पर कब्जा करने के बाद समूह से उसे निष्कासित कर दिया गया। जी-7 शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी ने इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री अल्बनीज समेत अन्य नेताओं के साथ मुलाकात कर द्विपक्षीय वार्ता की। जी-7 में प्रतिभाग करने के बाद प्रधानमंत्री मोदी क्रोशिया के दौरे पर निकल गए हैं।

### न आपने...

बात कर संवेदना जताई थी और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में समर्थन भी जताया था। उसके बाद यह पहली बार था, जब वे आपस में बात कर रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप से साफ-साफ कहा कि इस पूरे घटनाक्रम के दौरान कभी भी और किसी भी स्तर पर भारत-अमेरिका ट्रेड डील या भारत-पाकिस्तान मध्यस्थता जैसे विषयों पर बात नहीं हुई। सैन्य कार्रवाई रोकने के बात सीधे भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच मौजूद चैनल के जरिए हुई थी। पाकिस्तान के आग्रह के बाद ही यह बातचीत हुई थी। पीएम मोदी ने कहा कि भारत ने न कभी मध्यस्थता स्वीकार की थी, न करता है और न ही कभी करेगा। इस विषय पर भारत में पूर्ण रूप से राजनीतिक एकमत है। ट्रंप ने पीएम मोदी की ओर से बताई गई बातों को समझा और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के प्रति समर्थन व्यक्त किया। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि भारत आतंकवाद को अब प्रॉक्सी वॉर नहीं, बल्कि युद्ध के रूप में ही देखता है। भारत का ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है।विदेश सचिव ने बताया, राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम मोदी से पूछा कि क्या वे कनाडा से लौटते समय अमेरिका में रुकेंगे। पूर्व निर्धारित प्रतिबद्धताओं के कारण पीएम मोदी ने ऐसा करने में असमर्थता जताई। दोनों नेताओं ने तय किया कि वे निकट भविष्य में मिलने की कोशिश करेंगे। क्वाड की अगली बैठक के लिए पीएम मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को भारत आमंत्रित किया। निमंत्रण स्वीकार करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वे भारत आने के लिए उत्साहित हैं।राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई वार्ता कई मायनों में बेहद महत्वपूर्ण रही और इसने न केवल पाकिस्तान बल्कि पूरी दुनिया को स्पष्ट संदेश देने का भी काम किया। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने साफ-साफ बताया कि 22 अप्रैल 2025 को हुए पहलगाम हमले के बाद यह पहली बार था जब पीएम मोदी और ट्रंप ने सीधे बात की। इस बातचीत में ट्रंप ने हमले में मारे गए लोगों के लिए संवेदना जताई और भारत के आतंकवाद के खिलाफ रुख का समर्थन किया। यह बात इसलिए अहम है क्योंकि बड़बोली और आत्ममुग्ध मीडिया टिप्पणियों से ऐसा लग रहा था कि जैसे भारत और अमेरिका के बीच कई बार बात हो चुकी है। ट्रंप ने बार-बार दावा किया कि उन्होंने व्यापार का दबाव डालकर भारत को पाकिस्तान से बात करने और युद्ध विराम के लिए राजी किया। विक्रम मिस्री के बयान ने साफ कर दिया कि ट्रंप का ये शांति स्थापित करने वाला दावा पूरी तरह हवाबाजी से भरा और भ्रामक था।टेलीफोनिक बातचीत में पीएम मोदी ने ट्रंप को स्पष्ट कर दिया कि भारत ने पूरी दुनिया को बता दिया है कि पहलगाम हमले का जवाब वह जबरदस्त तरीके से देगा। मोदी ने कहा कि 6-7 मई 2025 की रात को भारत की ऑपरेशन सिंदूर कार्रवाई एक संयमित, गैर-उकसावे वाली और सटीक सैन्य कार्रवाई थी, जो पीओके और पाकिस्तान में आतंकी ढांचों पर केंद्रित थी। मोदी ने स्पष्ट कहा कि भारत ने पहले भी पाकिस्तान की किसी भी उकसावे की कार्रवाई का जवाब दिया है और आगे भी देगा और वो भी बड़े पैमाने पर। पीएम मोदी का यह बयान नए भारत की ताकत और आत्मविश्वास को दिखाता है। नया भारत किसी विदेशी ताकत के इशारे पर नहीं चलता, बल्कि अपनी संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा के लिए दुश्मन को करारा जवाब देता है। पीएम मोदी का बयान शांत लेकिन दृढ़ संकल्प का प्रतीक है।पीएम मोदी ने ट्रंप को ये भी बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के पहले चरण के बाद 9 मई की रात को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने उन्हें फोन करके पाकिस्तान की ओर से एक बड़े हमले की चेतावनी दी थी। भारत ने वेंस को बहुत साफ शब्दों में बता दिया कि पाकिस्तान की किसी भी उकसावे की कार्रवाई का जवाब भारत और जोरदार और बड़ा देगा। और भारत ने ऐसा ही किया। पीएम मोदी ने ट्रंप को बताया कि पाकिस्तान की उकसावे की कार्रवाई के जवाब में भारत ने सटीक सैन्य हमले किए, जिन्होंने पाकिस्तान की हवाई सुरक्षा को पूरी तरह तहस-नहस कर दिया और उनके हवाई अड्डों को बेकार कर दिया। भारत ने पूर्ण हवाई वर्चस्व हासिल कर लिया। इसके बाद पूरी तरह टूट चुका पाकिस्तान भारत से युद्ध विराम की गुहार लगाने को मजबूर हो गया। ये भारत की सैन्य ताकत और रणनीतिक चतुराई का सबूत है।पीएम मोदी ने ट्रंप को साफ-साफ याद दिलाया कि न तो पाकिस्तानी सैन्य नेतृत्व के साथ और न ही अमेरिकी नेतृत्व के साथ किसी भी बातचीत में व्यापार का जिक्र तक हुआ। उन्होंने यह भी साफ किया कि भारत ने कभी भी अमेरिका के साथ मध्यस्थता की बात नहीं की, क्योंकि भारत पाकिस्तान के साथ अपने द्विपक्षीय मुद्दों में किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को कभी स्वीकार नहीं करेगा। भारत में इस मुद्दे पर पूरी राजनीतिक सहमति है। मोदी ने ट्रंप को बताया कि सैन्य कार्रवाई को रोकने की सारी बातचीत भारत और पाकिस्तान के स्थापित सैन्य चैनलों के जरिए हुई, जिसमें कोई तीसरा देश शामिल नहीं था और न ही कोई व्यापार सौदा इसका हिस्सा था। मोदी ने ये भी दोहराया कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है और भारत अब किसी भी आतंकी हमले को युद्ध की कार्रवाई मानेगा। ये बयान भारत की स्पष्ट और अटल नीति को दर्शाता है। एक साहसिक और रणनीतिक कदम उठाते हुए, पीएम मोदी ने ट्रंप के अमेरिका में स्टॉप ओवर मीटिंग के न्यौते को विनम्रता से ठुकरा दिया। ट्रंप ने मोदी को कनाडा से भारत लौटते वक्त अमेरिका में रुक कर मुलाकात करने का न्यौता दिया था, लेकिन मोदी ने कहा कि उनके पास पहले से तय कार्यक्रम और जिम्मेदारियां हैं, इसलिए स्टॉप ओवर संभव नहीं है। ये विनम्र इनकार एक ताकतवर संदेश देता है।बिना कुछ कहे मोदी ने अमेरिका को बता दिया कि भारत अब कोई छोटा देश नहीं है, जिसके नेता बड़े देशों के बुलावे पर दौड़ पड़ें। ये इनकार भारत की प्राथमिकताओं और आज की दुनिया में उसकी ताकत और आत्मसम्मान को दिखाता है। ये कदम भारत की बढ़ती वैश्विक हैसियत का प्रतीक है। ट्रंप के स्टॉप ओवर न्यौते का समय बहुत अहम है। अभी पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर अमेरिका में हैं। वो 15 जून से 5 दिन के दौरे पर हैं और ट्रंप से मुलाकात की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में ट्रंप का मोदी को स्टॉप ओवर के लिए बुलाना शायद इस कोशिश का हिस्सा था कि वो मोदी और मुनीर को एक साथ एक कमरे में या एक मेज पर लाकर अपनी शांति स्थापक वाली छवि को और चमकाएं। ट्रंप पहले भी दावा कर चुके हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु युद्ध रोका। उनकी बयानबाजी और आत्म प्रचार को देखते हुए, ये सोचना गलत नहीं कि वो मोदी और मुनीर की तस्वीरों का इस्तेमाल करके अपने शांति स्थापक दावे को और बढ़ा-चढ़ाकर पेश करते।लेकिन मोदी ने स्टॉप ओवर का ऑफर ठुकरा कर ट्रंप की इस पीआर चाल को पूरी तरह नाकाम कर दिया। साथ ही मुनीर को भी बता दिया कि भारत उनकी तरह के नेताओं के साथ बेकार की नौटंकी में वक्त नहीं गंवाएगा। यह कदम ट्रंप और मुनीर दोनों को भारत की चतुराई और दृढ़ता का आईना दिखाता है। पीएम मोदी ने इस साल के अंत में संभावित क्वाड शिखर सम्मेलन के लिए ट्रंप को भारत आने का निमंत्रण दिया, जिसे ट्रंप ने स्वीकार कर लिया।विक्रम मिस्री ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी ने बातचीत के दौरान इजराइल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष पर दोनों नेताओं ने सहमति जताई कि दोनों पक्षों के बीच जल्द से जल्द शांति के लिए सीधी बातचीत जरूरी है। इस दिशा में प्रयास जारी रहने चाहिए। हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर ट्रंप और मोदी ने अपने विचार साझा किए और क्षेत्र में क्वाड की महत्वपूर्ण भूमिका के लिए समर्थन व्यक्त किया। मिस्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को अगली क्वाड बैठक के लिए भारत आने का निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने निमंत्रण स्वीकार कर लिया और कहा है कि वह भारत आने के लिए उत्सुक हैं।

### मोदी क्रोएशिया ...

जैसे वैश्विक संदर्भ में प्रमुख मुद्दों पर सार्थक चर्चा की। उन्होंने कई नेताओं से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की।क्रोएशिया में भारत के राजदूत अरुण गोयल ने कहा, अगर हम भारत और क्रोएशिया के बीच वर्तमान व्यापार संख्या को देखें, हालांकि यह साल दर साल बढ़ रहा है, आज की तारीख में क्रोएशियाई निर्यात 27 बिलियन डॉलर है और वे भारत को केवल 70 मिलियन डॉलर का निर्यात कर रहे हैं जो कि 0.26 प्रतिशत है। क्रोएशिया 47 बिलियन डॉलर के सामान और सेवाओं का आयात कर रहा है और वे भारत से केवल 380 मिलियन डॉलर का आयात कर रहे हैं जो कि 0.67 प्रतिशत है। भारत और क्रोएशिया के बीच दोनों दिशाओं में व्यापार में वृद्धि की गुंजाइश बहुत अधिक है। वर्तमान में भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और बहुत जल्द तीसरी बन जाएगी। यह यात्रा हमें एक ऐसा साझेदार खोजने में मदद करेगी, जिसके माध्यम से हम यूरोपीय संघ के साथ अधिक संतुलित और अनुकूल एफटीए प्राप्त कर सकेंगे।क्रोएशिया में भारत के राजदूत अरुण गोयल ने ऑपरेशन सिंदूर के बारे में कहा, क्रोएशिया ने खुद आतंकवाद, कट्टरवाद और उग्रवाद का अनुभव किया है। जब पहलगाम की घटना हुई, तो क्रोएशिया के लोग स्तब्ध रह गए। मुझे अपने निजी फोन पर कई क्रोएशियाई लोगों के संदेश मिले। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत की संतुलित और संयमित प्रतिक्रिया की सभी क्रोएशियाई लोगों ने सराहना की। अगर आप सड़क पर किसी से भी बात करेंगे, तो आप पाएंगे कि क्रोएशियाई लोग भारत के दृष्टिकोण का समर्थन कर रहे हैं। वे पूरी तरह से भारत के साथ हैं।उधर, प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की फोन पर हुई बेबाक वार्ता का संदर्भ रखते हुए भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा, आज प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच जो लंबी बातचीत हुई, उसमें कई बातें सामने निकलकर आई हैं। कांग्रेस पार्टी जी-7 सम्मेलन और जाति जनगणना पर झूठ फैला रही थी। इसी कांग्रेस ने भारतीय सेना के विरोध में कई झूठ फैलाए थे। कांग्रेस ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के कहने पर भारत ने संघर्ष विराम किया था लेकिन इनके सांसद सलमान खुर्शीद, शशि थरूर और मनीष तिवारी ने भी कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने साफ शब्दों में कहा है कि भारत किसी अन्य देश की मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात की और साफ किया कि ऑपरेशन सिंदूर को पाकिस्तान के अनुरोध के बाद रोका गया था। इसमें अमेरिका की मध्यस्थता या व्यापार सौदे की पेशकश जैसी कोई वजह नहीं थी।

### ऊर्जा सुरक्षा के...

पीएम मोदी ने कहा कि तकनीक-आधारित दुनिया में सतत विकास के लिए देशों को मिलकर काम करना होगा और इसके लिए लोगों को प्रगति के केंद्र में रखना होगा। प्रधानमंत्री ने दुनिया के सामने भारत की हरित और टिकाऊ भविष्य की प्रतिबद्धता को लेकर बताया कि भारत ने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, आपदा-रोधी बुनियादी ढांचा गठबंधन, वैश्विक जैव ईंधन, मिशन लाइफ, वन सन-वन वर्ल्ड-वन ग्रिड जैसी कई वैश्विक पहल शुरू की हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इन पहलों को और मजबूत करने की अपील की।

### 3000 के वार्षिक...

यह देशभर के राष्ट्रीय राजमार्गों पर निर्बाध यात्रा को संभव बनाएगा। गडकरी ने कहा, वार्षिक पास को सक्रिय करने, नवीनीकरण के लिए जल्द ही राजमार्ग यात्रा एप और एनएचएआई या मॉर्थ की वेबसाइट पर एक अलग लिंक उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे प्रक्रिया सरल और सुगम होगी।गडकरी ने कहा, यह नीति 60 किलोमीटर के दायरे में स्थित टोल प्लाजाओं को लेकर लंबे समय से चली आ रही दिक्कतों का समाधान करेगी और एक ही सुलभ लेनदेन के माध्यम से टोल भुगतान को सहज बनाएगी। प्रतीक्षा समय घटाकर, भीड़ कम कर और टोल प्लाजाओं पर विवाद को समाप्त कर, वार्षिक पास नीति लाखों निजी वाहन चालकों के लिए तेज, सुगम और बेहतर यात्रा अनुभव के लिए प्रतिबद्ध है।

### 2000 करोड़ के...

एक रिपोर्ट में लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी) की ओर से दिल्ली सरकार के स्कूलों में 2,400 से अधिक कक्षाओं के निर्माण में घोर अनियमितताओं को उजागर किया।सतर्कता आयोग ने भ्रष्टाचार की शिकायत के बाद जांच में पाया कि दिल्ली सरकार ने बिना निविदा के ही प्रोजेक्ट को 500 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी मंजूर कर दी थी। यही नहीं बेहतर सुविधाओं के नाम पर कंस्ट्रक्शन कॉस्ट 90 प्रतिशत तक बढ़ाई गई। हालांकि काम घटिया दर्जे का हुआ। जीएफआर, सीपीडब्लूडी वर्क्स मैनुअल का जमकर उल्लंघन किया गया। जांच में यह भी पता चला कि 193 स्कूलों में 160 शौचालय बनाए जाने थे, लेकिन 37 करोड़ रुपए अधिक खर्च कर 1214 शौचालय बनाए गए। दिल्ली सरकार ने इन शौचालयों को कक्षा बताया और 141 स्कूलों में सिर्फ 4027 कक्षाएं ही बनाईं।आम आदमी पार्टी सरकार ने इस मामले को ढाई साल तक दबाया। सीवीसी ने 17 फरवरी 2020 की रिपोर्ट में भ्रष्टाचार उजागर किया था और रिपोर्ट पर सतर्कता निदेशालय से जवाब मांगा। लेकिन आम आदमी पार्टी सरकार ने ढाई साल तक इस मामले को आगे नहीं बढ़ाया। इसके बाद अगस्त 2022 में दिल्ली के एलजी ने मुख्य सचिव को निर्देश देकर देरी की जांच करके रिपोर्ट देने कहा।

## गुरुवार को गुड़ और चने से करें ये पांच टोटके

# भगवान विष्णु दूर करेंगे आपका तनाव, बन जाएंगे बिगड़े काम

गुड़ और चने की दाल पीली प्रकृति की वस्तुएं हैं जो बृहस्पति ग्रह की शुभता को दर्शाती हैं। साथ ही गुरुवार को इनका खास महत्व होता है। दरअसल गुरुवार का दिन भगवान विष्णु को समर्पित होता है और पीतांबरधारी होने की वजह से उनको पीला रंग सबसे प्रिय है। भगवान विष्णु को प्रसन्न करने के लिए पीले रंग के वस्त्र पहनकर पूजा की जाती है।

पीली मिष्ठान और पीले फलों का भोग लगाया जाता है। उनकी पूजा में पीले फूल अर्पित किए जाते हैं। इसी क्रम में आज हम आपको बता रहे हैं गुड़ और चने के कुछ ज्योतिषीय उपाय। जिनको करने से भगवान विष्णु भी आपसे प्रसन्न होंगे और आपके जीवन से हर तरह का तनाव दूर होगा। ये सभी आपको गुरुवार की सुबह स्नान करने के बाद करने चाहिए। संभव हो तो इन उपायों को करने के बाद ही अन्न या जल ग्रहण करें।

### गाय को गुड़-चना खिलाएं

गुरुवार सुबह स्नान के बाद शुद्धता के साथ थोड़े से उबले हुए बिना नमक वाले चने और गुड़ मिलाकर किसी गौशाला में गौ माता को अर्पित करें। यदि संभव हो तो इस दौरान ॐ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें। यह टोटका विशेष रूप से पितृ दोष, बृहस्पति ग्रह की पीड़ा और घर के क्लेश को शांत करता है। साथ ही यह कर्मों की शुद्धि करके मानसिक तनाव और पारिवारिक असंतुलन को दूर करता है।

### ब्राह्मण या जरूरतमंद को गुड़ और चने की दाल का दान

गुरुवार को पीले वस्त्र पहनकर, श्रद्धा के साथ किसी गरीब ब्राह्मण, पुजारी या जरूरतमंद को गुड़ और चने की दाल दान करें। हो सके तो साथ में पीला फल जैसे केला या आम भी दें। इससे धन की रुकावटें, वैवाहिक जीवन की समस्याएं, और बृहस्पति की प्रतिकूल दशा से मुक्ति मिलती है। यह टोटका भाग्य को जाग्रत करता है और जीवन में स्थिरता लाता है।

### तुलसी के पास दीपक जलाकर रखें गुड़-चना

गुरुवार की संध्या के समय तुलसी के पौधे के पास शुद्ध देसी घी का दीपक जलाएं। साथ ही एक छोटी सी कटोरी में गुड़ और चने की दाल तुलसी माता को अर्पित करें। इस क्रिया के दौरान ॐ बृं बृहस्पतये नमः मंत्र का जप करें। इससे आपके घर की नकारात्मक ऊर्जा, मानसिक उद्विग्नता, और घर की अशांति कम होती है। तुलसी माता और बृहस्पति दोनों की कृपा से मन शांत और विचार निर्मल होते हैं।

### गुड़-चना पेस्ट से तिलक

थोड़े से गुड़ और भुने हुए चने की दाल को मिलाकर उसका एक पेस्ट बनाएं। स्नान के बाद इस पेस्ट से हल्का तिलक अपने मस्तक पर लगाएं। आप इसे गुरुवार को नियमित रूप से कर सकते हैं। यह तिलक मस्तिष्क की ऊर्जा को संतुलित करता है, आत्म-संदेह को कम करता है और आत्मबल, निर्णय क्षमता तथा मनोबल को बढ़ाता है। खासतौर पर छात्रों और नौकरीपेशा लोगों के लिए यह टोटका अत्यंत लाभकारी है।

### भगवान विष्णु को अर्पित करें गुड़-चना

गुरुवार के दिन भगवान विष्णु को पीले फूल, केसर, हल्दी, गुड़ और चने की दाल अर्पित करें। दीपक जलाकर ॐ नारायणाय नमः या ॐ बृं बृहस्पतये नमः का जप करें। यदि घर में श्रीहरि की प्रतिमा है तो उन्हें पीला वस्त्र भी अर्पित करें। यह टोटका भाग्य की बाधाओं को हटाता है, विवाह योग्य कन्याओं के लिए शुभ योग बनाता है, और जीवन में धन, सुख-शांति और शुभ समाचार का मार्ग खोलता है।

# चातुर्मास 6 जुलाई को आरंभ होगा, इन चार महीनों में क्यों नहीं होता कोई भी शुभ कार्य

चातुर्मास आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी से होता है। आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी यानी कि देवशयनी एकादशी 6 जुलाई को है। इसी दिन से चातुर्मास आरंभ होगा और कार्तिक मास की देवउठानी एकादशी पर खत्म होता है। ऐसी मान्यता है कि इन 4 महीनों के लिए भगवान विष्णु के साथ समस्त देवतागण योग निद्रा में चले जाते हैं और इन चार महीनों में सृष्टि का संचलान भगवान शिव के हाथों में आ जाता है। यही वजह है कि सावन में भगवान शिव की पूजा बड़े धूमधाम से की जाती है। वर्ष 2025 में चातुर्मास 6 जुलाई से शुरू होगा और 1 नवंबर को समाप्त होगा।

### चातुर्मास का अर्थ

चातुर्मास का मतलब है चार महीने। इसमें श्रावण, भाद्रपद, अश्विन और कार्तिक के महीने आते हैं। इस दौरान भगवान विष्णु क्षीर सागर में योग निद्रा में रहते हैं। इसलिए, शादी, गृह प्रवेश जैसे शुभ काम नहीं होते हैं। चातुर्मास हर साल आषाढ़ महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी को शुरू होता है और कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी को खत्म होता है। 2025 में चातुर्मास 6 जुलाई से शुरू होकर 1 नवंबर को खत्म होगा। इस दौरान कई शुभ योग भी बनेंगे। चातुर्मास में भगवान विष्णु, देवी लक्ष्मी, भगवान शिव और देवी पार्वती की पूजा करना बहुत अच्छा माना जाता है। यह समय आत्म-चिंतन, अनुशासन और भक्ति के लिए होता है। इन चार महीनों में घर में कथा करवाना और भागवत कथा सुनना बहुत ही शुभ माना जाता है।

### चातुर्मास में बनेंगे ये शुभ योग

चातुर्मास 2025 में कुछ खास योग बन रहे हैं, जैसे कि सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग। मिथुन राशि में सूर्य, बुध, गुरु और चंद्रमा मिलकर एक चतुर्ग्रही योग बनाएंगे। शास्त्रों में लिखा है कि इन योगों में भगवान विष्णु, देवी लक्ष्मी, भगवान शिव और देवी पार्वती की पूजा करने से बहुत फायदा होता है। हिंदू धर्म में भगवान विष्णु को दुनिया का पालनहार माना जाता है। शुभ कामों में उनकी और देवी लक्ष्मी के आशीर्वाद की जरूरत होती है। लेकिन चातुर्मास में ये सभी देवता योग निद्रा में होते हैं, इसलिए इस अवधि को आध्यात्मिक रूप से निष्क्रिय माना जाता है। यही वजह है कि इन महीनों में शुभ काम नहीं किए जाते हैं, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि उनसे पूर्ण लाभ और पुण्य आपको नहीं मिलता है।

### चातुर्मास के नियम

चातुर्मास में विवाह, मुंडन और गृह प्रवेश जैसे शुभ काम नहीं होते हैं। इस दौरान बाल और दाढ़ी कटवाने की भी मनाही होती है। यह भी माना जाता है कि चातुर्मास में लंबी यात्रा पर नहीं जाना चाहिए। इसलिए, चातुर्मास में शुभ कार्यों से बचने और यात्रा न करने की सलाह दी जाती है।

चातुर्मास में सात्विक भोजन करना अच्छा माना जाता है। इस दौरान मांस, मछली, अंडे, प्याज और लहसुन जैसे भोजन से बचना चाहिए। यह स्वास्थ्य और धर्म दोनों के लिए बेहतर है।

चातुर्मास में शराब और नशे से दूर रहें, बुरे शब्द न बोलें, झूठ न बोलें और बेकार की बातें न करें। ऐसा करने से भगवान विष्णु नाराज हो सकते हैं। इस दौरान जानवरों को न सताएं और हिंसा न करें और दूसरों की मदद करने की कोशिश करें।

चातुर्मास में धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन और धार्मिक कार्यों में समय बिताना भगवान विष्णु को प्रसन्न करता है। इससे जीवन में सुख और समृद्धि आती है।

यह भी माना जाता है कि चातुर्मास में जमीन पर सोना और ज्यादातर समय चुप रहना फायदेमंद होता है।

# जगन्नाथ पुरी मंदिर के निर्मला महाप्रसाद का रहस्य, जिसे केवल मृत्यु के करीब खड़े व्यक्ति को खाने की है अनुमति

पौराणिक मान्यता है कि प्रसाद का वितरण ही नहीं बल्कि प्रसाद को ग्रहण करने से भी अनजाने में की गई गलतियां माफ होती हैं और भगवान हमें गलतियों को सुधारने का मौका देते हैं। भारत के कुछ मंदिर तो ऐसे हैं, जहां के प्रसाद की विशेष मान्यता है। ऐसा ही मंदिर है पुरी में स्थित भगवान जगन्नाथ का मंदिर। जगन्नाथ मंदिर के महाप्रसाद की मान्यता भारत में ही नहीं बल्कि विदेश के लिए भी यहां का दिव्य प्रसाद चर्चा का विषय है। विशेषकर मृत्यु के समीप खड़े यानी मरणासन्न व्यक्ति के लिए विशेष प्रकार का महाप्रसाद बनाया जाता है। यहां तीन तरह के प्रसाद बनाए जाते हैं।

### जगन्नाथ पुरी मंदिर के प्रसाद को क्यों कहा जाता है महाप्रसाद

जगन्नाथ पुरी मंदिर में भगवान को अर्पित किए जाने वाले भोग को 'महाप्रसाद' कहा जाता है। यह महाप्रसाद इसलिए विशेष है क्योंकि मान्यता है कि इसे देवी लक्ष्मी की अनुमति से बनाया जाता है। असल में देवी लक्ष्मी किसी न किसी संकेत द्वारा पुजारियों को प्रसाद की स्वीकृति देती हैं। इस कारण से देवीय अंश होने की वजह से जगन्नाथ पुरी मंदिर का प्रसाद विशेष महत्व रखता है।

### महाप्रसाद बनाते समय नहीं आती कोई सुंगध

प्रसाद बनाते समय कोई सुंगध नहीं आती, लेकिन मंदिर से बाहर आते ही इसमें सुगंध आने लगती है। पहले इसे बिमला देवी को चढ़ाया जाता है, फिर जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा को महाप्रसाद का भोग लगाया जाता है। इसके बाद यह भक्तों को वितरित कर दिया जाता है। महाप्रसाद को वितरित करते समय पुजारी विशेष रूप से ध्यान देते हैं कि प्रसाद का एक भी कण भूमि पर न गिरे।

### जगन्नाथ पुरी मंदिर के परिसर में ही खा सकते हैं संकुदी महाप्रसाद

जगन्नाथ पुरी मंदिर में मिलने वाला संकुदी महाप्रसाद एक विशेष प्रसाद है। यह मंदिर के अंदर ही मिलता है। भक्त इसे वहीं ग्रहण करते हैं। इसे घर नहीं ले जा सकते। इस प्रसाद में चावल, दाल, सब्जियां और दलिया जैसे कई भोग शामिल होते हैं।

### सुखिला महाप्रसाद को घर ले जा सकते हैं

जगन्नाथ मंदिर में मिलने वाला दूसरा महाप्रसाद है सुखिला महाप्रसाद। यह एक विशेष प्रकार का प्रसाद है। यह सूखा होता है। भक्त इसे आसानी से घर ले जा सकते हैं। वे इसे परिवार और रिश्तेदारों में बांटते हैं। इसमें खस्ता, लड्डू और अन्य सूखी मिठाइयां शामिल होती हैं।

### मृत्यु के समीप खड़े व्यक्ति के लिए बनाया जाता है निर्मला प्रसाद

जगन्नाथ मंदिर में एक खास प्रसाद बनता है, जिसका नाम है निर्मला प्रसाद। यह प्रसाद सूखे चावल से बनता है और इसे कोइली वैकुंठ में बनाते हैं। यह जगह मंदिर के पास ही है। यह वह स्थान है, जहां पर भगवान जगन्नाथ की पुरानी प्रतिमाओं को दफनाया जाता है। इससे प्रसाद का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह प्रसाद आम लोगों के लिए नहीं है। इसे खास तौर पर उन लोगों के लिए बनाते हैं जो मरणासन्न है या किसी लाइलाज रोग से ग्रस्त है। माना जाता है कि इसे खाने से सारे पाप धुल जाते हैं और मोक्ष मिलता है। साथ ही मृत्यु का भय, चिंता जैसे नकारात्मक भाव भी दूर हो जाते हैं।

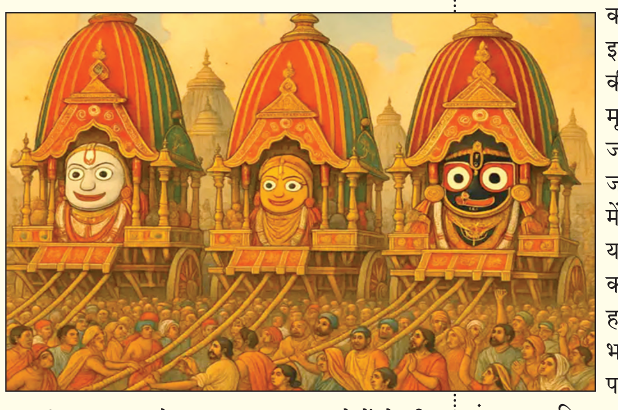

# क्या भगवान जगन्नाथ की मूर्तियों में आज भी धड़कता है श्रीकृष्ण का दिल?

भगवान जगन्नाथ का पुरी, उड़ीसा में स्थित मंदिर अपने आप में किसी चमत्कार से कम नहीं है। मंदिर का इतिहास, यहां की मूर्तियां और मंदिर का ध्वज और भगवान का हर साल 15 दिनों के लिए बीमार हो जाना। जी हां एक से बढ़कर एक चमत्कार हैं। इस मंदिर को लेकर तमाम रहस्य और कहानियां जुड़ी हैं। इन्हीं में से एक है यहां की चमत्कारिक मूर्तियां। ऐसा माना जाता है कि भगवान जगन्नाथ की इन मूर्तियों में आज भी वासुदेव यानी कि भगवान कृष्ण का दिल धड़कता है। हजारों साल पहले भगवान कृष्ण शरीर का परित्याग कर चुके थे, परंतु उनका दिल आज भी सुरक्षित है और जगन्नाथजी की मूर्तियों में धड़क रहा है।

### राजा इंद्रद्युम्न को आया सपना

जगन्नाथ मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण अपने भाई-बहन के साथ विराजमान हैं। यह बात मत्स्य पुराण में लिखी है। अन्य मंदिरों में मूर्तियां धातु या पत्थर की बनी होती हैं। लेकिन जगन्नाथ मंदिर में मूर्तियां नीम की लकड़ियों से बनी हैं। माना जाता है कि राजा इंद्रद्युम्न को सपने में श्रीकृष्ण ने नीम की लकड़ी से मूर्तियां बनाने का आदेश दिया था। इसलिए राजा ने यह मंदिर बनवाया।

### भगवान कृष्ण का दिल

पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण ने जब अपना शरीर छोड़ा, तो उनका अंतिम संस्कार किया गया। माना जाता है कि उनके शरीर के बाकी हिस्से तो पंचतत्वों में मिल गए, लेकिन, उनका दिल आज भी सुरक्षित है। यह भी माना जाता है कि उनका दिल भगवान जगन्नाथ की मूर्ति में है और आज भी धड़कता है।

### हर 12 साल पर बदली जाती हैं मूर्तियां

जगन्नाथ मंदिर में हर 12 साल में मूर्तियां बदल दी जाती हैं। यह मूर्तियां भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की होती हैं। मूर्ति बदलते समय, पुरानी मूर्ति से 'ब्रह्म पदार्थ' निकालकर नई मूर्ति में डालते हैं। इस ब्रह्म पदार्थ को भगवान श्रीकृष्ण का हृदय माना जाता है। यहां के पुजारियों का कहना है कि इसे बदलते समय उन्हें कुछ उछलता हुआ महसूस होता है। किसी ने उसे कभी नहीं देखा। लेकिन छूने पर वह उछलते हुए खरगोश जैसा महसूस होता है। यह एक अनोखा अनुभव है। माना जाता है कि इस पदार्थ को देखने वाली की आंखें चली जाती हैं। उसकी मृत्यु भी हो सकती है, इसलिए पुजारी आंखों पर पट्टी बांधकर यह काम करते हैं।

### मूर्तियों की आंखें बड़ी क्यों हैं

भगवान जगन्नाथ की बडी-बड़ी आंखों से जुड़ी कई कहानियां हैं। एक कहानी के अनुसार, राजा इंद्रद्युम्न के राज्य में भगवान जगन्नाथ के आने पर लोग उनकी सुंदरता देखकर हैरान रह गए। उनकी आंखें आश्चर्य से फैल गईं। भगवान जगन्नाथ ने उनकी भक्ति देखकर अपनी आंखें भी बड़ी कर लीं। यही कारण हैं कि मूतियों की आंखें भी काफी बड़ी-बड़ी हैं।(मंदिर के सिंह द्वार का रहस्य जगन्नाथ मंदिर के सिंहद्वार से जुड़ा एक रहस्य बहुत ही अचंभित कर देने वाला है। यह रहस्य मंदिर के बाहर समुद्र की लहरों की आवाज से संबंधित है। लोगों का मानना है कि मंदिर के बाहर लहरों की तेज आवाज सुनाई देती है, लेकिन मंदिर के अंदर प्रवेश करते ही यह आवाज गायब हो जाती है।

# बुध की वक्री मार्गी चाल, 70 दिनों तक बनाएगा इन राशियों को मालामाल

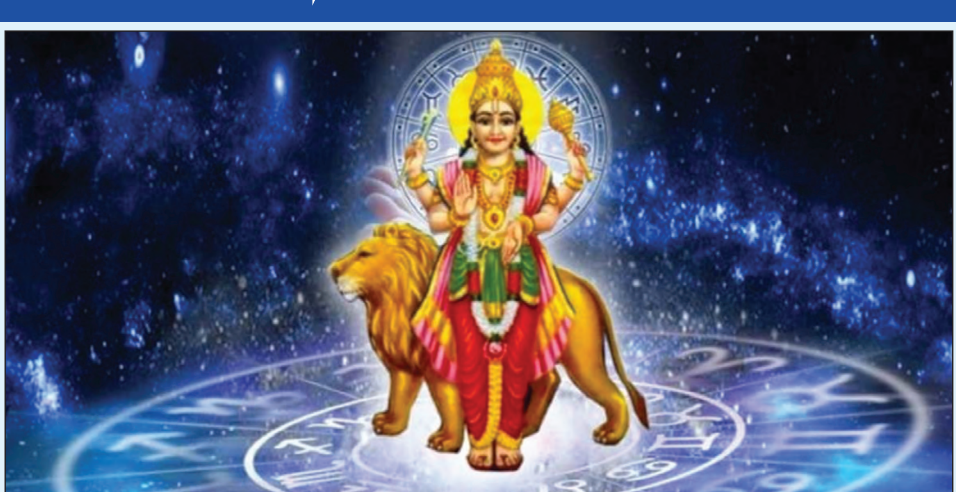

बुध गोचर 22 जून को कर्क राशि में होगा और 18 जुलाई को कर्क राशि में ही बुध वक्री रहेंगे। इसके बाद, 11 अगस्त को मार्गी होंगे और 30 अगस्त को बुध का राशि परिवर्तन होगा। बुध ग्रह को बुद्धि, वाणी, व्यापार और संवाद का कारक माना जाता है जो वक्री मार्गी चाल चलने वाले हैं। बुध 22 जून, रविवार के दिन कर्क राशि में रात के समय 9 बजकर 32 मिनट पर प्रवेश करेंगे। इस बार का गोचर बहुत खास माना जा रहा है, क्योंकि बुध लंबे समय तक कर्क राशि में विराजमान रहने वाले हैं। 30 अगस्त तक कर्क राशि में रहने के बाद बुध शाम को 4 बजकर 41 मिनट पर सिंह राशि में जाएंगे। इन 70 दिनों के बीच यानी 22 जून से 30 अगस्त तक बुध कर्क राशि में रहते हुए मिथुन सहित कई राशियों का चौतरफा लाभ प्रदान करेंगे। इन राशियों के व्यापार और धन में वृद्धि होगी और बंद किस्मत भी खुल सकती है।

### मिथुन राशि पर प्रभाव : पाएंगे चौतरफा लाभ

कर्क राशि में गोचर करने के बाद बुध मिथुन राशि वालों के दूसरे भाव में मौजूद रहेगा। इसमें बुध के गोचर को अनुकूल माना जाता है। ऐसे में इस राशि के लोगों को कई अपने जीवन में कई सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं और धन संबंधी मामलों में भी लाभ प्राप्त होगा। आपके घर-परिवार में भी शांतिपूर्ण और खुशनुमा माहौल बना रहेगा। साथ ही, जीवन में खुशहाली आएगी। आप इस अवधि के दौरान वस्त्र और आभूषण भी खरीद सकते हैं। साथ ही, वस्त्र खरीदकर आप घर के लोगों को उपहार के तौर पर भी दे सकते हैं। विद्यार्थियों को भी इस अवधि के दौरान सकारात्मक परिणाम हासिल होंगे और आपके बातचीत करने का तरीका भी प्रभावशाली होगा। कर्क राशि में बुध के रहने से रिश्तेदारों से आपके संबंध पहले से ज्यादा मजबूत होंगे। आपको इस दौरान व्यापार में भी लाभ कमाने के कई मौके प्राप्त हो सकते हैं।

### कन्या राशि पर प्रभाव : आय में होगी वृद्धि

इस राशि के जातकों के ग्यारहवें भाव में बुध स्थित होंगे। इससे आपके लिए बुध की वक्री मार्गी चाल बहुत ज्यादा लाभकारी रहने वाली है। इससे आपको करियर में सफलता के कई सुनहरे मौके मिल सकते हैं और नौकरी करने वालों को भी लाभ प्राप्त होगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा और आपकी वाणी भी मधुर रहेगी। बुध के कर्क राशि में रहने से कन्या राशि के जातकों की आय में भी वृद्धि होगी, जिससे घर-परिवार में खुशियां दस्तक देने लगेंगी। अगर प्रॉपर्टी या रियल एस्टेट जुड़े हुए हैं, तो सकारात्मक परिणाम हासिल हो सकते हैं। इस अवधि के दौरान भाई-बहनों के साथ रिश्ते मधुर और मजबूत होंगे। आप कारोबार में जो भी प्रयास करेंगे उनमें भी सफलता जरूर हासिल होगी। संतान से संबंधित मामलों में भी अनुकूल परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

### तुला राशि पर प्रभाव : करियर में पाएंगे सफलता

बुध के कर्क राशि में जाने से ये आपके दसवें भाव में स्थित रहेंगे। इसे करियर का भाव भी कहा जाता है। ऐसे में बुध की वक्री और मार्गी चाल आपके लिए लाभदायी रहने वाली है। करियर के मामले में आपको बड़े और सुनहरे लाभ प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी करने वालों की कार्यस्थल पर पदोन्नति हो सकती या कोई नया पद प्राप्त हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आप अन्य लोगों से ज्यादा अच्छा प्रदर्शन करेंगे, जिससे मान-सम्मान और आत्मविश्वास में भी वृद्धि होगी। व्यापार से जुड़े लोगों को भी इस बार बड़ा लाभ मिलने की संभावना है, जिससे आपके मन में खुशी की लहर दौड़ उठेगी। विदेश से जुड़े मामलों में भी आपको सकारात्मक परिणाम हासिल होंगे और सेहत भी अच्छी बनी रहेगी।

### धनु राशि पर प्रभाव : मेहनत से पाएंगे बड़ी सफलता

इस राशि के जातकों के आठवें भाव में बुध मौजूद रहेंगे। इससे आपको कई मामलों में अनुकूल परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। इस अवधि के दौरान कार्यक्षेत्र पर मेहनत का लाभ जरूर मिलेगा और आप बड़ी सफलता हासिल कर सकते हैं। लेकिन जीवनसाथी के स्वास्थ्य में थोड़ा उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। यह परेशानी ज्यादा समय के लिए नहीं होगी। इससे बहुत जल्दी राहत मिल जाएगी। आप इस दौरान किसी भी चुनौती को आसानी से पूरा कर लेंगे और जीत हासिल करेंगे। साथ ही, हर कार्य में सफलता हासिल होने से मन प्रसन्न रहेगा और धन लाभ के योग भी बन रहे हैं। समाज में मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यह पूरी अवधि आपके लिए अच्छी रहने वाली है।

### कुंभ राशि पर प्रभाव : मिलेगा आर्थिक लाभ

बुध कुंभ राशि वालों के छठे भाव में मौजूद रहेंगे। ऐसे में बुध की वक्री मार्गी चाल आपके लिए उत्तम रहने वाली है। इस अवधि के दौरान आपको आर्थिक लाभ प्राप्त हो सकता है। अगर स्वास्थ्य से जुड़ी किसी समस्या का सामना कर रहे थे, तो उससे भी अब निजात मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में आप बाकी लोगों से अच्छा काम करेंगे, जिससे आपकी प्रसिद्धि में वृद्धि होगी। समाज में भी आपको एक अलग पहचान हासिल होगी और मान-सम्मान भी बढ़ेगा। जो लोग लेखक या रचनात्मक क्षेत्र में काम करते हैं उनके लिए यह समय अत्यंत फलदायी रहने वाला है। आपको हर क्षेत्र में अच्छे परिणाम और अवसर प्राप्त होंगे।

# लाइव परफॉर्मेंस चुनौतीपूर्ण लेकिन मजेदार होती है : जोनिता गांधी

प्लेबैक सिंगर जोनिता गांधी हाल ही में रिलीज हुए नए गाने 'बेपरवाई' की सफलता का आनंद ले रही हैं। उन्होंने लाइव ऑडियंस के सामने परफॉर्म करने के अनुभव के बारे में बात की है। जोनिता गांधी ने आईएएनएस को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि लाइव परफॉर्मेंस करते समय उन्हें हमेशा सतर्क रहना पड़ता है, क्योंकि स्टेज पर गाते वक्त एक साथ बहुत सी चीजें होती हैं, जिन पर ध्यान देना पड़ता है।

जोनिता गांधी ने कहा, ''लाइव गाना गाते वक्त बहुत ध्यान और तैयारी की जरूरत होती है, क्योंकि आपको सिर्फ एक ही मौका मिलता है। स्टेज पर जब आप गाना गाते हैं, तो उसी समय सबकुछ सही करना होता है, इसके लिए कोई दूसरा मौका नहीं मिलता। वहीं, स्टूडियो में गाना रिकॉर्ड करते वक्त आप बार-बार रीटेक ले सकते हैं। अगर कुछ गलती हो जाए या कुछ अच्छा न लगे, तो उसमें सुधार सकते हैं और दोबारा गा सकते हैं। लेकिन, लाइव परफॉर्मेंस में ऐसा नहीं होता, आपको एक ही बार में सबकुछ सही करना होता है और यही बात इस काम को मजेदार और चुनौतीपूर्ण बनाती है।''

लाइव परफॉर्मेंस में कई तरह की चुनौतियां होती हैं। सिर्फ गाना ही नहीं, कलाकार को और भी कई चीजों का ध्यान रखना पड़ता है। उन्हें खास तरह से दिखना होता है और स्टेज प्रोडक्शन का भी ध्यान रखना पड़ता है। यह सब एक साथ करना मुश्किल होता है। इन सबसे कलाकार कैसे निपटते हैं?

इस सवाल के जवाब में जोनिता ने आईएएनएस से कहा, ''जब आप लाइव परफॉर्म करते हैं, तो सिर्फ गाना नहीं होता, साथ में बहुत सारी चीजें होती हैं, जैसे लाइटिंग, कोरियोग्राफी, आउटफिट, चेहरे के एक्सप्रेशन, इन सबका ध्यान रखना होता है। जबकि, स्टूडियो में गाते समय, इन चीजों की जरूरत नहीं होती। वहां आप बस गाना गाते हैं या कुछ नया बनाते हैं। लेकिन, स्टेज पर ये सारी चीजें नहीं होती हैं, इन सब चीजों को एक बोझ की तरह नहीं, बल्कि एक मौका मानना चाहिए। इनका सही इस्तेमाल करके आप अपनी परफॉर्मेंस का एक शानदार अनुभव बना सकते हैं। इससे ऑडियंस ज्यादा जुड़ाव महसूस करती है।''

## शनाया कपूर ने फिल्म आंखों की गुस्ताखियां के दिनों को किया याद

अभिनेत्री शनाया कपूर इन दिनों अपकमिंग फिल्म आंखों की गुस्ताखियां को लेकर चर्चाओं में हैं। अभिनेत्री अपनी फिल्म के रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं, जिसके चलते उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर शूटिंग के दिनों की यादों को ताजा किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी आगामी फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियों' के दिनों की कई फोटोज और वीडियो को कोलाज के रूप में शेयर किया, जिसमें उन्होंने कैप्शन दिया है, 'मेमोरी आंखों की गुस्ताखियां।

वीडियो में अभिनेत्री आंखों पर काले रंग की पट्टी लगाए क्रिकेट खेलती और तरह-तरह के पोज देती नजर आ रही हैं। फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियों' संतोष सिंह द्वारा निर्देशित है और इसमें शनाया कपूर के साथ विक्रांत मैसी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म मानसी और वरुण बागला द्वारा निर्मित है और संगीत विशाल मिश्रा ने दिया है।

फिल्म का टीजर रिलीज हो चुका है, जिसमें विक्रांत को एक दृष्टिहीन संगीतकार और शनाया कपूर को एक थिएटर कलाकार के रूप में दिखाया गया है।इससे पहले प्रोड्यूसर मानसी बागला ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' में शनाया कपूर को लॉन्च करने के अपने फैसले के बारे में खुलकर बात की थी।

उन्होंने खुलासा किया था कि वह एक ऐसी नायिका चाहती थीं, जिसमें अल्हड़पन और अनिश्चितता हो, ऐसे गुण जो केवल एक नया चेहरा ही ला सकता था। स्क्रिप्ट लिखते समय उन्हें लगा कि शनाया की स्वाभाविक प्रतिभा और उसके चेहरे के हावभाव किरदार के साथ पूरी तरह मेल खाते हैं, जिसके चलते उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के शनाया को चुन लिया।

## कपिल शो में सलमान की चुटकी
# आमिर रुकने वाले नहीं, शादी भी परफेक्ट चाहिए

बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 3' के प्रीमियर पर बतौर स्पेशल गेस्ट बनकर शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने अपनी बातों से मजाकिया माहौल बना दिया। नेटफ्लिक्स ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें नए सीजन की रिलीज डेट का ऐलान किया गया। इसके साथ ही पहले एपिसोड की एक झलक भी दिखाई गई, जिसमें सलमान खान नजर आए।

इस वीडियो के साथ नेटफ्लिक्स ने लिखा, सिकंदर के स्टाइल के साथ कपिल की टाइमिंग यानी ब्लॉकबस्टर। 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' वापस आ गया है, हर फनीवार हमारा बढ़ेगा परिवार। पहला एपिसोड 21 जून से, शाम 8 बजे, हर शनिवार सिर्फ नेटफ्लिक्स पर देखें।

मजेदार बातचीत के दौरान, होस्ट और कमीडियन कपिल शर्मा के साथ, सलमान ने हंसते-हंसते बताया कि आमिर की नई रिलेशनशिप का असली कारण क्या है। इस बात से न सिर्फ दर्शक बल्कि कपिल भी हंस-हंसकर लोटपोट हो गए। इस एपिसोड ने नए सीजन की शुरुआत हंसी-मजाक, दोस्ती और खुलकर बात करने के साथ की, जिससे यह शो फिर से मजेदार होने वाला है।

वीडियो की शुरुआत नवजोत सिंह सिद्धू से होती है, जो कहते हैं, आज से हर पल मजेदार होगा। पूरा देश हंसने को तैयार रहेगा। इसके बाद कपिल शर्मा कहते हैं, द ग्रेट इंडियन कपिल शो में आपका स्वागत है।'' फिर सलमान खान की एंट्री होती है, जो कहते हैं, जो शो पहले हमारे पास हुआ करता था, उसे नेटफ्लिक्स वालों ने ले लिया और मुझे पहला गेस्ट बना दिया। कमाल की ताकत है।

इस दौरान कृष्णा अभिषेक अपने सपना के किरदार में नजर आते हैं और सलमान से कहते हैं, टाइगर अभी भी जिंदा है। इस पर सलमान जवाब देते हैं, हां जिंदा है, लेकिन तुम्हारे लिए नहीं है। आमिर खान के बारे में बात करते हुए कपिल, सलमान से कहते हैं, आमिर भाई ने अभी-अभी अपनी गर्लफ्रेंड को फैंस से मिलवाया। वह रुकने वाले नहीं हैं, लेकिन आप तो अभी शुरू भी नहीं हुए! इस पर हंसते हुए सलमान जवाब देते हैं, आमिर तो कुछ अलग ही हैं। वो परफेक्शनिस्ट हैं, जब तक शादी को भी परफेक्ट नहीं बना लेते... इतना कहने पर ही सभी हंसने लगते हैं। वीडियो के आखिर में सलमान और कपिल एक साथ सुपरहिट फिल्म 'प्यार किया तो डरना क्या' का हिट गाना 'ओ ओ जाने जाना' गाते हुए नजर आते हैं। द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 3' का पहला एपिसोड 21 जून को नेटफ्लिक्स पर शुरू होगा।

## फिल्म इंडस्ट्री में वेतन असमानता और उम्र पर चित्रांगदा सिंह ने की बात, कहा, बदलाव में समय लगता है

बॉलीवुड अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने बात करते हुए फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े दो अहम मुद्दों पर अपनी बात खुलकर रखी, पहली वेतन असमानता और दूसरी 40 की उम्र के बाद अभिनेत्रियों के लिए बदलते अवसर। अपना नजरिया साझा करते हुए चित्रांगदा सिंह ने माना कि फिल्म इंडस्ट्री ने काफी तरक्की की है, लेकिन बदलाव होने में समय लगता है।

एक्ट्रेस ने कहा कि पहले के मुकाबले अब महिला और पुरुष कलाकारों के वेतन में जो बड़ा अंतर था, वह थोड़ा कम हुआ है।

चित्रांगदा ने कहा, धीरे-धीरे काफी कुछ बदला है, लेकिन ऐसे बदलावों में वक्त लगता है। रानी मुखर्जी, विद्या बालन, कृति सेनन और तब्बू जैसी अभिनेत्रियों ने इसे बेहतर बनाने में अपनी बड़ी भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि अब कलाकारों की फीस उस हिसाब से तय हो रही है कि कौन सा अभिनेता या अभिनेत्री ज्यादा दर्शकों को थिएटर तक खींच पाता है।

40 साल से ऊपर की महिलाओं के लिए रोल मिलने के मुद्दे पर बात करते हुए चित्रांगदा सिंह ने माना कि पहले इस उम्र की महिलाओं के लिए खास रोल नहीं लिखे जाते थे, इसलिए कुछ सीमाएं अभी भी हैं, पर हालात पहले से बेहतर हैं।

उन्होंने कहा, अब अनुभवी एक्ट्रेस के लिए भी अच्छे किरदार लिखे जा रहे हैं। उन्होंने करीना कपूर का उदाहरण देते हुए कहा, वह इस समय सबसे दिलचस्प और दमदार काम कर रही हैं।

एक्ट्रेस के अनुसार, अब काम का तरीका बदल रहा है। अलग-अलग उम्र के एक्टर्स को उनके हिसाब से नए और अलग तरह के मौके दिए जा रहे हैं। उम्र को देखकर रोल कम करने की बजाय, हर उम्र के लिए सही और खास रोल बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि किसी के लिए काम कम हो रहा है। बस, अब अलग तरह के रोल लिखे जा रहे हैं। जैसे कि कोई 20 साल की लड़की को 40 साल वाली महिला का किरदार नहीं दे सकते और 40 साल की महिला को 20 साल वाली लड़की की भूमिका नहीं दे सकते।

वर्कफ्रंट की बात करें तो चित्रांगदा सिंह हाल ही में तरुण मनसुखानी की कॉमेडी फिल्म 'हाउसफुल 5' में नजर आईं। इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, जैकलीन, रितेश देशमुख, सोनम बाजवा, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर और फरदीन खान जैसे कई मशहूर कलाकार भी हैं।यह फिल्म 6 जून को थिएटर में रिलीज हुई है।

## एक नई भाषा में काम करना मेरे लिए चुनौती थी, तमिल डेब्यू पर बोलीं मिथिला पालकर

अभिनेत्री मिथिला पालकर फिल्म ओहो एंथन बेबी के साथ तमिल फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू कर रही हैं। उन्होंने कहा कि नई भाषा में प्रदर्शन करना उनके लिए एक ऐसा चुनौती थी, जिसके बारे में उन्होंने कभी सोचा नहीं था। मिथिला ने बताया कि एक अभिनेत्री के तौर पर वह हमेशा ऐसी चीजें करने की कोशिश करती हैं, जो उन्हें कम्फर्ट जोन से बाहर ले जाए। उन्होंने कहा, यह मुझे न केवल पेशेवर रूप से बल्कि व्यक्तिगत रूप में आगे बढ़ने में मदद करती है। उन्होंने कहा कि एक नई भाषा सीखना और उसमें अभिनय करना उनके लिए एक ऐसी चुनौती थी, जिसके बारे में उन्होंने पहले कभी नहीं सोचा था।'लिटिल थिंग्स', 'कारवां' और 'चॉपस्टिक्स' के लिए मशहूर मिथिला ने कहा कि उन्हें अब तक हिंदी और मराठी में ही काम करने का मौका मिला था।

बता दें कि तमिल फिल्म 'ओहो एंथन बेबी' में मिथिला के अगेंस्ट रुद्र मुख्य भूमिका में रहेंगे। फिल्म का पहला पोस्टर मई में रिलीज किया गया था। पोस्टर में अभिनेत्री लाल रंग की ड्रेस पहने नीचे बैठे अभिनेता रुद्र द्वारा पकड़े गए कैमरे के सामने पोज देती दिखाई दे रही हैं।

कृष्णकुमार रामकुमार द्वारा निर्देशित रोमांटिक-कॉमेडी 'ओहो एंथन बेबी' में दर्शकों को प्यार और रिश्तों पर एक नया और अनोखा नजरिया देखने को मिलेगा।मिथिला ने 'ओहो एंथन बेबी' की शूटिंग पूरी करने के बारे में कहा, यह यात्रा वास्तव में मेरे लिए खास रही है, न केवल इसलिए कि यह मेरी पहली तमिल फिल्म है, बल्कि इसलिए भी कि मुझे उन अविश्वसनीय लोगों के साथ काम करने का मौका मिला।उन्होंने कहा, तमिल में लाइनें सीखना भले ही मेरे लिए एक चुनौती थी, लेकिन मैंने इसमें हर पल का भरपूर आनंद लिया। मेरे सह-कलाकार रुद्र, मेरे निर्देशक कृष्णकुमार रामकुमार और पूरी कास्ट और क्रू ने मेरा अच्छे से स्वागत किया और मुझे बिल्कुल घर जैसा महसूस कराया, भले ही मैं यह भाषा नहीं बोल पाती थी।

## अक्किनेनी नागार्जुन ने रॉकस्टार डीएसपी की पोनाकालू संगीतमय उन्माद पैदा करने की क्षमता की प्रशंसा की

दक्षिण भारत के दिग्गज अभिनेता और सुपरस्टार अक्किनेनी नागार्जुन ने हाल ही में अपनी आने वाली फिल्म कुबेरा के संगीत निर्देशक रॉकस्टार डीएसपी (देवी श्री प्रसाद) के काम की जमकर सराहना की। फिल्म के दमदार साउंडट्रैक के बारे में बात करते हुए नागार्जुन ने डीएसपी के संगीत को सुनने के अनुभव को शानदार बताया और इसे सम्मोहित कर देने वाला अनुभव बताया। जब मैंने यह गाना सुना, तो मुझे लगा कि यह वाकई शानदार है – यह आपको एक तरह की ट्रांस की अवस्था में ले जाता है। नागार्जुन ने कहा, इस बात पर ज़ोर देते हुए कि डीएसपी का संगीत साधारण सुनने के अनुभव से कहीं ऊपर है। तेलुगु सिनेमा के दिग्गज ने डीएसपी की रचना के अनूठे प्रभाव के बारे में विस्तार से बताया और कहा, तेलुगु में हम इसे पोनाकालू कहते हैं – यह आपको उस तरह के उन्माद की अवस्था में ले जाता है। कुबेर के निर्माताओं ने अब तक रॉकस्टार डीएसपी द्वारा कम्पोज किया हुआ 4 गाने रिलीज़ किए हैं, जिनमें से सभी सुपरहिट रहे हैं, जो श्रोताओं के दिलों को छूने वाली तीव्र भावनात्मक प्रतिक्रिया उत्पन्न करती है।

'पोनाकालू' शब्द का उपयोग, जो तेलुगु संस्कृति में उत्साहपूर्ण उन्माद की स्थिति को संदर्भित करता है, डीएसपी की संगीत व्यवस्था और दर्शकों की सांस्कृतिक संवेदनाओं के बीच शक्तिशाली संबंध को रेखांकित करता है। रॉकस्टार डीएसपी और कुबेरा टीम के बीच संगीत सहयोग पहले ही लोकप्रिय साबित हो चुका है और दर्शकों ने साउंडट्रैक को पूरे दिल से अपनाया है।फिल्म के चार गाने अब तक रिलीज़ हो चुके हैं और प्रत्येक गाने को अलग-अलग उम्र और वर्ग के संगीत प्रेमियों से जबरदस्त प्रतिक्रिया और सराहना मिली है। धनुष, जिम सर्भ और रश्मिका मंदाना सहित शानदार कलाकारों के साथ, कुबेरा एक महत्वपूर्ण सिनेमाई अनुभव होने के लिए तैयार है, जिसमें डीएसपी का संगीत एक प्रमुख भूमिका निभा रहा है – जो इस बहुप्रतीक्षित रिलीज़ को लेकर दर्शकों की उत्सुकता को और भी बढ़ा रहा है।

## आज का राशिफल

**मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ**

अपने खान–पान का विशेष ध्यान रखें। अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा।समय का अच्छा इस्तेमाल करने के लिए आज आप पार्क में घूमने का प्लान बना सकते हैं लेकिन वहां किसी अनजान शख्स से आपकी बहस होने की अशंका है जिससे आपका मूड खराब हो जाएगा। जीवनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएँ बिगड़ सकती हैं। लेकिन फिर आपको महसूस होगा कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है।

**वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो**

अपने दफ़्तर से जल्दी निकलने की कोशिश करें और वे काम करें जिन्हें आप वाक़ई पसंद करते हैं। आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें।इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें।

**मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह**

पैसा अचानक आपके पास अएगा, नए पारिवारिक व्यवसाय को शुरू करने के लिए शुभ दिन है। इसे सफल बनाने के लिए दूसरे सदस्यों की भी मदद लें। आपका प्रिय को आपसे भरोसे और वादे की ज़रूरत है। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं हालांकि अंत में आपको महसूस होगा कि आपने उनके साथ समय बर्बाद किया है और कुछ नहीं। अपने साथी पर किया गया संदेह एक बड़ी लड़ाई का रूप ले सकता है। आज आप अपने दोस्तों से जुड़ी कुछ जानकारियों को जानकर चकित हो सकते हैं।

**कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो**

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन–शैली में बदलाव लाने का सही समय है। दिन बहुत लाभदायक नहीं है– इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते हैं। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

**सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे**

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। आज के दिन भूलकर भी किसी को पैसे उधार न दें और यदि देना जरुरी हो तो देने वाले से लिखित में लें कि वो पैसा वापस कब करेगा। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। आप दुनिया में ख़ुद को सबसे रईस महसूस करेंगे, क्योंकि आपके जीवनसाथी का व्यवहार आपको ऐसा महसूस कराएगा।

**कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो**

निश्चित तौर पर वित्तीय स्थिति में सुधार आएगा– लेकिन साथ ही ख़र्चों में भी इज़ाफ़ा होगी। अपना अतिरिक्त समय निःस्वार्थ सेवा में लगाएँ। यह आपको और आपके परिवार को ख़ुशी और दिली सुकून देगा। चीज़ों और लोगों को तेज़ी–से परखने की क्षमता आपको दूसरों से आगे बनाए रखेगी। आपके जीवनसाथी की बेरुख़ी दिन भर आपको उदास रख सकती है। किसी ऐसे शख़्स का फ़ोन आ सकता है जिससे आप बहुत लंबे समय से बात करना चाहते थे। बहुत–सी पुरानी यादें ताज़ा हो जाएंगी और आप समय में पीछे लौट जाएंगे।

**तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते**

शारीरिक व्यायाम और वज़न घटाने की कोशिशें आपके रूप–रंग को निखारने में फ़ायदेमंद साबित होंगी। विदेशों में पड़ी आपकी जमीन आज अच्छे दामों में बिक सकती है जिससे आपको मुनाफा होगा। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। आपके आस–पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा।

**वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू**

अगर आप लोन लेने वाले थे और काफी दिनों से इस काम में लगे थे तो आज के दिन आपको लोन मिल सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। अपने दिल की बात ज़ाहिर करके आप ख़ुद को काफ़ी हल्का और रोमांचित महसूस करेंगे। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे. उतावलापन अच्छा नहीं है, आपको किसी भी काम को करने में उतावलापन नहीं दिखाना चाहिए। इससे काम के खराब होने की संभावना बढ़ जाती है।

**धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे**

आपको अपनी सेहत के प्रति ज़्यादा सावधानी बरतने की ज़रूरत है, ख़ास तौर पर रक्तचाप के मरीज़ों को। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। इस समय जो समस्याएँ आपको झेलनी पड़ रही हैं, वे क्षणिक हैं और समय के साथ वे ख़ुद–ब–ख़ुद ख़त्म हो जाएंगी। इसे महसूस करने के लिए कुछ वक़्त बचाकर रखें। जब आपको लगता है कि आपके पास घर वालों या अपने दोस्तों के लिए टाइम नहीं है तो आपका मन खराब हो जाता है। आज भी आपकी मन स्थिति ऐसी ही रह सकती है। आज के दिन बाहर का भोजन आपके पेट की हालात खराब कर सकता है। इसलिए बाहर खाने से आज बचें।

**मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि**

आपके जीवन–साथी का प्यारा बर्ताव आपका दिन ख़ुशनुमा बना सकता है। माली सुधार की वजह से ज़रूरी ख़रीदारी करना आसान रहेगा। परिवार की किसी महिला सदस्य की सेहत चिंता की वजह बन सकती है। छात्र–छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें। ऐसा करना आपके लिए हितकारी है। अगर आप अपने जीवनसाथी से स्नेह की आशा रखते हैं, तो यह दिन आपकी आशाओं को पूरा कर सकता है।

**कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द**

आज जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। छात्रों को सलाह दी जाती है कि यारी–दोस्ती के चक्कर में इन कीमती पलों को खराब न करें। यार दोस्त आने वाले वक्त में भी मिल सकते हैं लेकिन पढ़ाई के लिए यही समय सबसे सही है। आपका जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ़ करेगा और आप पर बहुत स्नेह उढ़ेलेगा। छुट्टी के दिन भी दफ़्तर का काम करने से बुरा और क्या हो सकता है। परन्तु परेशान न हों, क्योंकि काम करके आप अपने अनुभव को और बढ़ा सकते हैं।

**मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची**

परिवार के इलाज से जुड़े ख़र्चों में इज़ाफ़े को नकारा नहीं जा सकता है। अपने ख़र्चों पर क़ाबू रखें और आज हाथ खोलकर व्यय करने से बचें। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। आपका साहस आपको प्यार दिलाने में सफल रहेगा। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं। आपका जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ़ करेगा और आप पर बहुत स्नेह उढ़ेलेगा। अकेलेपन को अपने ऊपर हावी न होने दें, इससे बेहतर होगा कि आप कहीं घूमने के लिए निकल सकते हैं।

## आज का पंचांग

दिनांक : 19 जून 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : अष्टमी प्रातः 11:58 तक
नक्षत्र : उत्तराभाद्रपदा रात्रि 11:17 तक
योग : सौभाग्य रात्रि 02:45 तक
करण : कौलव प्रातः 11:58 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 05:42, सूर्यास्त 06:52 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:47 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:41 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 05:35, सूर्यास्त 06:42 ( विजयवाडा )

**शुभ चौघड़िया**

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल रात्रि 11:18 से , पंचक चालू है।

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

# हल्दीघाटी विजय दिवस आत्मसम्मान की रक्षा का प्रतीक : भजनलाल

## मुख्यमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत आमजन से की पौधारोपण की अपील

**राजसमंद, 18 जून (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जल संरक्षण के माध्यम से ही हरियालो राजस्थान की परिकल्पना को साकार किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि वंदे गंगा जल संरक्षण–जन अभियान आमजन की सक्रिय भागीदारी से जन आंदोलन का रूप ले चुका है। उन्होंने प्रदेशवासियों से इस अभियान में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते हुए मानसून सीजन में पानी की हर बूंद को सहजने तथा अधिक से अधिक पौधरोपण करने की भी अपील की।

शर्मा बुधवार को राजसमंद में वंदे गंगा जल संरक्षण–जल अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मेवाड़ की इस गौरवशाली धरा पर हम जल एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य को लेकर एकत्र हुए हैं। आज ही के दिन 18 जून, 1576 को हल्दीघाटी का युद्ध लड़ा गया, यह केवल एक युद्ध नहीं था, बल्कि यह स्वतंत्रता, स्वाभिमान और आत्मसम्मान की रक्षा का प्रतीक था। मेवाड़ के स्वाभिमान के प्रतीक महाराणा प्रताप ने उस समय अकबर की विशाल सेना के सामने अपने सीमित संसाधनों और छोटी सेना के साथ जो वीरता दिखाई, वह आज भी हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जिसे हम हल्दीघाटी विजय दिवस के रूप में मनाते है। उन्होंने कहा कि यह दिवस हमें अपने देश, संस्कृति और सिद्धांतों के लिए हमेशा दृढ़ रहने का संदेश देता है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस और गंगा दशहरे के पावन अवसर पर वंदे गंगा जल संरक्षण–जन अभियान की शुरुआत की थी। 20 जून तक चलने वाले इस अभियान के माध्यम से जल संचय संरचनाओं का निर्माण, जल स्रोतों की साफ–सफाई, परंपरागत जलाशयों के स्वरूप को पुनः बहाल करना और जल संरक्षण के लिए जन जागरूकता से जुड़ी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इससे वर्षा के समय इन जल संरचनाओं में बरसात का पानी संग्रहित हो सकेगा। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने जल को अमृत मानकर उसे संरक्षित करने के लिए बावड़ियां, जोहड़, तालाब और कुंए जैसे अनूठे तरीके अपनाए। इस जल संस्कृति को आगे बढ़ाते हुए हमने वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के रूप में एक नई पहल की है। इसके तहत हमारी कोशिश है कि हर गांव, हर शहर और हर व्यक्ति तक जल संरक्षण का संदेश पहुंचे।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश में जल की आवश्यकता को समझते हुए हमारी सरकार ने दशकों से लंबित रामजल सेतु लिंक परियोजना और यमुना जल समझौते जैसे ऐतिहासिक कार्य किए हैं। साथ ही, इंदिरा गांधी नहर, देवास परियोजना, माही बांध, सोम–कमला–अंबा सहित विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से राज्य में जल संचयन तथा पानी की उपलब्धता को बढ़ावा दिया जा रहा है। हम पानी के क्षेत्र में राजस्थान को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर हमने पिछले वर्ष 7 करोड़ से अधिक पौधे लगाए हैं। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 2014 के बाद देश में अभूतपूर्व परिवर्तन हुआ है। राजीविका के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक संबल मिला है तथा वे आत्मनिर्भर बनकर रोजगार के पर्याप्त अवसर प्राप्त कर रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सम्मान को बनाए रखने के लिए देशभर में शौचालयों का निर्माण, धुंए से मुक्ति दिलाने के लिए उज्ज्वला योजना के माध्यम से घर–घर तक रसोई गैस तथा पीने के पानी के लिए हर घर तक नल से जल पहुंचाने का कार्य केन्द्र सरकार द्वारा किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के अनुसार देश में महिला, किसान, युवा तथा मजदूर चार जातियां हैं। हमारी सरकार इन चारों जातियों के उत्थान के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं को हम 5 साल में 4 लाख सरकारी नौकरी देंगे। इसी तरह राइजिंग राजस्थान समिट के तहत किए गए एमओयू से भी युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि, गोपालक क्रेडिट कार्ड जैसी विभिन्न योजनाओं से किसानों को राहत दी जा रही है। साथ ही, केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा गरीबों के लिए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार 5 हजार गांवों को गरीबी मुक्त करेगी, इसके तहत गांवों में निवास कर रहे गरीबों को आत्मनिर्भर बनाते हुए रोजगारपरक बनाया जाएगा। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर शुरू हुआ वंदे गंगा जल संरक्षण–जन अभियान एक बेहतरीन अभियान है, जिसके माध्यम से राज्य में जल संरक्षण के कार्यों को एक नई दिशा मिली है।

## पूर्व मुख्यमंत्री मोहनलाल सुखाड़िया के परिवार में जमीन विवाद गरमाया

**उदयपुर, 18 जून (एजेंसियां)।** राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री मोहनलाल सुखाड़िया के परिवार में जमीनी विवाद खुलकर सामने आ गया है। पूर्व मुख्यमंत्री की पुत्रवधु नीलिमा सुखाड़िया ने अपने देवर अरुण सुखाड़िया और उनके परिचित प्रवीण शर्मा के खिलाफ उदयपुर के भूपालपुरा थाने में एफआईआर दर्ज करवाई है। देवर अरुण सुखाड़िया ने भी एसपी को और थाने में तथ्यात्मक रिपोर्ट दी है।नीलिमा सुखाड़िया का आरोप है कि दुर्गा नर्सरी रोड स्थित उनके 3958 वर्गफीट के प्लॉट पर जबरन कब्जे की कोशिश की जा रही थी। 8 जून को अरुण सुखाड़िया मजदूरों के साथ पहुंचे और चारदीवारी तोड़वा रहे थे। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो अरुण सुखाड़िया ने गालीगलौज की और मारपीट पर उतारू हो गए।

पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 329(3), 324(4) व 351(2) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। इस विवाद पर अरुण सुखाड़िया के पुत्र दीपक सुखाड़िया ने कहा कि उनके 75 वर्षीय पिता पर लगे आरोप निराधार हैं। इस बारे में हमारे पक्ष की रिपोर्ट एसपी के समक्ष और थाने में पेश कर दिया है।

### रेजिडेंट डॉक्टर के सुसाइड का मामला

## जोधपुर में रेजिडेंट डॉक्टर्स की पेनडाउन हड़ताल, मरीजों को परेशानी

**जोधपुर, 18 जून (एजेंसियां)।** यहां एसएन मेडिकल कॉलेज के रेजिडेंट डॉक्टर राकेश विश्नोई की आत्महत्या के मामले को लेकर रेजिडेंट डॉक्टर्स ने मंगलवार सुबह दो घंटे की पेनडाउन हड़ताल की। सुबह 8 से 10 बजे तक ओपीडी, आईपीडी और ट्रोमा वार्ड सहित सभी विभागों में डॉक्टरों ने काम बंद रखा। इस दौरान मरीजों को इलाज के लिए परेशान होना पड़ा।रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. हीरालाल यादव ने बताया कि डॉ. राकेश के आत्महत्या प्रकरण में अब तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि कॉलेज प्रशासन की चुप्पी अन्यायपूर्ण है और इससे मेडिकल सिस्टम में भरोसा टूट रहा है। इसी कारण दो घंटे की सांकेतिक हड़ताल कर विरोध जताया गया है।

डॉक्टर राकेश विश्नोई ने 13 जून को जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया था। उन्हें गंभीर हालत में जयपुर रेफर किया गया था, जहां 14 जून को उनकी मौत हो गई। आत्महत्या से पहले राकेश ने एक वीडियो संदेश जारी कर आर–ोप लगाया था कि फार्माकोलॉजी विभाग के एचओडी थीसिस को लेकर मानसिक रूप से परे–शान कर रहे हैं, जिसके चलते उन्होंने यह कदम उठाया। रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन ने प्रशासन के सामने तीन मुख्य मांगें रखी हैं– संबंधित व्यक्ति को पद से हटाने, पीड़ित परिवार की बात सुनकर स्वतंत्र व निष्पक्ष जांच कराने और रेजिडेंट्स को मानसिक सुरक्षा व बेहतर कार्य वातावरण देने की।एसोसिएशन अध्यक्ष डॉ. यादव ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो सभी रेजिडेंट डॉक्टर पूर्ण कार्य बहिष्कार करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस हड़ताल के चलते अस्पताल आए मरीजों को इलाज में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। डॉक्टरों ने काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराया। वहीं, फार्माकोलॉजी विभाग के एचओडी डॉ. राजकुमार राठौड़ ने कहा है कि डॉ. राकेश पहले से मानसिक रूप से परेशान थे और उनका इलाज भी चल रहा था।

## उदयपुर के सायरा कस्बे में एक ही रात तीन बड़ी चोरियां

### पुलिस ने 150 किमी पीछा कर पकड़े पांच शातिर बदमाश

**उदयपुर, 18 जून (एजेंसियां)।** जिले के सायरा कस्बे में चोरों ने एक ही रात तीन अलग–अलग स्थानों पर धावा बोलकर मोटरसाइकिल, मोबाइल और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। कस्बे के निवासियों में दहशत का माहौल है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई कर पाली व सिरोही जिलों में 150 किलोमीटर तक पीछा कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने बताया कि दिनांक 16 जून 2025 की रात कस्बा सायरा में एक के बाद एक तीन बड़ी चोरी की वारदातें सामने आईं। पहली घटना में प्रार्थी जीवाराम पुत्र लालाराम मेघवाल निवासी सायरा ने रिपोर्ट दी कि उसकी हीरो होंडा स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल (ठग 27 डण 1421) अज्ञात चोर चोरी कर ले गए।दूसरी घटना में सायरा निवासी प्रकाश जैन ने रिपोर्ट दी कि उसकी मोटरसाइकिल घर के बाहर से चोरी हो गई। दोनों मोटरसाइकिलें रात्रि 10 बजे के बाद गायब पाई गईं। तीसरी वारदात में राघेला पाड़ा, थाना कलिंजरा जिला बांसवाड़ा के परमेश डामोर ने रिपोर्ट दी कि पीएचसी सायरा में काम करने के दौरान वह अपने साथी राकेश के साथ बरामदे में सो रहा था। अज्ञात चोरों ने रात में कमरे का ताला तोड़कर उसका व राकेश का मोबाइल, पेंट की जेब में रखे 2000 रुपये नकद व आधार कार्ड चुरा लिया।

## हरियाणा विस अध्यक्ष ने किया कर्नाटक विधान सभा का दौरा

**चंडीगढ़, 18 जून (एजेंसियां)।** हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कर्नाटक राज्य प्रवास के दौरान बेंगलुरु स्थित विधान सौध (कर्नाटक विधान सभा) का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने कर्नाटक विधान सभा के उपाध्यक्ष रुद्रप्पा मनप्पा लामानी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत भी की।इस दौरे के दौरान हरियाणा एवं कर्नाटक विधानसभा के प्रतिनिधियों के बीच विधायी प्रक्रियाओं, सदन संचालन, तकनीकी नवाचार और संसदीय परंपराओं को लेकर विस्तृत एवं सारगर्भित चर्चा हुई। दोनों राज्यों के प्रतिनिधियों ने एक–दूसरे के अनुभवों से सीखने और भविष्य में विधायी प्रक्रियाओं को और अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बनाने के लिए सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई।

इस अवसर पर हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने आगामी राष्ट्रीय शहरी स्थानीय निकाय सम्मेलन, जो कि 3 और 4 जुलाई, 2025 को गुरुग्राम में आयोजित होने जा रहा है, का भी उल्लेख किया।

## हरियाणा के सभी 22 जिलों के जिला अध्यक्षों की घोषणा जल्द : गोयल

**चंडीगढ़, 18 जून (एजेंसियां)।** अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष डा. राजकुमार गोयल ने घोषणा की है कि जल्द ही हरियाणा के सभी 22 जिलों का संगठनात्मक पुनर्गठन किया जाएगा। एक सप्ताह के अन्दर अन्दर हरियाणा के सभी 22 जिलों के जिला अध्यक्षों की घोषणा कर दी जाएगी। अग्रवाल समाज के प्रदेश अध्यक्ष डा. राजकुमार गोयल ने आज यहां यह घोषणा की। इस अवसर पर अग्रवाल समाज के प्रदेश पदाधिकारी सावर गर्ग, रामधन जैन, पवन बंसल, सोनू जैन, चंडीगढ़ के प्रभारी सुभाष डाहौला, पंजाब के सह प्रभारी प्रवीण गोयल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।गोयल ने बताया कि आगामी 7 सितम्बर को जीन्द में राज्यस्तरीय महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस जयंती समारोह के तहत जीन्द में उत्तर भारत स्तर का ऐतिहासिक विवाह योग्य परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह सम्मेलन आज तक का सबसे बड़ा सम्मेलन होगा। सम्मेलन में हजारों की तादाद में अग्र बंधु उपस्थित होंगे। इस सम्मेलन में देश–प्रदेश से अग्रवाल समाज के दर्जनों राष्ट्रीय नेता मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करेंगे। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य योग्य युवक–युवतियों का परिचय करवाना, समाज में रिश्तों के संजाल को मजबूत करना, सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना और नई पीढ़ी को एक मजबूत वैवाहिक मंच उपलब्ध कराना है।

## कांग्रेस ने डा. अंबेडकर के विचारों का हमेशा अपमान किया : आर्य

**चंडीगढ़, 18 जून (एजेंसियां)।** एससी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य गुरुग्राम में कांग्रेस पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बाबा साहेब अंबेडकर के विचारों और उनके बनाए संविधान का अपमान करने वाली पार्टी है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी सत्ता बचाने के लिए देश पर आपातकाल थोपा और व्यक्ति की स्वतंत्रता को बंधक बनाया। उन्होंने कहा कि संविधान की हत्यारी कांग्रेस ने 72 बार चुनी हुई सरकारों को गिराने का पाप भी किया है। आर्य बुधवार को गुरुग्राम स्थित भाजपा कार्यालय गुरुकमल में सिद्धि से समृद्धि तक कार्यक्रम के तहत आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने मोदी सरकार की 11 सालों की उपलब्धियां बताई। उन्होंने कहा कि 2014 में पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनी है तब से घोटालों का अँधेरा दूर हुआ है और सुशासन का प्रकाश फैल रहा है। एसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य ने भाजपा कार्यालय में पौधा रोपण कर कार्यकर्ताओं से एक पेड़ मां के नाम लगाने का आह्वान किया।एससी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य ने कार्यशाला में विश्व पर्यावरण दिवस, डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस, आपातकाल के काले अध्याय का 50वां वर्ष कार्यक्रमों को लेकर विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

# सरकार का उद्देश्य धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर को वैश्विक स्तर पर पहचान मिले : सैनी

**चंडीगढ़, 18 जून (एजेंसियां)।** धर्मक्षेत्र–कुरुक्षेत्र की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर को वैश्विक स्तर पर पहचान मिले, इसके लिए लगातार सरकार प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड की 82वीं बैठक आज राज्यपाल एवं बोर्ड अध्यक्ष बंडारू दत्तात्रेय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस बैठक में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर उपाध्यक्ष शामिल हुए। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल भी उपस्थित रहे।

राज्यपाल एवं बोर्ड अध्यक्ष बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि देशभर में कुरुक्षेत्र की विस्तृत पहचान बने, इसके लिए सभी को मिलजुल कर प्रयास करने होंगे। कुरुक्षेत्र का एक बड़ा धार्मिक महत्व है, ऐसे में एक भव्य अध्यात्मिक नगरी के रुप में इसके विस्तार को लेकर हमारी परिकल्पना होनी चाहिए। इसके बोर्ड में देश भर के विद्वान एवं प्रतिष्ठित लोगों को जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि 48 कोस के अंतर्गत आने वाले तीर्थ स्थलों को लेकर साल में कम से कम 48 उत्सव इन गांवों में मनाने चाहिए। इनमें जनप्रतिनिधियों की भागीदारी के साथ साथ जिन गांवों में ये तीर्थ स्थल है, उनकी सहभागिता भी जोड़ी जाए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर को वैश्विक स्तर पर पहचान मिले। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था की जाएं कि अगर कोई यहां आएं तो उसे एहसास हो कि वो उस पवित्र धरा पर आया हैं जो महाभारत के इतिहास से जुड़ी है। इसके लिए यहां पर धार्मिक और पर्यटन के नजरिये से हमें पर्यटकों के लिए आधुनिक व्यवस्थाएं करनी होगीं। बैठक के दौरान बोर्ड के पदाधिकारियों और अधिकारियों के समक्ष कुरुक्षेत्र के विकास के पहलुओं को लेकर चर्चा हुई, जिसमें सफाई व्यवस्था, सरोवर के रख रखाव, नवीनीकरण और ट्रांसपोर्टेशन की व्यवस्था करने के साथ साथ मेला एरिया में विकास को लेकर चर्चा हुई है। बैठक में अलग अलग स्थानों पर चल रहे विकास कार्यो की समीक्षा की गई, साथ ही प्रोजेक्ट्स में तेजी लाने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में धर्मनगरी कुरुक्षेत्र के समग्र विकास को लेकर कई पहलुओं पर चर्चा हुई है। खास तौर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कुरुक्षेत्र में चौक और प्रवेश द्वार को चिन्हित करने के निर्देश भी दिए है। इन्हें महाभारत की थीम का रुप दिया जाएगा। ज्योतिसर की तरफ से आने वाले रास्ते पर लगे सुदर्शन चक्र को भी दोबारा बनाया जाएगा। जिसमें लाइटिंग करने के साथ साथ भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा भी स्थापित होगी। साथ ही बैठक में ब्रहमसरोवर के प्रवेश द्वार के नाम भी तय करने बारे चर्चा हुई। ज्योतिसर तीर्थ परिसर के आस–पास ग्रीनरी की व्यवस्था करने के भी संबंधित विभाग को निर्देश दिए गए है।

शुभ लाभ DAILY

# जिला भू-अर्जन कार्यालय के लिपिक 70 हजार की घूस लेते धरे गए

**शिवहर (एजेंसियां)।**
शिवहर जिले में पांच साल के लंबे अंतराल के बाद निगरानी विभाग की टीम ने एक बार फिर भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए जिला भू-अर्जन कार्यालय के लिपिक को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई समाहरणालय परिसर में की गई, जहां लिपिक विजय कुमार श्रीवास्तव को 70 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। इस कार्रवाई के बाद कार्यालय परिसर में अफरातफरी का माहौल बन गया और अधिकारी व कर्मचारी सकते में आ गए।

निगरानी विभाग के डीएसपी सुजीत कुमार सागर ने बताया कि शहर के बभनटोली गांव निवासी पप्पू कुमार तिवारी ने विभाग में लिखित शिकायत की थी, जिसमें कहा गया था कि रेलवे द्वारा अधिग्रहित भूमि के मुआवजे की फाइल पास कराने के एवज में भू-अर्जन कार्यालय के कर्मचारी द्वारा 70 हजार रुपये की रिश्वत मांगी जा रही है। शिकायत की जांच के बाद विभाग ने 17 जून को इस मामले में एफआईआर दर्ज की थी। इसके बाद बुधवार की सुबह जैसे ही कार्यालय खुला, निगरानी विभाग की टीम ने पहले से ही वहां जाल बिछा दिया। शिकायतकर्ता जैसे ही तय राशि लेकर पहुंचा और लिपिक ने पैसे लिए, टीम ने तत्काल उसे रंगे हाथ पकड़ लिया।

डीएसपी सागर ने कहा कि इतनी बड़ी रकम की रिश्वत केवल एक लिपिक के स्तर पर ली जा रही हो, यह मानना मुश्किल है। प्रारंभिक जांच में स्पष्ट हो रहा है कि इस घोटाले में कनिष्ठ से लेकर वरिष्ठ स्तर तक के अन्य अधिकारी भी शामिल हो सकते हैं। गिरफ्तार लिपिक से जिला अतिथि गृह में कई घंटे तक पूछताछ की गई, जिसमें कई नाम सामने आए हैं। डीएसपी ने स्पष्ट किया कि अब आगे अन्य लोगों की गिरफ्तारी भी हो सकती है।

बाताया जा रहा है कि बापूधाम शिवहर से होकर गुजरने वाली नई रेलवे लाइन परियोजना के लिए शहर सहित आसपास के क्षेत्रों की भूमि अधिग्रहित की गई है। अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब मुआवजे का भुगतान किया जा रहा है। पप्पू तिवारी की 25 डिसमिल जमीन अधिग्रहित की गई थी, जिसकी मुआवजा राशि करीब 35 लाख रुपये निर्धारित थी। इस भुगतान को पास कराने के लिए लिपिक द्वारा लगातार रिश्वत की मांग की जा रही थी। कई चक्कर लगाने और थक-हारने के बाद उन्होंने निगरानी विभाग में शिकायत की थी।

पप्पू तिवारी का यह भी कहना है कि सिर्फ उन्हीं से नहीं, बल्कि इस परियोजना में शामिल 15 से अधिक लाभार्थियों से दो प्रतिशत तक की राशि रिश्वत के रूप में मांगी जा चुकी है। इनमें से कुछ लोगों ने भुगतान भी किया है, तब जाकर उनकी राशि निर्गत की गई।

शिवहर जिले में निगरानी विभाग की यह अब तक की सातवीं कार्रवाई है। इससे पहले वर्ष 2008 में पहली बार निगरानी विभाग ने जिले में कार्रवाई की थी, जब तत्कालीन सिविल सर्जन पंचानंद प्रसाद को रिश्वत लेते पकड़ा गया था। इसके बाद सेंट्रल बैंक के सहायक प्रबंधक अर्जुन राम, तरियानी थाना अध्यक्ष संजय कुमार राय, कोषागार के सहायक लेखापाल राम प्रवेश चौधरी, भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता अमरेन्द्र कुमार और कनिष्ठ अभियंता विद्यासागर तथा तरियानी प्रखंड के अंचल निरीक्षक ईश्वर चंद्र प्रसाद सिंह को भी विभिन्न अवसरों पर घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया था।

अब वर्ष 2025 में एक बार फिर निगरानी विभाग ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है, जिससे साफ है कि जिले में भ्रष्टाचार पर लगाम कसने की कोशिशें अभी भी जारी हैं। गिरफ्तार लिपिक से मिली जानकारी के आधार पर अब विभाग इस घोटाले में शामिल अन्य अधिकारियों और कर्मियों की भूमिका की भी जांच कर रहा है।

# प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी समेत दो को निगरानी ने किया गिरफ्तार

## रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ाए दोनों

**रोहतास (एजेंसियां)।**
सासाराम जिले के बिक्रमगंज प्रखंड के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सुधीर कांत शर्मा एवं लेखा सहायक सुभाष कुमार को पटना से आई निगरानी विभाग की टीम ने बुधवार को घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को सात हजार छह सौ रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है जबकि लेखा सहायक सात हजार रुपए घूस की रकम के साथ गिरफ्तार हुए हैं।

बिक्रमगंज प्रखंड मुख्यालय पर निगरानी विभाग की इस बड़ी कार्रवाई से हड़कंप मचा हुआ है तथा निगरानी विभाग ने दोनों को गिरफ्तार कर अपने साथ पटना ले गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सुधीर कांत शर्मा एवं कार्यालय लेखा सहायक सुभाष कुमार एक शिक्षक विद्या भूषण से एरियर भुगतान के एवज में रिश्वत ले रहे थे। आदर्श मध्य विद्यालय, गोटपा में पदस्थापित शिक्षक विद्या भूषण ने इसको लेकर पूर्व में ही निगरानी विभाग में एक शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आलोक में विभाग ने शिकायत का सत्यापन कर जाल बिछाते हुए दोनों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

मामले में पीड़ित शिक्षक ने बताया कि ट्रेनिंग के दौरान एरिअर की राशि भुगतान करने एवं सर्विस बुक संधारण हेतु प्रतिवर्ष पांच सौ रुपए के हिसाब से रुपए की मांग की गई थी। हालांकि उनसे 20 हजार रुपए की मांग की थी, लेकिन उन्होंने प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को 7600 रुपए तथा लेखा सहायक को 7000 रुपए दिए और इसी दौरान निगरानी की टीम ने दोनों को पकड़ लिया।

मामले में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के डीएसपी श्याम बाबू प्रसाद ने बताया कि शिक्षक विद्या भूषण द्वारा रिश्वत की मांग को लेकर निगरानी विभाग में एक शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आलोक में आज उक्त करवाई को अंजाम दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सुधीर कांत शर्मा एवं लेखा सहायक सुभाष कुमार को गिरफ्तार कर पटना ले जाया जा रहा है, जहां उन्हें विशेष अदालत के समक्ष पेश किया जाएगा।

# कुछ वर्गों के विरोध के कारण जाति जनगणना रिपोर्ट लागू नहीं हो सकी: एमएलसी यतींद्र

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**
कर्नाटक में कांग्रेस सरकार द्वारा नई जाति जनगणना की घोषणा के कुछ दिनों बाद, कांग्रेस एमएलसी यतींद्र सिद्धरामैया ने कहा कि राज्य सरकार कुछ वर्गों के विरोध के कारण पिछली रिपोर्ट को लागू करने में असमर्थ रही, जिससे पिछड़े वर्गों को अधिक आरक्षण सुनिश्चित होता। मांड्या के कराडीकोप्पलु में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, यतींद्र ने कहा कि सिद्धरामैया के मुख्यमंत्री के रूप में पिछले कार्यकाल के दौरान किए गए सर्वेक्षण के बाद विभिन्न जातियों की सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक स्थिति पर एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी। यदि इसे लागू किया जाता, तो पिछड़े वर्ग, जिन्हें लंबे समय से अवसरों से वंचित रखा गया है, को अधिक आरक्षण मिलता। लेकिन, उन्होंने कहा कि कुछ वर्गों के कड़े विरोध के कारण रिपोर्ट को लागू नहीं किया जा

सका, जिन्होंने जनगणना (2015 में) के बाद से 10 साल बीत जाने जैसी 'छोटी' आपत्तियां उठाईं। यतीन्द्र ने कहा कि अब सर्वेक्षण नए सिरे से कराना होगा। उन्होंने कहा कि पिछली रिपोर्ट में दिखाया गया था कि पिछड़े वर्ग बड़ी संख्या में हैं, जो कुल आबादी का 50 प्रतिशत से अधिक है और मुसलमानों सहित कुल मिलाकर लगभग 75 प्रतिशत है। उन्होंने कहा लेकिन पिछड़े वर्गों के लिए अवसर उनकी आबादी के अनुपात में नहीं हैं। इसलिए, उनके लिए आरक्षण बढ़ाया जाना चाहिए। यतीन्द्र ने कहा कि आरक्षण की मात्रा में वृद्धि से वोक्कालिगा और लिंगायत को भी लाभ होगा, क्योंकि वे भी 'शूद्र' हैं और पिछड़े वर्गों का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि पिछली भाजपा सरकार ने मुसलमानों से 4 प्रतिशत आरक्षण छीनने और वोक्कालिगा और लिंगायत को 2-2 प्रतिशत देने की योजना बनाई थी, जबकि पिछली जाति जनगणना रिपोर्ट में प्रत्येक को 3 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया गया था। अगड़ी जातियों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का जिक्र करते हुए, कांग्रेस एमएलसी ने खेद व्यक्त किया कि इसे बिना किसी आपत्ति के लागू किया गया, जबकि कर्नाटक में उनकी आबादी केवल 4 प्रतिशत है। उन्होंने उपस्थित लोगों से आत्मचिंतन करने तथा केवल उन्हीं नेताओं का समर्थन करने का आह्वान किया जो उनके अधिकारों के लिए लड़े।

# मेंगलूरु में भारी बारिश से व्यापक क्षति, कई सड़कें बंद

## परिवारों को स्थानांतरित किया गया

**मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**
भारी बारिश के कारण मेंगलूरु तालुक के कई इलाकों में नुकसान हुआ, सड़कें, घर प्रभावित हुए और कृत्रिम बाढ़ के कारण कई परिवारों को दूसरे स्थानों पर जाना पड़ा। कंडावारा ग्राम पंचायत की सीमा में, बाजपे से अड्यापडी वाया बैलुबिदु तक जाने वाली पुरानी एयरपोर्ट सड़क में जलभराव के कारण दरारें आ गई। सड़क के कुछ हिस्सों में उबड़-खाबड़ होने और वाहन चालकों के लिए खतरा पैदा होने के कारण, पंचायत राज विभाग के इंजीनियरों ने इलाके का निरीक्षण किया। सुरक्षा के लिए सड़क पर वाहनों की आवाजाही को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। मेरलापदावु-अड्यार पडावु में, कंक्रीट की सड़क के नीचे मिट्टी के कटाव के कारण दरारें दिखाई देने लगी हैं, जिससे सड़क के ढहने की आशंका बढ़ गई है। सुरक्षा चिंताओं के कारण यहां भी यातायात को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। सुरिंजे ग्राम पंचायत के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत डेलांथाबेट्टू गांव में, नंदिनी नदी उफान पर आ गई, जिससे कृत्रिम बाढ़ आ गई। अग्निशमन और आपातकालीन सेवाओं के सहयोग से, तीन परिवारों को सुरक्षित क्षेत्रों में स्थानांतरित किया गया। अड्यार ग्राम पंचायत के अंतर्गत केमनजुर गांव में भी इसी तरह की बाढ़ के कारण कई घरों में पानी घुस गया। मेंगलूरु सिटी कॉरपोरेशन की सीमा के भीतर, भारी बारिश के कारण डेरेबेल में एक घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि दो अन्य को आंशिक नुकसान पहुंचा। अट्टावर, अर्कुला, मुलूर और पदुकोडी गांवों में चार घरों को आंशिक नुकसान पहुंचने की भी खबर है। मुलूर के पास विकास नगर में भारी बारिश के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग के पास स्थित तीन घरों में पानी घुस गया। कन्नूर गांव के दयाम्बू में भूस्खलन के कारण बारिश का पानी और कीचड़ आस-पास के घरों में घुस गया, जिससे दो परिवारों को दूसरे स्थानों पर जाना पड़ा। मेंगलूरु के तहसीलदार ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में पुष्टि की कि तालुक में किसी भी तरह की जान या पशुधन के नुकसान की खबर नहीं है।

### पर्यावरण संरक्षण को लेकर बड़ा फैसला

# 15 अक्टूबर तक बिहार में बालू खनन पूरी तरह बंद

**पटना (एजेंसियां)।**
खान एवं भूतत्व विभाग, बिहार सरकार ने पर्यावरण संरक्षण और खनन प्रबंधन को लेकर अहम फैसला लेते हुए राज्य के सभी बालू घाटों पर 15 जून से 15 अक्टूबर तक बालू खनन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। इस अवधि के दौरान बालू की बिक्री केवल सेकेंड्री लोडिंग पॉइंट्स और के. स्टॉकिस्ट लाइसेंस के माध्यम से ही की जाएगी, जिससे जनता और कार्य विभागों को बालू की कमी न हो।

विभाग ने सभी संचालित और असंचालित घाटों के साथ साथ सेकेंड्री लोडिंग पॉइंट्स की ड्रोन वीडियोग्राफी कराने का आदेश दिया है। इसका उद्देश्य है कि नदियों में बालू के पुनर्भरण का सटीक आकलन हो सके। इससे भविष्य में घाटों की नीलामी और बंदोबस्ती अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित हो सकेगी।

साथ ही, विभाग ने भारत सरकार की एजेंसी सीएमपीडीआई से बालू पुनर्भरण अध्ययन कराने के लिए मंत्रिपरिषद से स्वीकृति प्राप्त कर ली है। यह अध्ययन वैज्ञानिक व निष्पक्ष तरीके से बालू के पुनर्भरण की जानकारी देगा।

मानसून के दौरान निर्माण कार्यों को बाधित होने से बचाने के लिए विभाग ने प्रत्येक जिले के जिला खनन पदाधिकारी को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि आम नागरिकों को बालू की उपलब्धता में कोई परेशानी न हो। सभी पदाधिकारियों के संपर्क नंबर विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। कार्य विभागों को विशेष रूप से सूचित किया गया है कि वे आवश्यकता पड़ने पर विभाग के माध्यम से घाटों का बंदोबस्त कर सकते हैं।

खनन विभाग ने अवैध खनन पर लगाम कसते हुए निर्देश दिया है कि जब्त बालू को दर पर कार्य विभागों को उपलब्ध कराया जाए। इसका उद्देश्य वैध खनन को बढ़ावा देना और विकास परियोजनाओं की रफ्तार को बनाए रखना है। इन उपायों के सफल क्रियान्वयन और जनता को असुविधा से बचाने हेतु 19 जून 2025 को पटना में सभी जिला खनन पदाधिकारियों की महत्व-पूर्ण बैठक बुलाई गई है। इसमें वैध आपूर्ति और सुगम खनन प्रक्रिया को लेकर विचार विमर्श किया जाएगा।

खान एवं भूतत्व विभाग का यह स्पष्ट संकल्प है कि विकास कार्यों में किसी प्रकार की बाधा न आए और प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित व जिम्मेदाराना उपयोग हो। विभाग ने यह भी दोहराया कि पर्यावरण संरक्षण और विकास कार्य साथ साथ चल सकते हैं, बस उसके लिए नियंत्रण, पारदर्शिता और जनहित की भावना आवश्यक है।

# शिरडी घाट पर भूस्खलन के कारण बेंगलूरु-मेंगलूरु राजमार्ग अवरुद्ध

## कई घंटों तक वाहन फंसे रहे

**शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।**
हासन जिले के सकलेशपुर तालुक में डोड्डाथप्पले में भूस्खलन के कारण, बेंगलूरु और मेंगलूरु को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 75 पर सोमवार की रात को वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई। सूत्रों ने बताया कि सड़क को चौड़ा करने के दौरान पहाड़ी को अवैज्ञानिक तरीके से काटने के कारण भूस्खलन हुआ। कई वाहन कई घंटों तक राजमार्ग पर फंसे रहे। स्थानीय अधिकारियों ने मंगलवार की सुबह तक राजमार्ग को वाहनों के लिए साफ कर दिया। यह खंड शिरडी घाट का हिस्सा है, जहां पिछले कुछ वर्षों से बार-बार भूस्खलन हो रहा है।

# पंचेश्वरनाथ महादेव मंदिर में तोड़फ़ फोड़, पुजारी पर हमला

## आरोपी को पुलिस ने हिरासत में लिया

**दरभंगा (एजेंसियां)।**
मधुबनी के मधवापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पंचेश्वरनाथ महादेव मंदिर में रविवार को एक युवक द्वारा तोड़फ़फोड़ और पुजारी पर हमले की घटना से क्षेत्र में तनाव फैल गया। जानकारी के अनुसार, एक युवक मंदिर में घुस आया और महादेव तथा पार्वती की मूर्ति को खंडित कर बाहर फेंक दिया। मंदिर में हो रही आवाज़ सुनकर जैसे ही पुजारी मंदिर पहुंचे, आरोपी युवक ने मंदिर की घंटी से उन पर हमला कर दिया, जिससे पुजारी गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की भारी भीड़ मंदिर परिसर में जमा हो गई। पुजारी की पत्नी निभा देवी ने बताया कि मंदिर से आवाजें आ रही थीं, जिस पर वे और उनके पति मंदिर की ओर गए। तभी युवक ने घंटी उठाकर पुजारी के सिर पर वार कर दिया।

स्थानीय लोगों की सूचना पर मधवापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में ले लिया।

थाना अध्यक्ष पंकज कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में युवक मानसिक रूप से अस्वस्थ प्रतीत हो रहा है। उसकी पहचान रंजीत शाह के रूप में हुई है, जो मधवापुर थाना क्षेत्र के भगवतीपुर स्थान निवासी विजय शाह का दामाद बताया जा रहा है। पुलिस ने युवक के परिजनों को थाने बुलाया है और मामले की जांच जारी है।

मामले को लेकर गांव के सरपंच बलराम झा ने भी मंदिर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि युवक ने मंदिर में घुसकर मूर्ति को क्षतिग्रस्त कर बाहर फेंक दिया, जिससे लोगों में आक्रोश है। हालांकि पुलिस की त्वरित कार्रवाई से स्थिति नियंत्रण में है। पुलिस ने बताया कि मामले की पूरी जांच के बाद उचित विधिक कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com